एयर इंडिया विमानों में डीजीसीए को ऑडिट में मिलीं 100 खामियां, सात गंभीर श्रेणी की - 10

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो - 07

गाजा में भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका - 11

सात्विक और चिराग दूसरे दौर में पहुंचे त्रीसा-गायत्री बाहर- 12

आज का मौसम
31.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.33
सूर्यास्त 07.04

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी 02:41 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082 | बरेली | बुधवार, 30 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 250, पृष्ठ 12+4 | मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मेधा पाटकर की सजा कोर्ट ने बरकरार रखी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा साल 2000 में दायर मानहानि के मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर की दोषसिद्धि और उन्हें दी गई सजा को मंगलवार को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति शालिंदर कौर ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश में किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। इसी आदेश के खिलाफ पाटकर ने उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति कौर ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश में कुछ भी अवैध नहीं मिला और फैसले में किसी भी तरह के हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए अपील को खारिज किया जाता है। सक्सेना ने यह मामला 23 साल पहले दायर किया था, जब वह गुजरात में एक गैर-सरकारी संगठन के प्रमुख थे।

पूर्व आयुक्त के परिसरों पर ईडी ने की छापेमारी

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वसई विरार शहर महानगरपालिका के अधिकार क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण से जुड़ी धन शोधन की जांच के सिलसिले में उसके पूर्व आयुक्त अनिल पवार से जुड़े कई परिसरों पर मंगलवार को छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत विरार, मुंबई और नासिक में पवार, उनके परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और कथित बेनामीदारों के 12 परिसरों की तलाशी ली गई।

अंदर देखें ... रंगोली

प्रधानमंत्री बोले- दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

लोकसभा में मोदी ने किया विपक्ष पर पलटवार, ट्रंप के दावों का खंडन

संसद में चर्चा

- कहा-कांग्रेस का सुर पाकिस्तान जैसा, पाकिस्तान को भी चेताया
- पहलगाम हमले पर कहा, भारत में दंगा फैलाने की थी बड़ी साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और इसे लेकर विपक्षी दलों के सवालों की पृष्ठभूमि में कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा।

प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम हमला भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सेना ने 22 मिनट में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले का बदला निर्धारित लक्ष्य के साथ और तय कार्रवाई के अनुसार लिया। मोदी ने अपने लगभग सौ मिनट के भाषण में कहा कि सेना ने पिछले 10 साल से तैयारियां कर रखी थीं, न की होती तो इस तकनीक के युग में हमारा कितना नुकसान हो सकता था, इसका अनुमान लगा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष के लोग पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाश रहे थे, उनकी ये बयानबाजी देश के सुरक्षाबलों का मनोबल गिरा रही थी। कहा कुछ लोग सेना के तथ्यों की जगह पाकिस्तान के गलत प्रचार को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा के दौरान बोलते प्रधानमंत्री मोदी।

परमाणु हमले की ब्लैकमेलिंग अब नहीं चलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान के दौरान दुनिया ने पहली बार आत्मनिर्भर भारत की ताकत को पहचाना और 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइल ने पाकिस्तानी हथियारों की पोल खोल दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद की घटनाएं पहले भी देश में होती थीं, लेकिन तब उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे और आगे की तैयारी में लग जाते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है और अब हमले के बाद उन्हें नींद नहीं आती। मोदी ने कहा कि उन्हें पता है कि भारत आएगा और मारकर जाएगा, यह 'न्यू नॉर्म' भारत ने स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से तीन चीजें तय हो गईं कि अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके से अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देकर रहेंगे, कोई भी परमाणु 'ब्लैकमेलिंग' अब नहीं चलेगी और हम आतंकियों की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

कांग्रेस मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ऑपरेशन सिन्दूर पर लोक सभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस और विपक्ष के नेता देश के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री के बयानों-वक्तव्यों पर भरोसा नहीं करते हैं और ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर तरह-तरह के आख्यान गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालात तो ऐसे हो गए हैं कि कांग्रेस को मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर होना पड़ रहा है। दुर्भाग्य से कांग्रेस मुद्दों को पाकिस्तान से आयात कर रही है। कांग्रेस और उसके सहयोगी पाकिस्तान के प्रपंच के प्रवक्ता बन चुके हैं।

एक दिन पीओके के लोगों की होगी घर वापसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को राज्य सभा में ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि आज का भारत सहन करने में नहीं, बल्कि माकूल जवाब देने में विश्वास करता है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि पीओके के लोगों की एक दिन घर वापसी जरूर होगी। साथ ही रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी ओर से कुछ आतंकवादी करतूत की गई तो ऑपरेशन सिंदूर को फिर शुरू करने में रंचमात्र भी देर नहीं की जाएगी।

मिसाइल प्रलय ने लगाया लक्ष्य पर सटीक निशाना

बालासोर/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम नई विकसित सामरिक मिसाइल 'प्रलय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। मिसाइल ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया।

'प्रलय' एक कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी पेलोड (भार) क्षमता 500 से 1,000 किलोग्राम तक है। यह मिसाइल पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम है और इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस मिसाइल से सशस्त्र बलों को खतरों के खिलाफ और तकनीकी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम रेंज क्षमता की पुष्टि करने के लिए उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के एक भाग के रूप में उड़ान परीक्षण किए गए थे। कहा कि मिसाइलें निर्धारित दिशा में सटीक रूप से आगे बढ़ीं और सटीकता के साथ लक्ष्य पर पहुंचीं। प्रलय एक स्वदेशी रूप से विकसित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है।

एआई से लैस होगा यूपी का सड़क सुरक्षा मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्र ने दी पहली एआई-आधारित सड़क सुरक्षा प्रोजेक्ट को मंजूरी
- 10 करोड़ के बजट से शुरू होगा छह हफ्ते का पायलट प्रोजेक्ट

अमृत विचार : भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बिग-डाटा एनालिटिक्स आधारित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना को औपचारिक एनओसी दे दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पहल मोटर यान अधिनियम 1988 व केंद्रीय मोटर यान नियमावली 1989 का पूर्ण पालन करेगी और केंद्र सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं डालेगी।

योगी सरकार की इस पहल को देश का पहला एआई संचालित सड़क सुरक्षा परीक्षण माना जा रहा है, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई व वैश्विक टेक-पार्टनर एमलोगिका द्वारा शून्य लागत पर चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 10 करोड़ की व्यवस्था कर डेटा संचालित प्रशासन मॉडल की आधारशिला रख चुकी है।

मिलेंगी पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं

इस परियोजना का प्रारंभिक प्रूफ ऑफ कांसेप्ट चरण छह सप्ताह का होगा, जिसमें दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम, वाहन टेलीमैटिक्स, ड्राइवर प्रोफाइल व सड़क ढांचे से जुड़े डेटा को एकीकृत कर एआई मॉडल तैयार होगा। इसका उद्देश्य दुर्घटना के मूल कारणों की पहचान, ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी करना है। परियोजना के परीक्षण के बाद इस एआई इंजन को फेसलेस लाइसेंस, परमिट प्रणाली, राजस्व वसूली, ई-चालान व वाहन सारथी प्लेटफॉर्म में चरणबद्ध लागू किया जाएगा। परिवहन आयुक्त ब्रजेश सिंह ने कहा इससे पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं मिलेंगी।

वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाए तो करेंगे हस्तक्षेप

- बिहार में एसआईआर पर सुनवाई के दौरान बोला सुप्रीम

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है और इसे कानून के अनुसार कार्य करने वाला माना जाता है, लेकिन बिहार में यदि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक बार फिर आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा एक अगस्त को प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से लोगों को बाहर रखा जा रहा है।

अशोका फोम
SUMMER SALE UPTO 70%
CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER
Readymade Garments FLAT 50% TO 80%
मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

मिसाल | पुवायां तहसील के नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही ने पेश किया उदाहरण

तहसील में गंदगी पर आईएएस ने लगाई उठक-बैठक

संवाददाता, पुवायां (शाहजहांपुर)

अमृत विचार : तहसील पुवायां में नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही (आईएएस) ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को अपने पहले ही निरीक्षण में ऐसा संदेश दिया, जो तहसील कर्मियों से लेकर अधिवक्ताओं के बीच चर्चा का विषय बन गया। तहसील परिसर में फैली गंदगी और पान-मसाला की पीक देखकर वह भड़क उठे और अधिवक्ताओं को कड़े शब्दों में सफाई बनाए रखने की चेतावनी दे डाली।

निरीक्षण के दौरान एक मुंशी को खुले में पेशाब करते देखा तो उठक-बैठक लगवा दी। इसी बीच तहसील परिसर में शौचालयों की गंदगी की बात सामने आने पर खुद को ही जिम्मेदार मानते हुए कान पकड़कर उठक-बैठक लगाकर उदाहरण पेश किया। एसडीएम ने कहा कि अपनी गलती स्वीकार करना गलत नहीं, बल्कि उसे सुधारने की जिम्मेदारी का पहला कदम है। मैंने अपनी तरफ से यह स्वीकार किया है और यही उम्मीद आप सबसे करता हूं। एसडीएम के इस व्यवहार ने एक ओर तहसील कर्मियों और अधिवक्ताओं को हैरान किया, वहीं कई लोगों ने इसे अनुशासन और जवाबदेही की नई मिसाल बताया। बता दें कि अधिवक्ताओं के धरने के बाद एसडीएम चित्रा निर्वाल का तबादला हुआ और उनकी जगह आईएएस रिंकू सिंह राही ने सोमवार देर शाम एसडीएम का कार्यभार संभाला।

कान पकड़कर उठक-बैठक करते एसडीएम रिंकू सिंह।

बच्चों को लेकर पहुंचे पिता से भी लगवाई उठक-बैठक

तहसील परिसर में एसडीएम कार्यालय के पास कुछ बच्चे अपने माता-पिता के साथ चहलकदमी कर रहे थे। यह देख एसडीएम रिंकू सिंह ने अभिभावकों से स्कूल टाइम में बच्चों के तहसील आने का कारण पूछा। उन्होंने कहा कि हम शिकायत लेकर आ रहे थे, लिहाजा बच्चों को भी साथ ले आए। इस पर एसडीएम ने बिफरते हुए पिता से भी उठक-बैठक लगवा दी।

UNITE FOR GOOD
Rotary | DISTRICT 3110
Rotary TEAM VIRAJ — Driving Excellence Inspiring Service
Club No. 15413
ROTARY CLUB OF BAREILLY
74th Year - 75 Projects
Chartered in 1952, Rotary Club of Bareilly is committed to the cause of Community Service with the motto Service Above Self.
On the occasion of
Installation Ceremony
of

Rtn. DR. MANISH SHARMA
President (2025-26)

&

Rtn. SHEKHAR YADAV
Secretary (2025-26)

The Club has pledged to undertake 75 Community Service Projects for the Rotary Year 2025-26. Some of notable projects are:

- Construction of Club Building
- Pathology Lab
- Jyoti Uday Eye Camp
- Cataract Operations
- Medical Checkup of 4000 students
- 02 Computer Lab
- 02 Astronomy Labs
- Language Lab to 3000 students
- 05 Rotary Science Park
- 02 Tinkering Labs
- 02 STEM Labs
- Bag Distribution in 15 Schools
- School Libraries
- E-Library
- ISRO visit Scholarships
- 02 Skill Development Centre
- Skill Development MOU
- Cattle Health Management System
- Environment Summit
- 10 Rotary Vatika
- Mass Plantation

Chief Guest

Rtn. AKS Er. Muruganandam M (MMM)
Rotary International Director 2025-27

Valuable Presence

Rtn. CA RAJEN VIDYARTHI
Distt. Governor (2025-26), RI Distt. 3110

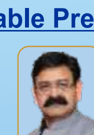

Rtn. KISHOR KATRU
DLF (2025-26)

Rtn. DR. A.K. CHAUHAN
Distt. Counsellor (2025-26)

July 30, 2025 | Venue: Urban Haat Auditorium, Bareilly

Courtesy SRASHTIPURTI

सान्या रोजवुड | Sunshine AMBERSUN SHINE HOMES PVT LTD | GURUJI MARBLE TILES & SANITATION | PANSHUL PHYSIOTHERAPY | शेखर नेत्र चिकित्सालय | In-Studio Infinite Solutions

न्यूज ब्रीफ

पेरिस के टूरिज्म ट्रेड शो में हिस्सा लेगा यूपी पर्यटन विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पर्यटन विभाग यूरोप के प्रमुख बी2बी ट्रैवल और टूरिज्म ट्रेड शो इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025 में भाग लेने को तैयार है। यह प्रतिष्ठित आयोजन 23 से 25 सितंबर तक फ्रांस की राजधानी पेरिस के पोर्टे डे वर्सेल्स प्रदर्शनी केंद्र में होगा। आईएफटीएम उप्र. पर्यटन विभाग को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है, जहां दुनिया भर के पर्यटन बोर्ड, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियां, एयरलाइंस, हॉस्पिटैलिटी ब्रांड और ट्रैवल ऑपरेटर्स एकत्र होंगे। यह प्रदेश को वैश्विक स्तर पर अपनी पर्यटन क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच देगा। इस बाबत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईएफटीएम टॉप रेसा एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन व्यापार मेला है, जो प्रतिवर्ष फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित किया जाता है।

युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो की मुख्यमंत्री करेंगे शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 'वन स्टॉप प्लेटफार्म मिलेगा। राजधानी में 30 जुलाई से दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो शुरू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसकी शुरुआत करेंगे। शासन के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के इस चरण की शुरुआत 30 और 31 जुलाई को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। यह आयोजन प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे।

9 जिलों में छात्रावासों की सुविधाएं होंगी बेहतर

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी समेत 9 जिलों में ओबीसी छात्रावासों की सुविधाएं बेहतर होंगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी और प्रबंधक–प्रधानाचार्य स्थानीय स्तर पर पर्यवेक्षण करेंगे। प्रदेश के 10 छात्रावासों के अनुरक्षण के लिए प्रशासकीय व पांच करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दे दी गई है। कार्य की गुणवत्ता परखने के लिए शासन स्तर पर समिति गठित की जाएगी। शासन के अधिकारियों के अनुसार इस योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, बहराइच, गोंडा, महोबा, हमीरपुर, मुरादाबाद, मेरठ, संत रविदासनगर के छात्रावासों का अनुरक्षण किया जाएगा। इन जिलों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले पिछड़े वर्ग के छात्रों को इससे सीधा लाभ मिलेगा।

निजी आईटीआई में नहीं बढ़ेगी फीस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजकीय आईटीआई में 52 फीसदी सीटें भरीं तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया कल से

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया के पहले दो चरण पूरे हो चुके हैं। इस बीच सरकार ने निर्णय लिया है कि कोई फीस नहीं बढ़ेगी। निजी आईटीआई में भी वर्ष 2018 की फीस व्यवस्था ही लागू रहेगी। हालांकि अभी तक राजकीय आईटीआई में 52 फीसदी सीटें भर पाई हैं, जबकि तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से शुरू हो रही है। उधर, निजी आईटीआई में प्रवेश की हालत खस्ता है।

राजकीय आईटीआई में इस बार कुल 1,35,447 सीटों में से 70,781 सीटों पर अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया है, जो कि कुल 52.25 प्रतिशत है। वहीं, निजी आईटीआई में भी 30,427 छात्रों ने दाखिले लिए हैं। तीसरे चरण में 25 हजार सीटों पर प्रवेश का अवसर है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से प्रारंभ होकर 5 अगस्त तक चलेगी। बताया कि निजी आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रदेश सरकार ने फीस को पूर्ववत बनाए रखने का निर्णय लिया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम ने बताया कि जो आईटीआई तीसरे चरण तक 80 फीसदी से अधिक सीटों पर दाखिला कराएंगे, उनके प्रधानाचार्य को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश केसरी बने गौतमबुद्धनगर के जोंटी

अमृत विचार, लखनऊ : नागपंचमी पर हुई प्रदेश स्तरीय कुश्ती के फाइनल मुकाबले में गौतमबुद्धनगर के जोंटी भाटी ने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब अपने नाम किया, जबकि उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब गोरखपुर खेल छात्रावास के सौरभ ने जीता। इन्हें मुख्यमंत्री ने 1.01 लाख रुपये व गदा देकर सम्मानित किया। इसी तरह वीर अभिमन्यु खिताब पर गोंडा के मोनू का कब्जा रहा, उन्हें 51 हजार नकद और गदा दी गई। मुख्यमंत्री योगी ने सभी को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर खेल विभाग और जिला कुश्ती संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री उपस्थित रहे।

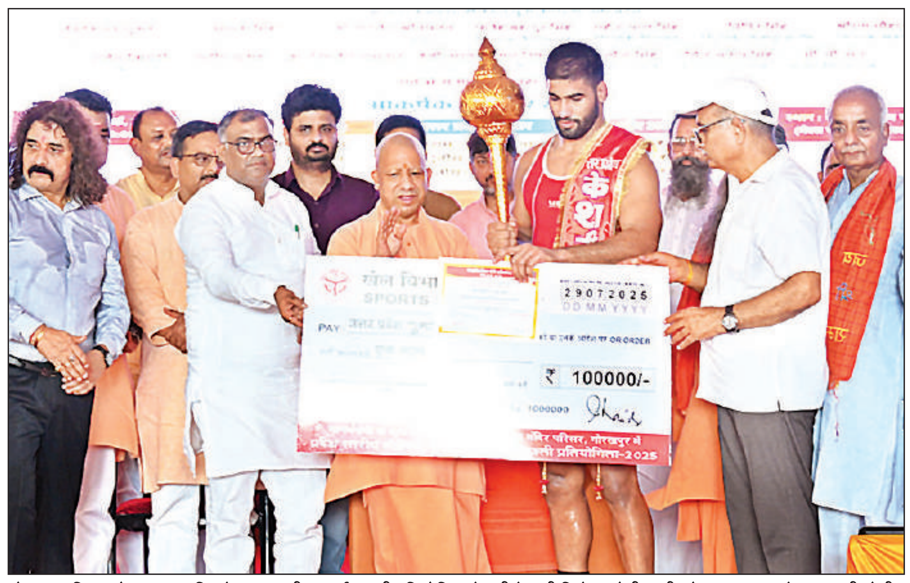

गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में नाग पंचमी पर हुई कुश्ती प्रतियोगिता में यूपी केसरी विजेता जोंटी भाटी को पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री योगी।

विधायक अपने क्षेत्र के कार्यों की करें निगरानी

प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- क्षेत्रवार समस्याओं को समझकर समाधान सुनिश्चित कर रहे योगी
- अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायकों को अपने क्षेत्र के कार्यों की सतत निगरानी करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप योजनाएं प्रस्तावित करते हुए आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अफसरों को निर्देश दिए कि योजनाओं का समयबद्ध ज़मीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। इसके लिए जवाबदेही तय की जाएगी, तकनीक का समुचित उपयोग किया जाएगा और कार्यों की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के चतुर्दिक विकास के लिए शुरु की गई मंडलवार जनप्रतिनिधि संवाद श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को प्रयागराज के सर्किट हाउस में प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ प्रस्ताव एवं कार्य योजना की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के क्षेत्र विशेष की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के द्वारा पीडब्लूडी विभाग को उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों पर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा करते हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर नंबरिंग कर उपलब्ध कराने के लिए कहा। लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाएं, उन पर शीघ्रता से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे कि 15 सितंबर के बाद उस कार्य योजना से संबंधित कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास हो सके।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राज्य मंत्री संजीव गोंड सांसद, विधायक, विधान परिषद् सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित जनसभा स्थल का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दौरे के दूसरे दिन मंगलवार सुबह वाराणसी में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित जनसभा स्थल का निरीक्षण किया। विकासखंड सेवापुरी के ग्राम सभा बनौली में 2 अगस्त को मोदी की जनसभा प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी कतई नहीं होनी चाहिए। पेयजल, शौचालय, हवा आदि की व्यवस्था के साथ ही साथ कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। योगी ने कार्यक्रम स्थल एवं आसपास सुरक्षा के मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के साथ ही यातायात व्यवस्था सुगम बनाएं रखने पर विशेष जोर दिया।

योगी सरकार के मॉडल को अपनाएगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी का आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम लागू करने का निर्णय

अमृत विचार : योगी सरकार का आईजीआरएस (इंटिग्रेटेड ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम) और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम देशभर में मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। अब दिल्ली सरकार ने इसे अपने यहां लागू करने का निर्णय लिया है।

योगी सरकार के आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को बारीकी से समझने के लिए देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधिमंडल इसका अध्ययन करने आ चुके हैं। इसी के तहत दिल्ली सरकार के अधिकारियों का एक दल इसकी बारीकियों को समझा और इसकी सराहना की। नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने के साथ विकास कार्यों के प्रगति और उसकी गुणवत्ता की मॉनीटरिंग के लिए दिल्ली सरकार ने इसे अपनाने का फैसला किया है।

यूपी से मांगी मदद

दिल्ली सरकार ने योगी सरकार से आग्रह किया है कि वह अपने यहां आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को लागू करना चाहते हैं। ऐसे में योगी सरकार से दिल्ली में आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को लागू करने में सहायता प्रदान करने के लिए टीम उपलब्ध करा दें।

पंजीकरण में महिलाओं को छूट संबंधी शासनादेश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एक करोड़ रुपये तक की सम्पत्ति के पंजीकरण पर महिलाओं को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की छूट संबधी शासनादेश जारी कर दिया गया है। ऐसे में अब महिलाओं के पक्ष में निष्पादित स्थावर सम्पत्ति विलेखों पर 1 करोड़ रुपये तक के मूल्य पर देय स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। शासनादेश मंगलवार को प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं पंजीयन अमित गुप्ता की ओर से जारी किया गया है।

शासनादेश द्वारा 23 फरवरी 2006 को जारी अधिसूचना में संशोधन कर दिया गया है। पहले यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक सीमित थी, जिससे अधिकतम 10 हजार रुपये की छूट ही प्राप्त होती थी। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, अब एक करोड़ रुपये तक की सम्पत्ति के पंजीकरण पर महिलाओं को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की छूट का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 22 जुलाई को सम्पन्न बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद लिया गया है।

कंपनियां किसानों को कर रहीं कम उर्वरकों की आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री ने जताई नाराजगी समुचित आपूर्ति के निर्देश

अमृत विचार : राज्य सरकार के सख्त निर्देश के बाद भी निजी कंपनियां खरीफ सीजन में किसानों को समुचित उर्वरक की आपूर्ति नहीं कर रही हैं। मंगलवार को उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह शिकायतें सामने आईं। कृषि मंत्री ने नाराजगी जताते हुए इस पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि खरीफ फसलों की रोपाई व गन्ने की खड़ी फसल में टॉप ड्रेसिंग के लिए समयबद्ध व पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है। प्रदेश में इस समय 9.18 लाख मीट्रिक टन यूरिया व 5.58 लाख मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक (डीएपी, एनपीके) की उपलब्धता है। सहकारिता क्षेत्र व निजी क्षेत्र दोनों के माध्यम से किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें कृभको की ओर से केवल 36 प्रतिशत, इफको से 55 प्रतिशत, आरसीएफ से 63 प्रतिशत व आईपीएल के जरिये आठ प्रतिशत आपूर्ति की गई है।

16 गोसंरक्षण केंद्रों की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर केंद्र में 400 गोवंश को संरक्षित करने की क्षमता
- केंद्रों के निर्माण में गुणवत्ता से न हो समझौता : धर्मपाल सिंह

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को पशुपालन निदेशालय में आयोजित एक कार्यक्रम में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश के 12 जिलों के 16 वृहद गो संरक्षण केंद्रों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसके तहत ललितपुर में 3, श्रावस्ती में 2 और झांसी, भदोही, प्रतापगढ़, बलरामपुर, सोनभद्र, रायबरेली, बांदा, लखीमपुरखीरी, फतेहपुर एवं कानपुर देहात में 1-1 वृहद गोसंरक्षण केंद्रों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

इन 16 गो संरक्षण केन्द्रों की कुल निर्माण लागत 2561.92 लाख रुपये है। प्रत्येक केंद्र में लगभग 400 गोवंश को संरक्षित किया जा सकता है। धर्मपाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है।

धर्मपाल सिंह ने इस दौरान सम्बंधित जिलों के क्षेत्रीय विधायकों, ग्राम प्रधानों, जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी तथा केयरटेकरों से भी गोवंश के रखरखाव और सहयोग पर बात की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गौसंरक्षण केंद्रों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए। प्रतिदिन लगभग 7 करोड़ रुपये का व्यय

वर्तमान में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 6615 अस्थायी गो आश्रय स्थल, 387 वृहद गो संरक्षण केन्द्र, 302 कांजी हाऊस एवं शहरी क्षेत्र में 304 कान्हा गो आश्रय स्थल सहित कुल 7608 गो आश्रय स्थलों में 1236656 निराश्रित गोवंश संरक्षित है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजनान्तर्गत 1,14,141 इच्छुक लाभार्थियों को 1,76,921 निराश्रित गोवंश सुपुर्द किये गये हैं।

लखनऊ में कैसरबाग के फूलबाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी पहुंच कर पीड़ित परिजन से मिलते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

परिजन को ब्रजेश पाठक ने बंधाया ढांढस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, पार्क में बालक की मौत के के प्रकरण में सरकार पीड़ित के साथ, मिलेगा मुआवजा

अमृत विचार: बीते दिनों दिवस कैसरबाग के फूलबाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी के पार्क में आठ वर्षीय बालक की मृत्यु के प्रकरण में मंगलवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे। वह पीड़ित परिजनों से मिले और हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार आपके साथ है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को मुआवजे के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। दरअसल, रविवार सुबह खेलते समय बॉल उठाने के लिए ट्रांसफार्मर के सुरक्षा घेरे मंब दाखिल हुए बच्चे फरद पुत्र फरीद कुरैशी की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी।

यहां उप मुख्यमंत्री ने जनचौपाल लगाकर शिकायतों की सुनवाई की। मौके पर ही कई समस्याओं का निदान किया और अधिकारियों को सभी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि, पीड़ित परिजनों को सरकार की ओर से अधिकतम मुआवजा दिया जाएगा। ब्रजेश पाठक को यहां लोगों ने बिजली ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा फेंसिंग, इलाके में सफाई एवं सड़क निर्माण को लेकर अपनी समस्याएं बताईं। डिप्टी सीएम ने उन्हें सभी समस्याओं के समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने को आश्वास्त किया।

सभी ट्रांसफार्मरों पर लगेगी सुरक्षा फेंसिंग

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी बिजली ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा फेंसिंग के लिए बिजली विभाग को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ट्रांसफार्मर के चारों ओर मजबूत दीवार भी बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इलाके में साफ–सफाई की व्यापक स्तर पर कराई जाएगी। इसके लिए नगर निगम के अफसरों को निर्देशित कर दिया गया है।

वोट की राजनीति में पत्नी का भी साथ नहीं दे रहे अखिलेश : ओपी राजभर

अमृत विचार, लखनऊ : सपा अध्यक्ष प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी व सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की अशोभनीय टिप्पणी की एनडीए के सहयोगी पंचायतीराज व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि वोट की राजनीति में अखिलेश पत्नी का भी साथ नहीं दे रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि हम मौलाना के बयान की निंदा करते हैं जिन्होंने इस तरह की टिप्पणी की। उन्हें ऐसा बयान नहीं देना चाहिए था। अगर वह अपने धर्म की सीमाओं में रहकर यह कहते कि मस्जिद में प्रवेश करते समय महिलाओं को पूरे शरीर को ढकना चाहिए, तो वह समझने योग्य होता, लेकिन उन्होंने जो बात कही, वह उसकी सीमाओं से बाहर है और पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि डिंपल यादव के पति अखिलेश को सामने आकर अपनी पत्नी का बचाव करना चाहिए। यह एक पति का नैतिक कर्तव्य है।

आंदोलन जारी रखेंगे बिजलीकर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने कहा कि निजीकरण व उत्पीड़नात्मक कार्रवाई वापस होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मंगलवार को समिति की ऑनलाइन सभा में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। इस बीच, प्रदेश के जिलों व परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन जारी रहा। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा है कि बिजली कर्मी उपभोक्ता सेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

27 जिलों में चलाया जाएगा सर्वजन दवा अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्पष्ट निर्देश, फाइलेरिया रोधी दवा सामने खिलानी है
- व्यक्ति के गैरमौजूदगी में पुनः भ्रमण करेगी स्वास्थ्य टीम

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग 7 विभागों के साथ 27 जिलों में सर्वजन दवा अभियान चलाएगा। शासन की ओर से सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) के तहत फाइलेरिया रोधी दवा का लेकर गाइडलाइन जारी कर दी गई है। इसमें स्पष्ट निर्देश हैं कि, दवा सामने खिलानी है अगर व्यक्ति की घर में गैरमौजूदगी है तो स्वास्थ्य टीम को पुनः भ्रमण करना होगा।

गाइडलाइंस के मुताबिक, अभियान के दौरान सामुदायिक नेता, शिक्षक और धार्मिक हस्तियां उन व्यक्तियों की सहायता के लिए सूचीबद्ध होंगे जो शुरुआत में दवा लेने से इनकार करते हैं। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने 27 जिलों में 10 अगस्त से शुरू होने जा रहे अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इन सात विभागों से करना होगा समन्वय

प्रमुख सचिव ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों को बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, खाद्य एवं रसद, नगर विकास और अल्पसंख्यक कल्याण जैसे विभागों के साथ मिलकर शत–प्रतिशत पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना है। सामुदायिक नेताओं, शिक्षकों और धार्मिक हस्तियों को उन व्यक्तियों की सहायता के लिए सूचीबद्ध किया जाना चाहिए जो शुरुआत में दवा लेने से इनकार करते हैं।

इन जिलों में चलेगा अभियान

एमडीए अभियान बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, औरैया, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, कौशाम्बी, चंदौली, गाजीपुर और मिर्जापुर में चलाया जाएगा।

बदलाव | जनहित याचिका से नई व्यवस्था रोकने के आदेश पर सुप्रीम रोक का असर

मलाईदार ठेकों और घोटालों पर कसा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 68 हजार महिला समूहों ने संभाली 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों की कमान

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाकर पोंटी चड्ढा जैसों के मलाईदार ठेकों और 'घोटालों' पर शिकंजा कस दिया है। 68 हजार महिला समूहों ने 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों की कमान संभाल ली है। अधिकारियों का कहना है कि इस नई योजना से तिलमिलाए ठेकेदार कानूनी लड़ाई को बहाना बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 में कार्यभार संभाला तो उन्होंने इस अनुचित व्यवस्था को सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाए। सरकार ने श्वेत पत्र जारी कर पूर्ववर्ती सरकारों के घोटालों का खुलासा किया और पोषाहार व्यवस्था को पारदर्शी और सामुदायिक बनाने की घोषणा की। शुरुआत में 18 जिलों में स्वयं सहायता समूहों को यह जिम्मेदारी दी गई जो आज 43 जिलों तक पहुंच चुकी है। शेष जिलों में यह जिम्मेदारी नैफेड जैसे सार्वजनिक उपक्रम को दी गई है, ताकि गुणवत्ता से समझौता न हो।

इन परिवर्तनों का उद्देश्य न केवल ठेकेदार लॉबी को हटाना था बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना भी था। यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के सहयोग से ब्लॉक स्तर पर महिला समूहों की पोषण इकाइयां स्थापित की गईं, जिनमें एससी और ओबीसी समुदाय की महिलाएं भी खूब शामिल हैं। वर्तमान में लगभग 68 हजार महिला समूह 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों तक पोषाहार पहुंचा रही हैं। 1.6 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को इसका सीधा लाभ मिला है। लेकिन यह बदलाव ठेकेदार लॉबी को रास नहीं आया। नवंबर 2024 में हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच में एक जनहित याचिका दाखिल की गई जिसमें आरोप लगाया गया कि समूहों द्वारा वितरित पोषाहार गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। हाईकोर्ट ने इस पर अंतरिम आदेश जारी कर निविदा प्रक्रिया पर रोक लगा दी, जिससे राज्य सरकार के प्रयासों को झटका लगा। फरवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को बिना सोच-विचार के और अधिकार क्षेत्र से बाहर करार देते हुए रद्द कर दिया और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह पोषाहार वितरण सुचारू रूप से जारी रखे।

हर साल पांच हजार करोड़ का था बजट

देश की सबसे बड़ी बाल पोषण योजना के रूप में एकीकृत बाल विकास योजना के तहत टेक होम राशन और आंगनवाड़ी केंद्रों पर पके हुए भोजन की आपूर्ति होती है। अकेले उत्तर प्रदेश में इस योजना पर हर साल लगभग पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं। यह राशि वर्षों से कुछ निजी कंपनियों के लिए स्थायी कमाई का जरिया बनी रही, जिनमें प्रमुख रही ग्रेट वैल्यू फूड्स जो दिवंगत शराब कारोबारी पोंटी चड्ढा से जुड़ी कंपनी है। यह कंपनी वर्ष 2002 से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस समर्थित सरकारों के दौरान पोषाहार अनुबंध हासिल करती रही, बावजूद इसके कि गुणवत्ता को लेकर कई बार गंभीर सवाल उठे।

10 से 12 हजार बचा रहीं महिलाएं

अब पैसा गांवों की महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया जा रहा है। ये महिलाएं खुद पैसे का हिसाब रखती हैं। अनाज खरीदती हैं, उसे पैक करती हैं और फिर जरूरतमंदों तक पहुंचाती हैं। इस पूरे काम में उन महिलाओं को भी कुछ आमदनी मिल जाती है। करीब–करीब हर महिला समूह महीने में 10 हजार से 12 हजार रुपये तक बचा लेती हैं, जो उनके लिए मुनाफा होता है।

पूर्ववर्ती सरकारों ने निजी कंपनियों को पहुंचाया लाभ

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, हैदराबाद और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक ने इन कंपनियों द्वारा वितरित रेडी–टू–ईट फूड की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने 2004 में स्पष्ट निर्देश जारी किए कि पोषण आपूर्ति का कार्य स्थानीय महिला समूहों को सौंपा जाए ताकि न केवल रोजगार बढ़े बल्कि गुणवत्ता भी बेहतर हो। लेकिन यूपी की पूर्ववर्ती सरकारों ने इन निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुए टेंडर नियम ऐसे बनाए कि केवल बड़ी कंपनियां ही पात्र हों। इससे समूहों की भागीदारी लगभग असंभव हो गई।

न्यूज ब्रीफ

हरिद्वार के मदरसों पर हुई हाईकोर्ट में सुनवाई

नैनीताल, अमृत विचार : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार में बिना पंजीकरण के चल रहे अवैध मदरसों को जिला प्रशासन द्वारा सील किए जाने के मामले में मदरसा संचालकों की तरफ से दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई की। सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने मदरसा संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे जिला माइनॉरिटी वेलफेयर अधिकारी (डीएमडब्ल्यूओ) को इस आशय का शपथपत्र देंगे कि जब तक उनको सरकार के द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं हो जाती, तब तक वे मदरसों में कोई धार्मिक, शिक्षण और नमाज के कार्य नहीं करेंगे।

सिक्योरिटी सर्विस पर दर्ज किया मुकदमा

रुद्रपुर, अमृत विचार : सेंट्रल एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट सिक्योरिटी इंडस्ट्री की जांच के बाद कई सिक्योरिटी सर्विस द्वारा बिना अनुमति के संचालित होने का मामला सामने आया है। फिलहाल पुलिस ने पासरा मेंबर की तहरीर पर सिक्योरिटी सर्विस संचालित संपत्ति पर मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

पूर्व सैनिकों से जुड़ा शासनादेश निरस्त

नैनीताल, अमृत विचार : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने भूतपूर्व सैनिकों को केवल एक बार आरक्षण का लाभ देने सम्बन्धी राज्य सरकार के 22 मई 2020 के शासनादेश को 'उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993' के खिलाफ मानते हुए रद्द कर दिया है। यह अधिनियम उत्तराखंड में भी लागू है। मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई।

तीन साल के लापता बच्चे का तालाब में मिला शव

रामपुर/धमोरा, अमृत विचार : घर से गायब हुए 3 साल के बच्चे का मंगलवार को तालाब में शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहजादनगर थाना क्षेत्र के गांव चमरौआ निवासी प्रेमपाल का 3 साल का पोता नीर सोमवार दोपहर को डेढ़ बजे घर के बाहर खेलते हुए गायब हो गया था। इस मामले में परिजनों ने उसकी गुमशुदगी शहजादनगर थाने में दर्ज करा दी थी। परिजनों ने उसको काफी तलाश किया था, लेकिन पता नहीं चल सका था। सुबह कुछ लोगों ने गांव किनारे तीन साल के बच्चे का शव में उतराता देखा। लोग मौके पर आ गए, बाद में जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी आ गए।

चोरी का शोर सुन हड़बड़ाकर उठा युवक, चारपाई से गिरकर हुई मौत

बदायूं के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव सिसरका में मचा था गांव में चोर होने का शोर

संवाददाता, ओरछी

अमृत विचार : कुछ दिनों से रात में गांवों के ऊपर ड्रोन उड़ने की चर्चा हैं, जो भले ही अफवाह हो लेकिन ग्रामीण दहशत में हैं। वहीं फैजगंज बेहटा क्षेत्र के ग्रामीण चोरों से आतंकित हैं। गांव में चोरों की अफवाह पर जनसेवा केंद्र संचालक चारपाई से हड़बड़ाते हुए उठे और जमीन पर गिर गए। उनके सिर पर चोट लगी। परिजन उन्हें चंदौसी के निजी अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका के ग्रामीण सोमवार आधी रात अपने घरों के अंदर और छतों पर सो रहे थे। देर रात गांव में चोरों के घुसने का शोर मचा। छत पर सो रहे गांव निवासी नीरज (30) पुत्र हरिद्वारी भी छत पर सोए थे। पास में पत्नी ममता और बच्चे कार्तिक,

- **चारपाई से हड़बड़ाते हुए उठे जनसेवा केंद्र संचालक, गिरकर सिर में लगी चोट**

मृतक नीरज।

अभिषेक व अभी उर्फ गोलू सोए थे। गांव में रात में ग्रामीणों ने शोर मचाया कि गांव में चोर घुस आए हैं। पकड़ो-पकड़ो का शोर मच गया। नीरज हड़बड़ाते हुए उठे और चारपाई से नीचे गिर गए। उनके सिर में चोट आई। उनकी पत्नी उठी और परिजनों को आवाज लगाई। परिजन उन्हें तुरंत चंदौसी के निजी अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सक ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। यह देखकर परिजनों में चीत्कार मच गया। परिजनों ने बताया कि नीरज ने कुछ ही समय पहले आसफपुर मार्ग

जनसेवा केंद्र संचालक की मौत पर विलाप करतीं परिजन।

स्थित ओरछी चौराह पर जनसेवा केंद्र खोला था। वह सोमवार शाम जनसेवा केंद्र बंद करके घर आए और खाना खाकर छत पर सोने चले गए थे। ममता के अनुसार चारपाई से गिरने दौरान नीरज डरे हुए लग रह थे। परिजन शव लेकर गांव पहुंचे। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

रामपुर/मिलक, अमृत विचार : शिकायत पर गांव पहुंची पीआरवी के पुलिसकर्मियों पर दबंगों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। पुलिस वाहन को भी पथराव करके क्षतिग्रस्त कर दिया। सिपाही और होमगार्ड की वर्दी फाड़ दी।

पुलिसकर्मियों ने किसी तरह भागकर जान बचाई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने 7 नामजद समेत 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मुख्य आरक्षी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि वह पीआरवी 1393 थाना शहजादनगर पर तैनात है। सोमवार की रात करीब नौ बजे मिलक थाना क्षेत्र के गांव नरसिंह पुर निवासी एक व्यक्ति ने सूचना दी थी कि उनकी पत्नी को शिवम नामक युवक फोन पर कॉल कर परेशान करता है। शिवम अपने नाना चुन्नीलाल के घर पर रहता है। पुलिस शिवम के घर पर पहुंची तो उसके परिवार के सभी लोग एकत्र हो गए और पुलिस पर हमला कर दिया। वीडियो बनाने पर उनके साथ मारपीट करने लगे। गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी।

सपा कार्यकर्ताओं ने मौलाना रशीदी पर किया हमला

मौलाना साजिद रशीदी से मारपीट करते सपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

नोएडा, एजेंसी

नोएडा में आयोजित एक टीवी कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले मौलाना साजिद रशीदी पर हमला कर दिया। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मौलाना के साथ मारपीट की। उन्होंने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर स्वयं वायरल किया है।

समाजवादी पार्टी के छात्र सभा के गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष मोहित नागर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित करते हुए कहा कि मंगलवार को नोएडा में एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में वह भाग लेने के लिए अपने साथियों के साथ गए थे। मोहित नागर ने कहा कि वहां पर मौलाना उनसे मिले। डिंपल यादव पर टिप्पणी को लेकर मौलाना और सपा कार्यकर्ताओं के बीच बहस हो गयी और सपा के लोगों ने मौलाना की पिटाई कर दी। मोहित नागर ने आरोप लगाया कि मौलाना एक खास पार्टी के एजेंट बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौलाना अगर माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। वहीं इस घटना के बाद मौलाना ने थाना सेक्टर-126 पहुंचकर मामले की पुलिस से शिकायत की है।

इंजेक्शन लगाने के बाद मरीज की मौत, हंगामा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सरकारी जिला अस्पताल एक बार फिर चर्चाओं में आ गया है। जहां एक मरीज की मौत होने के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा काटा और डॉक्टर पर उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। आरोप था कि गलत इंजेक्शन लगाने के कारण मरीज की मौत हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सपनशील।

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात्रि गांव खटोला निमाई पाडा दिनेशपुर निवासी 40 वर्षीय सपनशील की हालत बिगड़ने पर मरीज का बड़ा भाई कमलेश सील एंबुलेंस के माध्यम से उसे जिला अस्पताल लेकर आया। जहां तैनात डॉक्टर ने जैसे ही उपचार शुरू किया और एक इंजेक्शन लगाया। तब इंजेक्शन की सुई मुड़ गई थी। इसके बाद मरीज की हालत बिगड़ने लगी। आरोप था कि हालत बिगड़ने के बाद भी मरीज को हायर सेंटर रेफर नहीं किया। मंगलवार की सुबह होने पर मरीजों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। उन्होंने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई का मुद्दा उठाना शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर सिडकुल चौकी प्रभारी जीडी भट्ट पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और पीएमएस डॉ.राकेश सिन्हा के आदेश पर शव का पोस्टमार्टम कराने का निर्णय लिया।

> सोमवार की देर रात्रि मरीज को बेहद ही गंभीर स्थिति में लाया गया था। मरीज के फेफड़ों में पानी भरा हुआ था और सांस लेने में भी काफी दिक्कत थी। आपातकालीन कक्ष में तैनात डॉक्टर ने जांच की और नाजुक हालत को देखते ही हायर सेंटर रेफर कर दिया था, लेकिन एंबुलेंस आने के बाद जब हालत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। उस वक्त डॉक्टर ने प्रारंभिक उपचार कर नियंत्रित करने की कोशिश की। फिलहाल डॉक्टर की कोई भी लापरवाही सामने नहीं आई है। बावजूद पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई होगी और बिसरा भी सुरक्षित किया जाएगा।
> **-डॉ.आरके सिन्हा**, पीएमएस, जिला अस्पताल

बाइक फिसली बच्ची की मौत

रुद्रपुर, अमृत विचार: काशीपुर हाईवे पर बाइक फिसलने पर जहां सात साल के मासूम बालक की मौत हो गई, जबकि बहन व माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने नाजुक हालत को देखते हुए हल्द्वानी रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मन्नू।

जानकारी के अनुसार काशीपुर के किरावली गांव के रहने वाले विक्की ठुकराल अपने परिवार के साथ रहते हैं और लालपुर में उनकी फोटोग्राफी की दुकान है। बताया कि सोमवार को वह बाइक से अपनी पत्नी ज्योति ठुकराल, बेटी हरगुन व सात साल के बेटे मन्नू के साथ पंचायत चुनाव के मद्देनजर गांव वोट डालने आए थे। मंगलवार की दोपहर डेढ़ बजे बाइक से ही घर लौट रहे थे कि अचानक काशीपुर-गदरपुर हाईवे के समीप महतोष मोड़ के समीप अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई।

बार-बार की चूक पर नहीं मिलेगी राहत : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने औद्योगिक भूखंडों के आवंटन से संबंधित एक मामले में महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा है कि रिट क्षेत्राधिकार के तहत राहत उन पक्षों को नहीं दी जा सकती है, जो लगातार अपने दायित्वों को निभाने में असफल रहते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दीर्घकालिक चूक करने वाले आवंटियों के पट्टे बहाल करना भविष्य में नकारात्मक मिसाल को कायम कर सकता है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की खंडपीठ ने श्रीमती सविता शर्मा की याचिका को खारिज करते हुए की। याचिका में यूपीएसआईडीए द्वारा वाराणसी में औद्योगिक भूमि आवंटन रद्द किए जाने को चुनौती दी गई थी।

याची को औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए भूमि दी गई थी, लेकिन उन्होंने लगभग 19.83 लाख रुपए की बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। कई बार समय बढ़ाने और कोर्ट से मोहलत मिलने के बावजूद भुगतान नहीं हुआ। याची द्वारा बकाया राशि चुकाने में लगातार 14 बार की विफलता के कारण आवंटन रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि बार-बार चूक करने वालों को राहत

देना न केवल राजकोषीय, प्रशासनिक और सार्वजनिक नीति के खिलाफ है, बल्कि इससे अन्य योग्य आवेदकों को नुकसान भी होता है और औद्योगिक विकास प्रभावित होता है। कोर्ट ने माना कि यूपीएसआईडीए ने आवंटन रद्द करते समय समता और जवाबदेही का संतुलन बनाए रखा। अंत में कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि पट्टा विलेख का अनुपालन करने में लगातार विफल लोगों को न्यायिक रियायत नहीं दी जा सकती है।

मृत कर्मचारी की अपील स्वतः समाप्त नहीं होती

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारी की विभागीय अपील से संबंधित मामले में अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसकी लंबित विभागीय अपील स्वतः समाप्त नहीं हो जाती। कोर्ट ने कहा कि ऐसी अपीलों के निर्णय से मृतक के कानूनी उत्तराधिकारियों के सेवा लाभ सीधे तौर पर प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए उन्हें अपील में भाग लेने और फैसले को चुनौती देने का पूर्ण अधिकार है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अजीत कुमार की एकलपीठ ने श्रीमती मुन्नी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में की। मामले के अनुसार याची मृत कर्मचारी की पत्नी थीं, जिनकी विभागीय सेवा समाप्ति के विरुद्ध अपील केवल इस आधार पर खारिज कर दी गई थी कि कर्मचारी का निधन हो चुका है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के नियम 11 में अपील की समाप्ति का कोई आधार नहीं दिया गया है। अतः अपीलीय प्राधिकारी को गुण-दोष के आधार पर ही अपील का निर्णय करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कर्मचारी पेंशन योग्य पद पर कार्यरत था, तो उसकी सेवा समाप्ति का निर्णय पारिवारिक पेंशन, बकाया वेतन व अन्य सेवानिवृत्ति लाभों को प्रभावित कर सकता है, इसलिए ऐसे मामलों में मृतक के उत्तराधिकारी को अपील में भाग लेने और निर्णय को चुनौती देने का कानूनी अधिकार है।

राकेश पाण्डेय तीसरी बार एचसीबीए अध्यक्ष निर्वाचित

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन (एचसीबीए) के सत्र 2025-26 के लिए हुए चुनाव में मंगलवार को घोषित चुनाव परिणामों के अनुसार वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पाण्डेय 'बबुआ' को एक बार फिर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपी उपाध्याय को 193 वोटों के अंतर से पराजित किया। वहीं, महासचिव पद पर अखिलेश कुमार शर्मा ने बड़ी जीत दर्ज की है। राकेश पाण्डेय को कुल 2121 वोट मिले, जबकि सीपी उपाध्याय को 1928 वोट प्राप्त हुए। अशोक कुमार सिंह 1734 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस बार अध्यक्ष पद के लिए कुल 11 प्रत्याशी मैदान में थे। राकेश पाण्डेय 'बबुआ' तीसरी बार एचसीबीए के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, जो उनके अनुभव और लोकप्रियता का परिचायक है। मतगणना का कार्य 83 राउंड में पूरा हुआ, जिसमें कुल 8332 वोटों की गिनती की गई। इनमें से 25 मत अवैध घोषित हुए जबकि 18 मतपत्र रिक्त पाए गए। मतदान प्रक्रिया 23 जुलाई को हुई थी, जिसमें कुल 9718 पंजीकृत मतदाताओं में से 8337 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान का प्रतिशत 85 .74 रहा।

वोट की राजनीति में पत्नी का भी साथ नहीं दे रहे अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सपा अध्यक्ष प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी व सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की अशोभनीय टिप्पणी की एनडीए के सहयोगी पंचायतीराज व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि वोट की राजनीति में अखिलेश पत्नी का भी साथ नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने मंगलवार को कहा कि हम मौलाना के बयान की निंदा करते हैं जिन्होंने इस तरह की टिप्पणी की। उन्हें ऐसा बयान नहीं देना चाहिए था। अगर वह अपने धर्म की सीमाओं में रहकर यह कहते कि मस्जिद में प्रवेश करते समय महिलाओं को पूरे शरीर को ढकना चाहिए, तो वह समझने योग्य होता, लेकिन उन्होंने जो बात कही, वह उसकी सीमाओं से बाहर है और पूरी तरह अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि डिंपल यादव के पति अखिलेश को सामने आकर अपनी पत्नी का बचाव करना चाहिए। यह एक पति का नैतिक कर्तव्य है। वोट की राजनीति अलग बात है, लेकिन जब कोई उनकी पत्नी पर व्यक्तिगत टिप्पणी करता है, तो उन्हें उसके साथ खड़ा होना चाहिए।

बहन बेटियों की सुरक्षा क्या करेंगे? धिक्कार है, लगी होर्डिंग

भाजपा एमएलसी व प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने मंगलवार को राजधानी में कई जगह होर्डिंग लगवाए जिसमें लिखा है-पत्नी के अपमान पर चुप रहने वाले प्रदेश की बहन बेटियों की सुरक्षा क्या करेंगे? धिक्कार है अखिलेश जी। इसमें एक ओर अखिलेश यादव का कैरिकेचर लगाया गया है, जिसमें मुंह पर पट्टी बंधी हुई है। मौलाना साजिद रशीदी की फोटो भी होर्डिंग पर लगी है।

ससुरालियों ने महिला को पीटा, दिया तीन तलाक

मुरादाबाद, अमृत विचार : मझोला थाना क्षेत्र में विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग पूरी न होने पर उत्पीड़न, मारपीट, पति द्वारा तीन तलाक देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना मझोला क्षेत्र के करुला इस्लामनगर निवासी पीड़ित महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 27 जून 2024 को शाहनवाज के साथ हुई थी। आरोप है शादी के बाद पति शाहनवाज, सास इकलिम, जेठ शाहवेज व जावेद, छोटा जेठ छोटू, देवर जुनैद उर्फ छुन्नी और उर्वेद 50 हजार रुपये और मोटरसाइकिल की मांग करने लगे। मना करने पर ससुराल पक्ष ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया।

खटीमा में ज्ञान और विज्ञान के नए युग का आरंभ

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, देश में शिक्षा के क्षेत्र में आई नई क्रांति के पांच वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर खटीमा में भी ज्ञान और विज्ञान के नए युग का आरंभ हो रहा है। यह बात उन्होंने मंगलवार को खटीमा में 26.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय विद्यालय के भवन का लोकार्पण करते हुए कही।

अखिल भारतीय शिक्षा समागम के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने खटीमा को केंद्रीय विद्यालय की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार जताते कहा कि, केंद्रीय विद्यालय की शिक्षा हमारी सेना, अर्धसैनिक बलों सहित तमाम कार्मिकों के बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा के छात्र-छात्राओं को शिक्षा के लिए यहां से पलायन न करना पड़े, इसके लिए उन्होंने विधायक रहते हुए खटीमा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए हरसंभव प्रयास किए और आज विद्यालय को अपना भवन भी मिल गया है। खटीमा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से यहां के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने और उनके समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मिलावटी पेट्रोल देने पर किया हंगामा

पाकबड़ा, अमृत विचार : हकीमपुर में मंगलवार शाम भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पंप पर हंगामा किया। सूचना पुलिस को मिली तो मौके पर थाना प्रभारी विनोद कुमार भी पहुंच गए। उसके बाद हिंदुस्तान पेट्रोलियम के अधिकारी को भी इसकी सूचना देकर बुलाया और मिलावटी तेल बेचने की जानकारी दी गई। वहीं सूचना पर कांठ तहसीलदार भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद तेल का नमूने भरवाए। किसान यूनियन ने कहा कि जब तक तेल का नमूने की रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक सील करें। तहसीलदार को भारतीय किसान यूनियन के द्वारा ज्ञापन दिया गया।

सितारगंज में खेत में पानी लगाने के विवाद में युवक को गोली से उड़ाया

संवाददाता, सितारगंज

- **चुनावी रंजिश को लेकर भी पुलिस कर रही जांच, गांव में तनाव**
- **घटना की गंभीरता देख पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह अस्पताल पहुंचे**

अमृत विचार : सितारगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार रात उस समय सनसनी फैल गई जब सैंजनी गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

प्रारंभिक तौर पर हत्या का कारण खेत में पानी लगाने का विवाद बताया जा रहा है लेकिन इलाके में चर्चा चुनावी रंजिश को लेकर भी होती रही। इस घटना के बाद से गांव में तनाव व्याप्त है, जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के अनुसार, सितारगंज क्षेत्र के सैंजनी गांव में खेत में पानी लगाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद अचानक खूनी संघर्ष में बदल गया।

कहासुनी के बीच सुरजीत सिंह नामक युवक को हमलावर ने गोली मार दी, जिससे सुरजीत की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज और हत्या की खबर फैलते ही गांव में अफरातफरी मच गई। पुलिस युवक के शव को लेकर सरकारी अस्पताल पहुंची, जहां दर्जनों ग्रामीण एकत्र हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खटीमा मोर्चरी भेजते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

बाघ संरक्षण | अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की घोषणा

टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में होगी अग्निवीरों की सीधी तैनाती

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- **टीपीएफ में की जाएगी 80 से अधिक युवाओं की भर्ती**

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय टाइगर दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि कॉर्बेट टाइगर रिज़र्व (सीटीआर) में स्थापित की जा रही टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स (टीपीएफ) में उत्तराखंड के अग्निवीरों को सीधी तैनाती दी जाएगी।

टीपीएफ में 80 से अधिक युवाओं की भर्ती होगी। इस बल का प्राथमिक उद्देश्य बाघों और उनके आवास की सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे न केवल बाघ संरक्षण प्रयासों को मजबूती मिलेगी बल्कि अग्निवीर योजना के तहत प्रशिक्षित युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाघों के प्राकृतिक आवास का संरक्षण भी महत्वपूर्ण है। यह फोर्स वनों की कटाई और उनके आवास को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को रोकने में मदद करेगी तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष का प्रबंधन में भी सहयोगी बनेगी। उन्होंने कहा कि कई बार बाघ आबादी वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष होता है। यह फोर्स ऐसी स्थितियों को संभालने और नियंत्रित करने में प्रशिक्षित होगी, ताकि दोनों पक्षों को नुकसान न हो। इस फोर्स को आधुनिक निगरानी तकनीकों, जैसे ड्रोन, थर्मल इमेजिंग और जीपीएस ट्रैकिंग से लैस किया जाएगा, जिससे उनकी दक्षता बढ़ेगी। टीपीएफ का मुख्य काम बाघों के अवैध शिकार को रोकना होगा। लकड़ी की तस्करी, अवैध खनन और अतिक्रमण पर भी यह नियंत्रण रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना के जवान रणनीतिक योजना और त्वरित निर्णय लेने में निपुण होते हैं। अग्निवीरों को अक्सर आधुनिक हथियारों और संचार प्रणालियों के उपयोग का ज्ञान होता है, जो उन्हें वन्यजीव संरक्षण के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा।

अग्निवीर राष्ट्र सेवा की भावना से ओत-प्रोत होते हैं। वन्यजीव संरक्षण भी एक प्रकार की राष्ट्र सेवा है, और यह भावना उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति अधिक समर्पित बनाएगी। उत्तराखंड के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देने से उन्हें क्षेत्र के भूगोल, मौसम और स्थानीय चुनौतियों की बेहतर समझ होगी, जिससे उनका काम और प्रभावी होगा।

यह पहल देगी मजबूती

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीटीआर, भारत में बाघों के सबसे महत्वपूर्ण आवासों में से एक है, जिसे अब एक अत्यधिक प्रशिक्षित और समर्पित बल की सुरक्षा मिलेगी। इससे अवैध शिकार की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। अग्निवीरों की भर्ती से स्थानीय समुदाय भी संरक्षण प्रयासों में शामिल होगा, जिससे एक सकारात्मक माहौल बनेगा। यदि यह मॉडल सफल होता है, तो इसे देश के अन्य बाघ अभयारण्यों और संरक्षित क्षेत्रों में भी दोहराया जा सकता है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर बाघ संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

उपग्रह निसार की लॉन्चिंग आज

नैनीताल। निसार उपग्रह आज शाम 5:40 बजे लॉन्च होगा। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट द्वारा भेजा जाएगा। यह धरती से 743 किमी की ऊंचाई पर स्थापित होगा। इस ऐतिहासिक लम्हे का आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पर्यावरण वैज्ञानिकों को बेसब्री से इंतजार है।

एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाजा के अनुसार, ये देश के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। वहीं, इस उपग्रह से प्राप्त आंकड़े हिमालय रीजन की भूगर्भीय व वायुमंडलीय स्थिति को समझने में एरीज के लिए बेहद मददगार साबित होंगे। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने व आंधी तूफान की उत्पत्ति को समझ पाना आसान हो सकेगा।

प्रधानाचार्य कहती हैं कीड़े खाओ प्रोटीन मिलेगा, धरने पर बैठीं छात्राएं

आवासीय विद्यालय में अव्यवस्थाओं पर भड़कीं छात्राएं, प्रधानाचार्य ने साजिश बताया

संवाददाता, आंवला

मनौना गांव स्थित आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राएं स्कूल परिसर में अफसरों के सामने भी धरने पर बैठी रहीं।

अमृत विचार : मनौना गांव स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राएं मंगलवार को फूट पड़ीं। प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए सैकड़ों छात्राएं धरने पर बैठ गईं। उनका कहना था कि उन्हें घटिया खाना, जिसमें कई बार कीड़े मिलते हैं जबरन खिलाया जाता है और शिकायत करने पर कहा जाता है, कीड़ों में प्रोटीन होता है, खा लो। सुबह 11 बजे छात्राओं का शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन अधिकारियों के समझाने पर दोपहर 3 बजे समाप्त हुआ।

विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक की लगभग 450 छात्राएं हैं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि उन्हें बुनियादी सुविधाएं जैसे साबुन, टूथपेस्ट, हेयर ऑयल तक छह महीने में एक बार मिलती हैं। कई छात्राएं बिना जूतों के ही रह रही हैं। शिक्षकों और छात्राओं के लिए अलग-अलग खाना बनता है, और छात्राओं के हिस्से का भोजन बेहद खराब गुणवत्ता का होता है।

जब मामले की जानकारी प्रशासन को हुई तो समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर, नायब तहसीलदार रजनीश सक्सेना, इंस्पेक्टर आंवला कुंवर बहादुर सिंह सहित भाजपा नेता और

- **समाज कल्याण अधिकारी ने शिकायत दर्ज की, 4 घंटे बैठी रहीं**

समाजसेवी मौके पर पहुंचे। समाज कल्याण अधिकारी ने छात्राओं के बयान दर्ज किए। दोपहर 3 बजे अधिकारियों ने छात्राओं को समझा-बुझाकर धरना समाप्त कराया।

डॉ. संजय सक्सेना ने प्रधानाचार्य पर छात्राओं के प्रति अपशब्द कहने, डराने-धमकाने, रिश्तेदारों को आउटसोर्सिंग से नियुक्त करने, और परिसर के पेड़ कटवाकर बेचे जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले दो छात्राएं विद्यालय से भाग गई थीं, जिसे छिपा लिया गया। पकड़े जाने के

अफसरों के समझाने पर मानीं आक्रोशित छात्राएं।

बाद उनकी टीसी काट दी गई। सूचना पर इंस्पेक्टर आंवला कुंवर बहादुर सिंह, और भाजपा नेता मित्रपाल सिंह, प्रमोद अनुरागी, भी पहुंच गये।

प्रधानाचार्य शिक्षा देवल ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। समाज कल्याण अधिकारी ने शिकायतों को दर्ज कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजने की बात कही है।

आधार कार्ड के लिए मानपुर में लगा कैंप

मानपुर, अमृत विचार: मंगलवार को आधार कार्ड से जुड़ी समस्याओं के लिए थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव में कैंप लगाए गये।

गांव बंजरिया के पंचायत घर में कैंप लगा जिसमे कंप्यूटर ऑपरेटर रमन शुक्ला, पंचायत सहायक राजेंद्र कुमार, ने बताया की आज लगे कैंप में लगभग 10 बच्चों के नये आधार कार्ड बनाये गये और 12 लोगों के आधार कार्डो मे संशोधन किया गया है।

पंचायत घर में भी आधार संशोधन कैंप लगा। कंप्यूटर ऑपरेटर नीरज ने बताया कैंप में आये 13 लोगो के आधार कार्ड में संशोधन किया गया है और 11 आधार कार्ड नए बनाये गये है जो जन्म से 12 वर्ष के बच्चों के लिए बनाए गये है। बताया कि इन गांवो में 15 दिन तक कैंप चलेगा कैंप में पता, मोबाइल, जन्मतिथि, बायोमेट्रिक, फोटो ईमेल अपडेट की सुविधा प्रदान की जा रही है।

भोजीपुरा -देवरनियां के लोगों को ट्रिपिंग से राहत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- **मुख्य अभियंता के निर्देश पर अलग कराई गई 33 केवी लाइन**
- **फाल्ट तलाशने में लगता था समय अब मिलेगी राहत**

अमृत विचार: भोजीपुरा और देवरनिया के 40 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली कटौती और ट्रिपिंग से राहत मिलेगी। मुख्य अभियंता के निर्देश पर दोनों सबस्टेशन की लाइन को अलग कर दिया गया है।

मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने बताया कि भोजीपुरा और देवरनिया सबस्टेशन के लिए दोहना से 33 केवी की लाइन घने जंगल में होकर जा रही थी, जिससे बारिश और आंधी पानी में 33 केवी की लाइन में फाल्ट होने पर फाल्ट तलाशने में समय लगता था। इससे उपभोक्ताओं को बिजली कटौती होने से परेशानी का सामना करना पड़ता था। जिसके बाद टीम को निर्देश देकर आरडीएसएस योजना में दोहना से भोजीपुरा सबस्टेशन के लिए पांच किलोमीटर की अलग लाइन बनवा दी गई है। वही दोनों लाइन को आपस में जोड़ दिया गया है। ऐसे में अगर फाल्ट होने पर दूसरी लाइन से बिजली आपूर्ति को शुरु कराया जाएगा। जिससे 40 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने बिजली अधिकारी और कर्मचारियों से कहा है कि सभी लोग अपने मकानों पर स्मार्ट मीटर लगवाए। कहा कि विभागीय कनेक्शन से वाणिज्य लाभ लेने के लिए अलग से बिजली कनेक्शन लेना होगा। पिछले दिनों विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी जेबी सक्सेना की पत्नी सुधा सक्सेना हास्टल में बिजली चोरी कर रही थी। उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

नकली जेवर बेचने आए दंपती दबोचे

आंवला, संवाददाता

अमृत विचार : कार सवार दंपती ने भाजपा नेता की सर्राफे की दुकान पर नकली जेवर बेच दिये। अगले दिन फिर जेवर बेचने आए तो बेचने तो नेता को शक हुआ। जांच करने पर मामला खुल गया। नेता ने कार और दोनो आरोपियोंको पुलिस को सौंप दिया है।

कस्बे के मोहल्ला पक्का कटरा

- **भाजपा नेता की दुकान पर दोबारा जेवर बेचने आए तब हुआ शक**

निवासी भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अनमोल गुप्ता ने बताया कि उनकी मोहल्ले में ही ज्वैलर्स की दुकान है। सोमवार की दोपहर एक दंपती कानों के टॉप्स बेचने आये और उसे बेचकर चले गये। मंगलवार को वही लोग फिर टाप्स बेचने आये। तब दोनो पर शक हुआ और उन्होंने जेवर कीजांच की तो सारा माल नकली निकला।

भाजपा नेता ने पडोसी दुकानदारों की मदद से दोनों को पकड़ लिया। उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास काफी संख्या में टॉप्स और कुंडल बरामद हुए। वह दोनों एक लग्जरी कार से आये थे। नेता ने दोनों आरोपियों को पुलिस को सौंप दिया और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

मां की डांट से नाराज किशोर फंदे पर झूला

संवाददाता, शीशगढ़

- **मनपसंद खाना नहीं बनाने से मां से हुआ गुस्सा**
- **मां ने फटकारा, कमरे में जाकर झूल गया 11वर्षीय असद**

अमृत विचार : मां की फटकार भी अब बच्चोंको नागवार लगने लगी है। मन पसंद खाना न बनाने से नाराजगी दिखाई तो मां ने फटकार लगा दी। इससे नाराज किशोर कमरा बंद करके फंदे पर झूल गया। काफी देर तक जब कमरा नहीं खुला तो परिजन देखने कमरे में गये तो उसे फंदे पर झूलते पाया

जानकारी के अनुसार शीशगढ़ के मोहल्ला बिलासपुर बस अड्डा निवासी तौफीक अहमद का पुत्र असद राजा (11) का मनपसंद खाना नहीं बना तो किशोर ने मां से नाराजगी दिखाई। इस पर मां ने उसे फटकार दिया। यह फटकार असद को इतनी बुरी लग गई वह चुपचाप कमरे में पहुंच गया और कमरा बंद करके बिजली के पंखे पर फंदा बनाकर झूल गया। काफी देर तक जब कमरा नहीं खुला तो परिवार बालों ने किबाड़ को तोड़कर अंदर कमरे में दाखिल हुए तो किशोर फंदे पर लटक रहा था उसको नीचे उतारा गया लेकिन जब तक मौत हो चुकी थी। इससे घर में कोहराम मच गया।

बिना हस्ताक्षर और नंबर के बांटी खाद

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : रजऊ परसपुर खाद गोदाम का एसडीएम ने औचक निरीक्षण किया तो उन्हें गोदाम में कोई भी चीज व्यवस्थित नहीं मिली। उन्होंने नाराजगी जताते हुए गोदाम इंचार्ज पर कार्रवाई करने के निर्देश एडीओ सहकारिता को देते हुए गोदाम का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिये हैं।

एसडीएम फरीदपुर मल्लिका नैन मंगलवार को दोपहर अचानक रजऊ परसपुर एवं कर्करा खुर्द खाद गोदाम पहुंच गई। रजऊ परसपुर में उन्हें कई अनियमतिताएं देखने को मिलीं। स्टाक रजिस्टर दुरुस्त नहीं था। रेट बोर्ड और स्टाक बोर्ड में लिखी संख्या गलत थीं। किसानों के हस्ताक्षर व मोबाइल नंबर लेकर खाद देने के लिए बनाये गये

फरीदपुर में खाद गोदाम का निरीक्षण करतीं एसडीएम मल्लिका नैन।

- **एसडीएम फरीदपुर को निरीक्षण में रजऊ परसपुर गोदाम में मिली अनियमितताएं**
- **ककर्रा खुर्द के गोदाम प्रभारी अनुपस्थित मिले, कार्रवाई के दिये निर्देश**

रजिस्टर में किसानों के नाम और हस्ताक्षर नहीं दर्ज थे। उन्होंने एक किसान को पांच से अधिक कट्टे देने के संबध में गोदाम प्रभारी से पूछताछ की तो वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाये और ना ही संबधित किसानों की भूमि के संबध में कोई जानकारी दे सके।

उन्होंने देखा कि गोदाम में बरसात का पानी अंदर आ रहा है। यहां कोई व्यवस्था एसडीएम को सही नहीं मिली। ककरा खुर्द में गोदाम प्रभारी अनुपस्थित पाए गये। उन्होंने संबधित पर कार्रवाई करनेके निर्देश दिये हैं।

मामूली विवाद के बाद फायरिंग, तीन पर रिपोर्ट

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : सोमवार देर शाम गांव सतुईया में मामूली बात को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद के दौरान फायरिंग हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक गांव सतुईया खास निवासी पीड़ित राजकुमार कस्बा से गांव तक आने जाने के लिए ई रिक्शा चलाता है।विगत 22 जुलाई शाम को घर लौटते समय गांव खिरका के पास पीछे से आ रहे बाइक सवार सोवेन्द्र सिंह से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। बीच बचाव करने के बाद दोनों अपने अपने घर चले गए।आरोप है 27 जुलाई सोमवार देर शाम को सोबेन्द्र सिंह अपने दो दोस्त सतीश और मनु के साथ गांव के एक चौराहे पर खड़े हो गए। उन्होंने फोन पर पीड़ित राजकुमार को बुलाया। चौराहे पर पहुंचने के बाद आरोपियों के पास डंडे, अवैध देखकर पीड़ित राजकुमार वापस जाने लगा। तो उसके साथ गाली गलौज करने लगे। जब वह नहीं रुका तो तीनों में से किसी एक ने उस पर फायर कर दिया। इससे वह बाल बाल बच गया। सूचना पर पहुंची यूपी 112 पुलिस को देखकर आरोपी फरार हो गए। राजकुमार की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी है।

ड्रोन उड़ने की अफवाह पर ध्यान न दें ग्रामीण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : ड्रोन उड़ने एवं क्षेत्र में अफवाहों पर अकुंश लगाने को थानों की पुलिस मैदान में उतर आई है। गांव कस्बों में ग्रामीणों के साथ बैठक करके उन्हें जागरुक किया जा रहा है और किसी के साथ मारपीट नहीं करने मंदबुद्धि या घूमंतू लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाने की चेतावनी भी दी जा रही है।

शेरगढ़ में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने मंगलवार को ग्रामीणों के साथ हुई बैठक में कहा कि ड्रोन उड़ने एवं क्षेत्र में चोरों की झूठी अफवाह से सावधान रहें। यदि गांवों में कहीं पर कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है तो थाना पुलिस को सूचित करें। किसी मंदबुद्धि या घुमंतू लोगों के साथ चोरों और

शेरगढ़ के एक गांव में बैठक कर ग्रामीणों को जागरुक करते पुलिस अफसर।

ड्रोन उड़ाने के नाम पर मारपीट कर उन्हें पीड़ा न पहुंचाएं। ऐसे में कोई भी व्यक्ति बेवजह दूसरों के साथ मारपीट कर कानून हाथ में लेने का प्रयास न करें अन्यथा ऐसे लोगों के साथ पुलिस सख्ती से पेश आएगी। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिसकर्मी गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करने में लगे हैं। मंगलवार को गांव जुआ जवाहरपुर, सिमरावा, टांडा, रम्पुरा, नगरिया कलां, पिपौली आदि समेत क्षेत्र के गांवों में इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह, एसएसआई आदित्य गौरव श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक राहुल सिंह पुंडीर, महीपाल सिंह, ओगेंद्र कुमार, शिवसागर, विनीत चौधरी ने जागरूकता बैठकें कीं।

अफवाह फैलाई तो होगी कार्रवाई

देवरनियां : कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी द्वारा कोतवाली क्षेत्र के विभिन्न गांव करबों में जाकर लोगों में फैली ड्रोन की दहशत को कम कर ऐसी अफवाहों से बचने और जागरुकता लाने का संदेश दिया गया। उन्होंने अपनी टीम को भी इस बाबत लोगों को समझाने की बात कही। कोतवाली प्रभारी ने कहा, कि जो भी ड्रोन की दहशत फैलाएगा, उसपर कडी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ड्रोन जैसे दिखने वाले मात्र खिलौना है, वह कोई ड्रोन नहीं है।

भोजीपुरा में दुष्कर्म का आरोपी किया गिरफ्तार

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार: किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को मंगलवार को उसके घर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया । उसे जेल भेज दिया गया।

भोजीपुरा के एक गांव की रहने वाली किशोरी के साथ ननिहाल में रह रहे युवक ने जबरन दुष्कर्म किया था। पुलिस ने जांच के बाद 23 जुलाई को आरोपी ऋषिपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। प्रभारी निरीक्षक प्रवीन सोलंकी ने बताया कि पीड़ित किशोरी का बयान दर्ज कराने के बाद चौकी इंचार्ज धौंराटांडा संजय कुमार ने आरोपी ऋषिपाल को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी साकिब को भेजा जेल

फरीदपुर, अमृत विचार : दिन दहाड़े सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया। क्षेत्र के मेहतरपुर तेजा सिंह गांव में दिनदहाड़े घर से खींचकर दूसरे मकान में ले जाकर महिला से गांव के ही दबंगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। कोतवाली में पीड़िता के पति ने अर्जुन, रेहान, साकिब को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कराया था पुलिस ने आरोपी सकिब को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

27 दिन बाद कैंट में ठगी की रिपोर्ट दर्ज

कैंट, अमृत विचार : चनेहटा निवासी महिला ने कंपनी का कूलर में आई खराबी को ठीक कराने के लिए गूगल से कंपनी का नंबर लेकर शिकायत की। तो ठगी हो गई। मामले की शिकायत 2 जुलाई को एसएसपी अनुराग आर्य से की। अब 27 दिन बाद कैंट पुलिस ने ऑनलाइन साइबर ठगी की रिपोर्ट दर्ज की है।

चनेहटा निवासी मानसी पाठक ने बताया कि उन्होंने गूगल में नंबर सर्च करके कंपनी के कस्टमर केयर पर बात करके कूलर में आई खराबी की बात कही। फोन पर उनसे रुपया रिफंड करने के लिए यूपीआई चेक करने को कहा। इसी के बाद 84456 तथा 15012 रुपए कट गए। बैलेंस कटने पर महिला को ठगी होने का एहसास हुआ।

151 जोड़ो ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

आंवला, अमृत विचार: नाग पंचमी के अवसर पर ढिलवारी गांव के बालाजी विग्रह धाम परिसर में सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रम हुआ। इसमें क्षेत्र के 151 जोड़ों ने भगवान शिव की आराधना कर शिवलिंग पर रुद्राभिषेक किया।

मंदिर महंत बिरजू दास महाराज ने बताया कि प्रति वर्ष सावन माह में सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। आचार्य पंडित सचिन शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों से आये आचार्यों में हरिओम शर्मा, सुशांत शर्मा, संजय शर्मा, राजेश शर्मा, अरविंद शर्मा, प्रिंस शर्मा, मोहित शर्मा आदि ने विधि विधान से इस कार्य को संपन्न कराया।कार्यक्रम में मुकेश सिंह, दिलीप माहेश्वरी, विशेष सिंह, हरीश दीक्षित, अन्नू सिंह, अनुभव मिश्रा, कुलदीप पाठक, आकाश, विकास आदि का विशेष सहयोग रहा।

आंवला में बालाजी विग्रह धाम परिसर में हुए सामूहिक रुद्राभिषेक में शामिल जोड़े।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध

02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

Contact Us:- 9311198889 9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY — अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र शिव कुमार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **छोटन्ने पुत्र मिडई निवासी ग्राम व पोस्ट व परगना कुकरा तहसील गोला जिला लखीमपुर खीरी।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सिटी ब्रीफ

एसी व्यापारी को वाहन चालान का डर दिखाकर ठगी

बरेली, अमृत विचार : शहर की आवास विकास कॉलोनी निवासी विक्रम गुप्ता एसी व्यापारी हैं। विक्रम गुप्ता ने मंगलवार रात पुलिस को बताया कि शाम को उनके व्हाट्सएप पर एक मेसेज आया। इसमें वाहन चालान जैसी एपीके फाइल थी। उन्होंने चालान का विवरण देखने के लिए इसे ओपन किया तो उनके मोबाइल पर रुपये निकलने के कई मेसेज आने लगे। घबराकर उन्होंने मोबाइल बंद किया और एसएसपी कैंप कार्यालय चले आए। अब साइबर सेल जांच कर रही है। कुल कितने खातों से कितने रुपये की ठगी हुई है, अभी इसकी व्यापारी को भी जानकारी नहीं है। साइबर सेल खातों से लेनदेन का पता करने में जुटी है।

आरपीएफ ने पांच ऑटो चालकों का चालान किया

बरेली, अमृत विचार : आरपीएफ ने मंगलवार को स्टेशन परिसर के बाहर अवैध रूप से खड़े पांच ऑटो चालकों का चालान कर दिया। दरअसल, कुछ समय पहले डीआरएम आरके सिंह ने स्टेशन का निरीक्षण किया था। उन्होंने अव्यवस्था पर नाराजगी जताई थी। रेल प्रशासन ने अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने के निर्देश दिए थे। प्लेटफार्म पर एक अवैध वेंडर पकड़ा गया। इसके अलावा एक व्यक्ति भीख मांगते पकड़ा गया। जिसे चेतावनी देकर स्टेशन परिसर से हटाया गया। आरपीएफ प्रभारी विनीता कुमारी ने बताया कि अवैध ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। स्टेशन पर नियमित गश्त और निगरानी के लिए अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है।

युवक पर जानलेवा हमला करने वाले दो गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : किला थाना क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रजा कालोनी निवासी नाजिस उर्फ मोनू और शालम के रूप में हुई है। किला थाना प्रभारी सुरेश चन्द गौतम ने बताया कि राजकुमार निवासी महेशपुर थाना सीबीगंज के बेटे राजेश कुमार और उसके साथी अजहर के साथ गाली गलौज कर जानलेवा हमला करने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गय, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

झूठी शादी व देह व्यापार का धंधा करने वाला गिरोह पकड़ा

बहेड़ी पुलिस ने बुजुर्गों को ठगने वालों का किया पर्दाफाश, 4 गिरफ्तार

बहेड़ी , संवाददाता

अमृत विचार: देह व्यापार और फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए झूठी शादी कराकर बुजुर्ग और विधुर पुरुषों से ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गिरोह की मास्टरमाइंड महिला पिंकी उर्फ काजल है, जो लंबे समय से रुद्रपुर में सक्रिय थी। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें चंदा, बख्तावर, ताहिर और गुड्डु उर्फ शरीफ शामिल हैं।

पूछताछ में सामने आया कि चंदा की शादी आठ वर्ष पूर्व विकास यादव से हुई थी और उनकी एक पांच साल की बेटी भी है। पिछले दो वर्षों से वह पति से अलग रह रही थी और एक साल पहले कलकत्ता से रुद्रपुर आकर पिंकी के घर काम करने लगी। पिंकी ने ही उसे गिरोह से जोड़ा।

गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद योजनाबद्ध थी ये लोग विधुर या अकेले बुजुर्ग पुरुषों को निशाना बनाते, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शादी या लिव-इन का झांसा देकर उनसे पैसे और गहने ऐंठते और फिर महिला फरार हो जाती।

पुलिस गिरफ्त में शादी व देह व्यापार का धंधा करने वाले। ● अमृत विचार

अब तक सामने आए तीन मामले

- प्रेमपाल कश्यप (बदायूं) : चंदा ने फर्जी पहचान से शादी की, फिर 60,000 रुपये और जेवर लेकर फरार हो गई।
- मित्रपाल (झुनझुनू, राजस्थान) : कविता नाम बताकर लिव-इन अफ़िडेविट कराया गया, फिर 1.5 लाख रुपये लेकर चंदा भाग गई।
- उग्रसेन (हनुमानगढ़, राजस्थान) : इसी तरह 1.5 लाख रुपये लेकर चंदा फरार हो गई।

डराने-धमकाने की रणनीति

गिरोह की सदस्य पिंकी पीड़ितों को फोन कर धमकाती थी कि मेरी बहन को गायब किया है, जिससे डरकर पीड़ित पुलिस में शिकायत करने से कतराते थे। पूरे गिरोह की मुख्य संचालक पिंकी है, जो देह व्यापार की आड़ में ठगी के इस गिरोह को चला रही थी। अब तक की जांच में अन्य महिलाओं की भी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

हिन्दू बेटियों के साथ भेदभाव का विरोध, ज्ञापन

फरीदपुर, अमृत विचार : मंगलवार को राष्ट्रीय सनातन पार्टी ने फरीदपुर उपजिलाधिकारी कार्यालय में एक प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पार्टी का आरोप है कि वर्तमान सरकारी योजनाएं धर्म के आधार पर भेदभाव कर रही हैं, जिससे हिन्दू बेटियां खुद को दोयम दर्जे की नागरिक महसूस कर रही हैं।

कार्यकर्ताओं ने समानता का अधिकार दो, धर्म से बंटवारा रोको जैसे नारे लगाए और सरकार से सभी धर्म की बेटियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति, और विवाह सहायता की योजनाओं में समान रूप से शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति सभी गरीब बेटियों के लिए खोलीजाए। सभी गरीब बेटियों को शिक्षा, फीस माफी, ड्रेस व किताबें, और शादी में सहायता जैसी सुविधाएं समान रूप से उपलब्ध कराई जाएं। संगठन ने अपना ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौपा।

इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री एडवोकेट मनोज कुमार यादव राजेश कुमार गंगवार, पंकज शर्मा, सूर्य प्रताप सिंह, पंकज मिश्रा, अनुज यादव, धीरेन्द्र तिवारी, प्रमोद यादव, ऋषिपाल सिंह मौजूद रहे।

शिशुपाल बने अध्यक्ष, पुष्पाल सचिव

नवाबगंज,संवाददाता

अमृत विचार : एडवोकेट प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन कार्यकारिणी के हुए चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव में पूर्व अध्यक्ष शिशुपाल सिंह गंगवार ने एक तरफा 127 वोट लेकर संगठन के अध्यक्ष पद पर कब्ज़ा कर लिया। जबकि सचिव पद पर पुष्पाल सिंह ने अपने प्रतिद्वंदी चंद्र शेखर को 14 मतों से पराजित किया।

सुबह 10 बजे से तीन बजे तक हुए मतदान में सभी 188 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना में अध्यक्ष पद के एक तरफा चुनाव में पूर्व अध्यक्ष शिशुपाल सिंह गंगवार ने 127 मत प्राप्त किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी रमेश आर्य को 47 और तीसरे प्रत्याशी प्रदीप सूरी को मात्र 14 मतों पर संतोष करना पड़ा। सचिव पद पर पुष्पाल सिंह ने 77 मत प्राप्त किये। प्रतिद्वंदी चन्द्र शेखर को 63, चैतन्य प्रकाश श्रीवास्तव को 36 और फूल कुमार शर्मा को मात्र 12 मत ही मिले।

बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी । ● अमृत विचार

कोषाध्यक्ष पद पर वीरेंद्र पटेल को 96, गोपाल बहादुर गंगवार को 49, हरेंद्र कुमार को 29 और कृष्ण पाल को मात्र 14 मत मिले।

इसके साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुरेन्द्र पाल सिंह को 98 और शराफत अली खां को 90 मत मिले, सुरेंद्र पाल सिंह ने मात्र 8 मतों से उन्हें हराया। सहसचिव पद पर ओमप्रकाश ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सोमपाल शर्मा को 37 मतों से हराया, उन्हें 81 मत मिले जबकि शर्मा को 44 मत मिले। हारून अहमद को 41 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे और महेन्द्र कुमार 22 वोट लेकर चौथे स्थान पर रहे। आडिटर पद पर अरविन्द कुमार ने चमन प्रकाश को सीधे मुकाबले में 38 मतों से हराया उन्हें 113 तो चमन प्रकाश को 75 मत प्राप्त हुए।

एल्डर कमेटी के अध्यक्ष सुधाकर लाल रस्तोगी, राजेश पाल गंगवार, जमील अहमद अंसारी संगठन के अध्यक्ष हाजी माजिद हुसैन जैदी, सचिव दुष्यंत गंगवार, कोषाध्यक्ष आनन्द कुमार ने सभी विजई उम्मीदवारों को अपनी शुभकामनाएं दी। संगठत हित में कार्य करने का भरोसा दिलाया है।

नाग पंचमी पर कैंट में लगा गुड़ियों का मेला

संवाददाता, कैंट/बरेली

अमृत विचार : सदर बाजार स्थित मदारी की पुलिया पर मंगलवार को नाग पंचमी पर गुड़ियों का मेला लगा। सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार नाग पंचमी के दिन प्रत्येक वर्ष मदारी की पुलिया पर गुड़ियों का मेला आयोजित किया जाता है। बताया जाता है कि कैंट के बाल्मीकि समाज के परिवार राजस्थान के बांगड़ जिले के गोगामेड़ी स्थित जाहरवीर मंदिर की प्रतीकात्मक छड़ों, तथा रंग बिरंगे कपड़ों से गुड्डे गुड़िया बनाकर घरों में पूजा करते हैं। इसके बाद वही प्रतीकात्मक मंदिर नाग पंचमी के दिन शाम को मेले में ले जाए जाते हैं। जिस पर मेले में आने जाने वाले लोग मन्नत मांग कर प्रसाद चढ़ाते हैं। मेला शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक जारी रहता है। मेले में दर्जनों दुकानें लगाई गईं। सदर बाजार निवासी टिन्नू भगत, संजय भगत, सुनील भगत व भांजा सुनील कुमार परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

नागपंचमी मेला आयोजित : गंगापुर स्थित नागपंचमी ग्राउंड पर मंगलवार शाम नागपंचमी मेले का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल व मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा रहे। मुख्य आकर्षण मेले में मिलने वाली विभिन्न प्रकार की गुड़िया रहीं। जहां बच्चों के साथ महिलाओं ने छोटे बड़े झूलों का आनंद लिया। मेला अध्यक्ष रूप किशोर लोधी, पार्षद हरिशंकर लोधी, कैलाश बाबू लोधी, लालमन भोज, विनोद कुमार लोधी, काशीनाथ लोधी, निहाल लोधी, कांता सिंह, हरिशंकर लोधी, निरंजन, ललिता प्रसाद लोधी आदि उपस्थित रहे।

रिठौरा। सावन के पवित्र माह में नाग देवता को दूध पिलाने के लिए नागपंचमी का पर्व मंगलवार को श्रृद्धाभाव से मनाया गया।

कैंट के मदारी पुलिया में सजी रंगीन कपड़ों से बनी गुड़िया।

गंगापुर में नागपंचमी मैदान पर लगे मेले में मस्ती करते बच्चे।

7 दिवसीय भागवत कथा से पहले कलश यात्रा निकाली

बहेड़ी, अमृत विचार : गंगा वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा रामलीला मैदान में मंगलवार से 5 अगस्त तक कथा का आयोजन हो रहा है। इसको लेकर मंगलवार को नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई । कलश यात्रा रामलीला मैदान के राम जानकी मन्दिर से प्रारम्भ होकर माथुर रोड़ , नैनीताल मुख्य मार्ग व मोहल्ला रामलीला होते हुए कथा स्थल पर पहुंच कर समापन हुई । जहां पंडित मधुर गोपाल दास शास्त्री के द्वारा पूजा अर्चना की गई । बुद्धवार शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक कथा होगी। कलश यात्रा में अक्षय मंगलम , सभासद रमेश सिंह , सीता राम दुबे , अवधेश सक्सेना ,सुनील कुमार रस्तोगी , सहित दर्जनों महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर चल रही थी । कलश यात्रा का नगर के लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया ।

भागवत कथा से पहले नगर में कलश यात्रा निकाली गई।

एसडीएम को गौशाला में मिली गंदगी

मीरगंज, अमृत विचार: मंगलवार को एसडीएम तृप्ति गुप्ता ने बृहद गौ संरक्षण केंद्र ग्राम चुराई दलपतपुर विकास खंड मीरगंज का शाम छह बजे औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण करने पर गौशाला में साफ सफाई की स्थिति अत्यंत खराब पाई गई। गोबर भी बिखरा हुआ था। गौशाला को जाने वाला रास्ता भी ठीक नहीं था। एसडीएम की गाड़ी काफी दूर रुकी। केयर टेकरों ने बताया कि गौशाला में लगभग 350 गोवंश संरक्षित हैं। निरीक्षण में एसडीएम को मौके पर भूसा तथा हरे चारे की मात्रा अत्यंत कम मिली। वहीं संरक्षित गौवंशों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। एसडीएम तृप्ति गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में उच्चाधिकारियों को आख्या प्रेषित की जा रही है।

बरेली जोन की महिला टीम सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर, वाराणसी में आयोजित 50वीं यूपी पुलिस वार्षिक जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता-2025 में बरेली जोन की महिला पुलिस टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। 15 से 18 जुलाई तक चली प्रतियोगिता में राज्य के 14 जोन की टीमों ने भाग लिया। बरेली की टीम को एडीजी रमित शर्मा ने मंगलवार को अपने कार्यालय में सम्मानित किया।

बरेली जोन की टीम ने कुल 25 पदक अपने नाम किए, जिनमें 13 स्वर्ण, 7 रजत और 5 कांस्य शामिल हैं। ताइक्वांडो और पैंचक सिलाट महिला वर्ग में बरेली की टीम ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि कराटे और वुशु महिला वर्ग में दूसरा स्थान और कराटे पुरुष वर्ग में भी उपविजेता बनकर शानदार प्रदर्शन किया। ताइक्वांडो महिला वर्ग में हेड कांस्टेबल नईम अहमद की कोचिंग में बरेली और मुरादाबाद की महिला पुलिसकर्मियों ने मैदान मारा। हेड कांस्टेबल सुमन धीमान बरेली, सिपाही पूनम, संध्या, नेहा यादव मुरादाबाद ने गोल्ड मेडल अपने नाम किए, जबकि सिपाही अलका कुमारी, मुरादाबाद ने सिल्वर जीता। पैंचक सिलाट महिला वर्ग में हेड कांस्टेबल राहुल आनंद के नेतृत्व में आरती देवी, बरेली, बबीता, आशा मुरादाबाद ने स्वर्ण पदक, जबकि रीना, अन्नू, अमरोहा ने रजत और सुप्रिया, रामपुर ने कांस्य पदक जीता। कराटे महिला वर्ग में दरोगा मधु कश्यप की देखरेख में प्रतिभा, बदायूं और गौरव, मुरादाबाद ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं वुशु महिला वर्ग में दरोगा पुष्पा पांडे की कोचिंग में हेड कांस्टेबल डोली और सिपाही सुनीता, बरेली) ने पहला स्थान पाया। जूडो में हेड कांस्टेबल रमा यादव की कोचिंग में आरती कुमारी, प्रियंका सिंह, बरेली, सोनी गंगवार, रामपुर ने कांस्य और राखी, मुरादाबाद) ने रजत पदक जीता। वहीं कराटे पुरुष वर्ग में हेड कांस्टेबल महेंद्र पोसवाल रामपुर की कोचिंग में शुभम कुमार, मुरादाबाद ने स्वर्ण, हरीश यादव, मुरादाबाद ने रजत और शुभम चौधरी, शाहजहांपुर) ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। पैंचक सिलाट पुरुष वर्ग में हेड कांस्टेबल तारिक, अमरोहा) के नेतृत्व में मनोज कुमार, मुरादाबाद ने गोल्ड, अमित कुमार, मुरादाबाद ने सिल्वर और नेपाल, रामपुर ने ब्रॉन्ज हासिल किया

एडीजी रमित शर्मा ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित। ● अमृत विचार

सिटी डायरी

केंद्रीय टीम ने किया भ्रमण

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय राज्य वन अकादमी देहरादून की टीम मंगलवार को शहर में भ्रमण पर पहुंची है। सीबीगंज स्थित वन संरक्षक कार्यालय के सभागार में टीम को डीएफओ ने ट्रेनिंग दी। टीम में 45 प्रशिक्षु सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) व कोर्स डायरेक्ट अमलेन्द्र पाठक शामिल हैं।

संस्थागत संरचना और प्रबंधन पर व्याख्यान

बरेली, अमृत विचार : बरेली कॉलेज बरेली और यूजीसी के टीचर ट्रेनिंग कार्यक्रम के तहत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में मंगलवार को दो विशेष व्याख्यान हुए। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डॉ.जोगिंदर सिंह सकलानी ने अकादमी के नेतृत्व से जुड़ी हुई विभिन्न प्रविधियां और इसके लिए शिक्षकों को तैयार करने की नई शिक्षा नीति की योजना पर चर्चा की। बुंदेलखंड विवि के प्रो. एसपी गुप्ता ने एनआईआरएफ, नेक और अन्य रैंकिंग प्रणालियों के विस्तार से जानकारी दी।

महिलाओं ने सिंधी गीत गए

बरेली, अमृत विचार : सिंधु नगर स्थित झूलेलाल मंदिर में झूलेलाल चालीसा का चौदहवां दिन धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने सिंधी गीत गए। डांडिया व डांस कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रसाद का वितरण किया गया। जानकी प्रसाद निहलानी, पवन सतनानी, प्रकाश आयलानी, देवी दास कवलानी, लेखराज मोटवानी, राजगोपाल खट्टर, गिरधारी लाल मूलचंदानी, मनोज सनतानी, आर्यन केसवानी आदि उपस्थित रहे।

सेपक टाकरा के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

बरेली, अमृत विचार : इज्जतनगर रेलवे मंडल के सेपक टाकरा समर कैंप के विजेता खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व्यापारी राकेश कुमार रस्तोगी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए पदक दिए।

ड्रोन चोर समझकर पीटा, पुलिस को सौंपा

फतेहगंज पश्चिमी, संवाददाता

अमृत विचार: माधौपुर गांव के एक घर में घुसे अज्ञात व्यक्ति को चोर समझकर ग्रामीणों ने पेड़ से बांधने के बाद पीटकर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उसे पागल बताकर छोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक गांव माधौपुर में सोमवार शाम को भंडारा चल रहा था। गांव के उदयपाल के परिजन वहीं थे। इसी का फायदा उठाकर एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर में घुस गया। कुछ देर बाद उदयपाल अपने घर आए तो उन्हें घर में किसी के होने की आहट महसूस हुई। उन्होंने शोर मचाया तो ग्रामीण एकत्र हो गये।

ग्रामीणों ने उसे पेड़ से बांध दिया और पिटाई करने केबाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पेड़ से बंधे युवक को खुलवाया और उदयपाल को भी थाने ले गई। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र पाल सिंह ने बताया जानकारी करने पर पकड़ गया युवक पागल पाया गया। इसीलिए उसे छोड़ दिया गया। **एक विक्षिप्त को ग्रामीणों ने पकड़ा : नवाबगंज** मंगलवार दोपहर में दलेलनगर ग्राम के गन्ने के खेत की मेढ़ पर लेटे एक विक्षिप्त युवक को ग्रामीणों ने चोर समझ कर पकड़ लिया ।

महर्षि चरक जयंती प्रशिक्षु चिकित्सकों ने ली शपथ

महर्षि चरक जयंती पर मुख्य अतिथि को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

रिठौरा, अमृत विचार : राजश्री आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल में आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक संस्थान की प्राचार्या प्रोफेसर प्रीति शर्मा, संस्था के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल एवं प्रबंध निदेशक रोहन बंसल ने महर्षि चरक की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित एवं वंदन से किया । मुख्य अतिथि ने बताया कि चरक संहिता में रोगों के निदान एवं ऋतु के अनुसार ऋतुचर्या का पालन निरोग और स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि महर्षि चरक द्वारा प्रतिपादित शरीर रचना विज्ञान को समझने के लिए छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के मध्य मनोवृत्ति को समझना और रोग निदान की प्रणालियों को विकसित करना एक बेहतर आयुर्वेदिक वैद्य बनाने में कारगर होगा। प्राचार्य प्रोफेसर आर.के. गुप्ता ने चरक संहिता के सिद्वांतों पर प्रकाश डाला। डॉ पुनीत शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डीन साकेत अग्रवाल, निदेशक अनिल कुमार, पंकज शर्मा, रजिस्ट्रार दुष्यंत माहेश्वरी, डा.सुमिता सिंह, डा.अंकित चांडक, डा. अंकित सक्सेना सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा। संचालन डा.कनिका जैन ने किया।

न्यूज ब्रीफ

सोनभद्र में अराजक तत्वों ने मूर्ति क्षतिग्रस्त की, रिपोर्ट दर्ज

सोनभद्र, एजेंसी : जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में शिव मंदिर में एक मूर्ति को कुछ अराजक तत्वों द्वारा खंडित किए जाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अनिल कुमार ने बताया कि सोमवार एवं मंगलवार की दरमियानी रात अज्ञात शरारती तत्वों ने अंबेडकर नगर के शिवमंदिर में स्थापित हनुमान जी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना के संबंध में थाना कोतवाली राबर्ट्सगंज में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अवैध रूप से चल रहा क्लीनिक सीज

मितौली, अमृत विचार : कस्बा कस्ता में अवैध रूप से चल रहा क्लीनिक स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सीज किया है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया क्षेत्र के कस्ता में शिफा क्लीनिक के निरीक्षण के दौरान संचालक कोई संबंधिति दस्तावेज नहीं दिखा सके। क्लीनिक अवैध रूप से चल रहा था इनके विरुद्ध कई शिकायतें थीं। मंगलवार को अस्पताल सीज कर दिया है।

पुलिस ने मुठभेड़ में गोकशी के दो आरोपी किए गिरफ्तार

दोनों बदमाशों को घायल हालत में सीएचसी में कराया भर्ती

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद/डिलारी

घायल बदमाश को सहारा देकर ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिले के डिलारी थाना क्षेत्र के गांव ततारपुर की पुलिया के पास जंगल में सोमवार देर रात बाइक सवार दो गो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने मैनाठेर क्षेत्र गांव ताहरपुर निवासी मुन्ना उर्फ मोनू, छजलैट के गांव खजूर की सराय निवासी जसीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल बदमाशों को सीएचसी में भर्ती कराया।

थाना डिलारी के प्रभारी मनोज कुमार के अनुसार बाइक सवार मुन्ना उर्फ मोनू और जसीम गांव ततारपुर की पुलिया के पास जंगल में गोकशी करने के इरादे से ढकिया जा रहे थे। इस बीच उन्हें मुखबिर से सूचना मिली तो वह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। यहां पुलिस टीम ने टार्च की रोशनी दिखाकर दोनों बदमाशों

● मोटरसाइकिल, दो तमंचे और कारतूस हुए बरामद

को रोका तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने अपने बचाव में फायरिंग की तो बदमाश मुन्ना उर्फ मोनू और जसीम टांग में गोली लगने से घायल हो गए। जिसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों बदमाशों के पास से दो तमंचे और दो कारतूस मिले हैं। दोनों बदमाशों ने प्रतिबंधित पशुओं को काट मांस बेचकर अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित की है। आरोपी जसीम के खिलाफ विभिन्न थानों में गोकशी, धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में 9 मुकदमे दर्ज हैं। मुन्ना उर्फ मोनू पर विभिन्न थानों में 5 मुकदमे दर्ज हैं।

कानूनी राय देने पर वकीलों को न करें समन

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई व्यक्ति सिर्फ वकील की भूमिका निभा रहा है, तो जांच एजेंसियों को उसे जांच का सामना कर रहे अपने मुवक्किल को कानूनी सलाह देने के लिए तलब नहीं करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि, अगर कोई वकील अपराध में मुवक्किल की मदद कर रहा है, तो उसे समन भेजा जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी जांच एजेंसियों द्वारा

● कोर्ट ने कहा-अपराध में मुवक्किल की मदद पर ही कर सकते हैं तलब

जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों को तलब किए जाने से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान की। पीठ ने कहा कि हमने शुरू में ही कहा था कि अगर कोई (वकील) अपराध में मुवक्किल की मदद कर रहा है, तो उसे तलब किया जा सकता है... लेकिन केवल कानूनी सलाह देने के लिए नहीं। पीठ ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन रिकॉर्ड

एसोसिएशन (एससीएओआरए) जैसे बार निकायों की दलीलें सुनीं, जिनका प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह और वकील विपिन नायर ने किया। सिंह, जो एससीबीए के अध्यक्ष भी हैं, ने इस बात पर चिंता जताई कि मनमाने ढंग से समन जारी किए जाने से कानूनी पेशे पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वकीलों को महज मुवक्किलों को सामान्य कानूनी सलाह देने के लिए समन भेजा जाने लगे, तो कोई भी (वकील) संवेदनशील आपराधिक मामलों में सलाह देने का साहस नहीं करेगा।

सिंह ने मामले में सीबीआई की ओर से अपनाए गए सुरक्षा उपायों के समान सुरक्षा उपाय लागू करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि किसी वकील को तलब करने की अनुमति जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से ली जानी चाहिए और फिर इसे जारी करने से पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से इसकी जांच की जानी चाहिए।

आईएमएफ ने भारत का विकास अनुमान बढ़ाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का विकास अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है।

आईएमएफ ने मंगलवार को जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) अपडेट में कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहेगी। पहले उसने अप्रैल में जारी डब्ल्यूईओ में चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया था।

आईएमएफ ने कहा है कि उसने वैश्विक कारकों में सुधार के कारण भारत का विकास अनुमान बढ़ाया है। अगले वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भी विकास अनुमान 6.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है। आईएमएफ ने अपडेट रिपोर्ट में कहा कि भारत में 2025 और 2026 में विकास दर 6.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

पिस्तौलों के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके एक गुर्गे को गिरफ्तार किया जो पाकिस्तानी तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहा है। डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति तरनतारन के गांव मढ़ी मेघा निवासी भरतप्रीत सिंह के कब्जे से पांच अत्याधुनिक पिस्तौलें बरामद की है जिसमें दो 9 एमएम, दो .30 बोर और एक .32 बोर की पिस्तौल है।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

विश्व बाघ दिवस पर मुंबई के बायकुला चिड़ियाघर में अपने बच्चे को रॉयल बंगाल टाइगर को दिखाता एक व्यक्ति।

74 बोरी यूरिया स्टॉक से गायब

पलिया कलां, अमृत विचार : प्रशासन की निगरानी में यूरिया वितरण के बावजूद गड़बड़ी सामने आई है। खाद वितरण के बाद 74 बोरी यूरिया स्टॉक से गायब पाई गई। डीएम को भेजी गई वीडियो शिकायत के आधार पर की गई जांच में आरोप सही पाए गए। डीएम के आदेश पर भारत फर्टिलाइजर के प्रोपराइटर ओवेस खान के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। 18 जुलाई को पलिया कलां स्थित मेसर्स भारत फर्टिलाइजर के परिसर में सहायक विकास अधिकारी (कृषि) की निगरानी में यूरिया का वितरण किया गया था। वितरण के बाद 113 बोरी यूरिया स्टॉक में बची थी। उसी रात किसी व्यक्ति ने डीएम को वीडियो भेजकर ऊंचे दामों पर रात में यूरिया की कालाबाजारी की शिकायत की।

समीक्षा बैठक में गैरहाजिर रहे सचिव, रोका वेतन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : केंद्रीय वित्त आयोग और राज्य वित्त आयोग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिले के पांच ब्लॉकों के सात ग्राम पंचायत सचिवों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) ने इन सभी सचिवों का एक-एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही संबंधित सचिवों से लिखित स्पष्टीकरण भी तलब किया है।

बता दें कि ग्राम पंचायतों में केंद्रीय वित्त आयोग व राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत धनराशि व्यय की जानी थी। इसमें जिले के पांच ब्लॉकों के सात सचिवों ने कार्यों में कोई रुचि नहीं ली। जिससे सीएम डैश बोर्ड पर इनकी स्थिति काफी खराब प्रदर्शित हुई। व्यय धनराशि की प्रगति कम पाए जानी वाली ग्राम पंचायतों की 22 जुलाई को वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक हुई थी। इसमें बिलसंडा ब्लॉक के धर्मेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, अमरिया के रामप्रकाश, मानेंद्र सिंह

● केंद्रीय व राज्य वित्त आयोग की योजनाओं में प्रगति धीमी मिलने पर कार्रवाई

गंगवार, ललौरीखेड़ा की तृप्ति मणि त्रिपाठी, बीसलपुर के संतोष कुमार और बरखेड़ा ब्लॉक की रोशनी वर्मा को प्रतिभाग करना था। पूर्व सूचना के बावजूद ये सचिव बैठक में अनुपस्थित रहे, जिससे योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट सीएम डैशबोर्ड पर कमजोर प्रदर्शित हुई।

डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ रोहित भारती ने संबंधित सचिवों का एक-एक दिन का वेतन रोकने और भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराने की चेतावनी दी है। सचिवों को अपनी ग्राम पंचायतों में वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के व्यय को गति देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। आगे लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि बैठक में प्रतिभाग न करने पर सात सचिवों का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस का खेल : मंगलसूत्र चुराने की आरोपी को बनाया शराब तस्कर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: अपराधों को छुपाने में माहिर चर्चित ओयल चौकी इंचार्ज ने सोमवार को एक कारनामा कर दिखाया है। पौराणिक मेंढक मंदिर में मंगलसूत्र नोचने वाली रंगेहाथ पकड़ी गई महिला को पुलिस ओयल चौकी लाई और उसे भगौतीपुर रेलवे लाइन के किनारे आम के बाग से 20 लीटर शराब बरामद दिखाते हुए चौकी इंचार्ज ने खीरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और उसे निजी मुचलके पर जमानत दे दी। पुलिस की बताई गई कहानी अब सवालों के घेरे में आ गई है। चौकी इंचार्ज की कार्रवाई से खीरी पुलिस की जमकर फजीहत हो रही है।

सोमवार को थाना लहरपुर के कस्बा केसरीगंज निवासी सरिता मिश्रा अपने मायके पुलिस चौकी ओयल के मोहल्ला खागी ओयल आई थी। सोमवार सुबह वह अपने परिवार की अन्य महिलाओं के साथ मेंढक मंदिर पूजा-अर्चना करने गई थी। आरोप है कि भारी भीड़ के बीच थाना नीमगांव के गांव मानपुर निवासी गीता ने उसका

मेंढक मंदिर में भीड़ के बीच मौजूद आरोपी महिला और चौकी इंचार्ज पटेल राठी।

मंगलसूत्र तोड़ लिया। सरिता के शोर मचाने पर मंदिर के वालंटियर बंटी कसेरा निवासी मोहल्ला कोतवाली ओयल की मदद से भीड़ ने आरोपी महिला को मौके पर ही पकड़ लिया और वहां मौजूद चौकी इंचार्ज पटेल राठी को सौंप दिया। आरोपी महिला ने महिला सिपाहियों से भी अभद्रता की। पुलिस उसे पकड़कर चौकी लाई।

पीड़ित महिला ने चौकी जाकर तहरीर देनी चाही तो उसकी तहरीर लेने से इंकार कर दिया। चौकी इंचार्ज ने खेल करते हुए महिला को 2:30 बजे भगौतीपुर रेलवे क्रॉसिंग से 100 मीटर दूर बाग से एक प्लास्टिक की केन में 20 लीटर शराब बरामद कर गिरफ्तार करना दिखाते हुए थाना खीरी में रिपोर्ट दर्ज कराई। मौके से पकड़ी गई महिला का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें भीड़ के बीच घिरी आरोपी गीता देवी महिला सिपाहियों से छुड़ाने की कोशिश करती दिख रही है। वहीं मौके पर चौकी इंचार्ज पटेल राठी मौजूद महिला को चौकी ले चलने की बात कहते देखे जा रहे हैं।

अमेठी में नाबालिग लड़की पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने में दो गिरफ्तार

अमेठी, एजेंसी

जिले में एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने तथा धर्म परिवर्तन और निकाह का दबाव बनाने के आरोप में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता के भाई की तहरीर पर जिले के पीपर लपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने आरोपी हैदर अली और अजीत पाल को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पीपरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक महीने पहले उसकी नाबालिग बहन को गांव के ही हैदर अली ने बहला-फुसलाकर घर से हैदराबाद ले जाकर अपने कमरे पर रखा। तहरीर के अनुसार कुछ दिनों बाद हैदर अली ने नाबालिग के साथ मारपीट कर उस पर धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म भी किया। हैदर अली की गैर मौजूदगी में लड़की किसी तरह वहां से निकलकर एक व्यक्ति के साथ बदहवास हालत में अपने घर पंहुची। इसके बाद पीड़िता ने परिजनों को आप बीती सुनाई। एएसपी ने बताया कि मामले के दोनों आरोपी हैदर अली और अजीत पाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़िता की चिकित्सा जांच व अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पीपरपुर थाने के प्रभारी निरीक्षक रामराज कुशवाहा ने बताया कि लड़की को बहला-फुसलाकर घर से भगाने का काम अजीत पाल ने ही किया था। इस पूरे मामले में पाल ने ही अहम भूमिका निभाई थी।

आईबीसीए में शामिल होने पर 24 देशों की सहमति मिली

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि भारत की अगुवाई में शुरू की गई अंतर्राष्ट्रीय पहल 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने के लिए 24 देश सहमत हो गए हैं।

आईबीसीए वेबसाइट के अनुसार, 12 देश - भारत, आर्मेनिया, भूटान, कंबोडिया, इथियोपिया, इस्वातिनी, गिनी, लाइबेरिया, निकारागुआ, रवांडा, सोमालिया और सूरीनाम - वर्तमान में गठबंधन के सदस्य हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में यादव ने कहा कि भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या 2014 में 46 से बढ़कर वर्तमान में 58 हो गई है।

सीतापुर में 17 चिकित्सकों का इस्तीफा

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचारः सीतापुर में 17 चिकित्सकों के इस्तीफे की बात सामने आई है। इसमें जिला अस्पताल के इमर्जेंसी मेडिकल ऑफीसर का नाम भी शामिल है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि शासन से आई जांच के चलते पहला सीएचसी प्रभारी को हटाकर साण्डा में अटैच किया था। ऐसे में कुछ चिकित्सक अनावश्यक दबाव बना रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि शासन की ओर से मिले निर्देश के बाद हुई उच्च स्तरीय जांच में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहला प्रभारी डॉ. आनंद मित्रा पिछले दिनों हुए

● मुख्य चिकित्सा अधिकारी से नाराजगी की बात आई सामने

निरीक्षण अनुपस्थित मिले, स्वास्थ्य केंद्र पर कई अनियमितताएं पाई गईं। उधर, स्थानांतरण के क्रम में साण्डा से डॉ. सुनील यादव को को महोली भेजा गया। महोली से डॉ. अवनीश कुमार पहला अधीक्षक के रूप में भेजे गए। लहरपुर के डॉ. गोविंद कुमार गुप्ता को महोली भेजा गया। डॉ. पूजा सिंह नैमिषारण्य से लहरपुर स्थानांतरित की गई। लगातार हो रहे स्थानांतरण के क्रम को लेकर चिकित्सकों और कई सीएचसी अधीक्षकों ने विरोध किया। सूत्रों की मानें तो इनकी संख्या 17 के करीब है। इनमें जिला अस्पताल के ईएमओ डॉ. अनुराग वर्मा का त्याग पत्र सम्मिलित है। जिसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. इन्द्र सिंह ने पत्र के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को विभागीय पत्र भी प्रेषित कर दिया है।

सार्वजनिक सूचना

सभी संबंधितों को यह प्रमाणित किया जाता है कि, मेरे मुवक्किल, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, जिसका शाखा कार्यालय बरेली में है, की ओर से, मैं सूचित करता/करती हूँ कि एक ग्राहक, शाहीन बेगम, मकान संख्या 16, किला लीची बाग, सालेह नगर नवदिया, तहसील एवं जिला - बरेली, उत्तर प्रदेश 243502 में स्थित है। उन्होंने 172.24 वर्ग मीटर या 1854 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाली संपत्ति पर ऋण के लिए आवेदन किया है। मकान संख्या 16, किला लीची बाग, सालेह नगर नवदिया, तहसील एवं जिला बरेली, उत्तर प्रदेश 243502 में स्थित।अब, उक्त ग्राहक ने घोषणा की है कि उसके पास उप-पंजीयक कार्यालय सदर बरेली में बुक संख्या 1, खंड संख्या 22, पृष्ठ 39-50 क्रमांक 956 पर दिनांक 21.02.1991 का कोई पंजीकृत विक्रय विलेख नहीं है। इसकी सूचना 28-07-2025 को ई-थाना पर दर्ज की गई थी। यदि किसी भी संबंधित पक्ष, बैंक, वित्तीय संस्थान या व्यक्ति को उत्कर्ष लघु वित्त बैंक के पास उक्त संपत्ति के प्रस्तावित बंधक से संबंधित कोई दावा या आपत्ति है, तो वह कृपया इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों (सामान्य कार्य अवधि में) के भीतर नीचे दिए गए पते पर मुझसे संपर्क कर सकता/सकती है। अन्यथा, बाद में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और उत्कर्ष लघु वित्त बैंक, प्रस्तावित ग्राहक को ऋण वितरित करेगा। **दिनांक 28/07/2025 अमिताभ भंज अधिवक्ता, चैंबर संख्या 11, बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट बरेली। 243001 मो0 9319908378**

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 06 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:– **कार्यों का विवरणः 1.** भोजीपुरा–कासगंज खण्ड में TBR (121.300 Tkm) हेतु सिगनलिंग कार्य तथा इज्जतनगर मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं समपार फाटकों पर स्थापित सिगनलिंग उपकरणों की पॉवर सप्लाई की विश्वसनियता में सुधार। **अनुमानित लागत(₹):** ₹2,38,45,235.64; **बयाना राशि(₹):** ₹2,69,200/-; **कार्य समापन अवधिः** 9 माह; **कार्यों का विवरणः 2.** इज्जतनगर मंडल में आर.डी.एस.ओ. द्वारा जारी TAN 3006 Ver. 3.1 के आधार पर सिगनलिंग एवं दूरसंचार उपकरणों की अर्थिंग, बॉण्डिंग, सर्ज एवं लाइटनिंग प्रोटेक्शन सिस्टम की विश्वसनियता में सुधार। **अनुमानित लागत(₹):** ₹2,33,12,605.50; **बयाना राशि(₹):** ₹2,66,600/-; **कार्य समापन अवधिः** 6 माह; **कार्यों का विवरणः 3.** इज्जतनगर मंडल में मथुरा जं.–कासगंज खण्ड में स्टेण्डबाई मास्टर टेलीफोन, ओ.एफ.सी. मीडिया इन्टरफेस का उन्नयन तथा विभिन्न स्टेशनों पर पोटा हट के स्थान पर सिगनल एवं दूरसंचार सर्विस बिल्डिंग का प्रावधान और विभिन्न ब्लॉक खण्डों में कंट्रोल, इमरजेन्सी एवं समपार फाटक कम्युनिकेशन की विश्वसनियता में सुधार। **अनुमानित लागत(₹):** ₹4,82,04,485.02; **बयाना राशि(₹):** ₹3,91,000/-; **कार्य समापन अवधिः** 9 माह; **ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनांक 19.08.2025 को 11:00 बजे। • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।

वरि. मंडल सिगनल व दूर संचार इंजीनियर, मुजाधि/सिग्नल–35 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com, शाखाः प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली–243001

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम – शान्तनु प्रताप सिंह–9918837339, सीआरएम–दीपक कुमार शर्मा – 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चो, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000001559 श्री मयंक अग्रवाल और श्रीमती मंजुला अग्रवाल, दोनों: ई–69 बीडीए कॉलोनी, गंगा शील अस्पताल, सेमीअर्बन बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत –243122	28-04-2025 / 28-07-2025 सांकेतिक	₹ 2245778 दिनांक 09-04-2025 तक + ब्याज इत्यादि	खेत सं. 728 मी का हिस्सा, प्लॉट सं. बी–07, बी–08, गांव– बिथरी चौनपुर, तहसील और जिला बरेली, 243123, क्षेत्रफल 250.83 वर्ग मी., सीमाएं: पूर्व– प्लॉट बी 9, पश्चिम– रास्ता 40 फीट चौड़ा, उत्तर– रास्ता 30 फीट चौड़ा, दक्षिण– प्लॉट बी 5, बी 6

दिनांक : 29-07-2025, स्थान : बरेली — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

प्रतिक्रिया

पुरानी घटनाओं से भी सबक नहीं ले पा रही है व्यवस्था, कहीं मजबूरी तो लापरवाही, विशेषज्ञों की राय अलग-अलग

एसओपी को अमल न ला पाना बन रही भगदड़ की वजह

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचारः हाथरस भगदड़ कांड के बाद जारी एसओपी पर अमल न हो पाना भी इन दिनों सामने आयीं भगदड़ की घटनाओं की बड़ी वजह मानी जा रही है। दरअसल, न तो पुरानी घटनाओं से स्थानीय व्यवस्था सबक ले रही है और न ही आस्थावान भक्तजन संयम बरत रहे हैं। कहीं मजबूरी तो कहीं लापरवाही ऐसी घटनाओं की वजह बन रही है। हालांकि, इस विषय पर विशेषज्ञों की राय अलग-अलग है।

दरअसल, मंदिरों में उमड़ रहे आस्था के जनसैलाब के बीच मच रही भगदड़ चिंताजनक है। जरा-सी लापरवाही, कोई अफवाह या हड़बड़ी के चलते भगदड़ जैसी दुर्घटना होने की घटनाएं सामने आ रहीं हैं। ऐसी भगदड़ में लोगों की जानें भी जा रहीं

हैं। हाल ही में हरिद्वार के मनसा मंदिर में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई। हरिद्वार के बाद बाराबंकी और लखीमपुर के छोटी काशी मंदिर में भी भगदड़ मची। दरअसल, आस्थावान भीड़ के बीच भगदड़ और मौत होने की घटनाएं पहले भी होती रहीं हैं।

साल भर पहले हाथरस में स्वयंभू बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई थी। उस वक्त ऐसा बबंडर उठा कि

"भीड़ प्रबंधन की एसओपी होते हुए भगदड़ की घटनाएं होना स्थानीय व्यवस्था की चूक है। साफ दिखता है कि बिजली की सजावट हो या अन्य जनोपयोगी सुविधाएं, किसी विशेषज्ञ की देखरेख में दूरगामी परिणामों के मद्देनजर नहीं की जातीं। **– अरूण गुप्ता**, रिटा. आईपीएस

"धार्मिक आयोजनों अथवा मंदिरों में किसी खास अवसर पर जाने वालों को भी संयम बरतना होगा। रूढ़ीवादी मानसिकता के साथ अपनी व अपने परिजनों की जान खतरे में डालना उचित नहीं। इष्टदेव के प्रति कभी भी आस्था प्रकट की जा सकती है। **– डॉ. माननी श्रीवास्तव**, मनोविज्ञान

"ऐसी घटनाओं के पीछे हम इसे लोकल इंटिलिजेंस का फेल्योर भी कह सकते हैं। प्रसिद्ध मंदिरों या धार्मिक स्थलों पर कब किस अवसर पर भीड़ उमड़ती है, यह जगजाहिर है। स्थानीय प्रशासन का काम ही भीड़ का पूर्वनुमान लगाना और उसके मद्देनजर व्यवस्थाएं करनी होतीं हैं। **– शैलेन्द्र नाथ टंडन**, रिटा. जज

"पहले स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार ऐसे मौकों पर ब्रीफिंग करते थे, बकायदा ट्रेनिंग होती थी। इसमें व्यवस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल होते थे। यानि पीडब्ल्यूडी, विद्युत, सिविल डिफेंस आदि। अब ऐसा क्यों नहीं हो रहा? **– नितिन रमेश गोकर्ण**, रिटा. आईएएस

● रिटायर आईएएस, आईपीएस व बुद्धिजीवियों की प्रतिक्रिया

पूरा देश हिल गया था। 2 जुलाई, 2024 को हुई इस दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित 121 से ज्यादा लोगों ने जान गंवाई।

इसी घटना के बाद शासन की ओर से भीड़ प्रबंधन और भगदड़ से बचाव के लिए एसओपी जारी की गई थी। एसओपी के तहत यूपी में जिला, रेंज और जोन स्तर पर अलग-अलग इंटिग्रेटेड सिस्टम बनाया जाना था। डीएम, सीएमओ, सिविल डिफेंस, फायर बिग्रेड और स्थानीय पुलिस के साथ स्वयं सेवी संगठनों के स्तर पर नियमित रूप से इंटिग्रेटेड सिस्टम को अपडेट किया जाना था। आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों को पूर्वाभ्यास कराए जाने के भी निर्देश थे।

यहां तक कि स्थानीय मैजिस्ट्रेट और जिम्मेदार अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किए जाने और संभावित खतरों (आग, बिजली, सड़क दुर्घटना और श्वास अवरोधक) के आकलन के आधार पर आपातकालीन योजना भी तैयार किए जाने की बात थी।

खासकर कार्यक्रम की पूरी जानकारी और वहां आने वालों की अनुमानित संख्या की जानकारी जुटाई जाने के साथ सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए जरूरी पुलिस, पीएसी, केंद्रीय बल, अधिकारियों और संसाधनों का मांग पत्र तैयार किए जाने के इनपुट एसओपी में थे। जाए। मजबूत बैरिकेडिंग, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, ऑपरेशनल कंट्रोल रूम को भी इसका हिस्सा बनाया जाना था।

नेशनल ब्रीफ

हादसे में छह कांवड़ियों की मौत, 24 घायल

रांची/देवघर। झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए। कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया चौक पर हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए।

कर्नाटक: काम के घंटे बढ़ाने का प्रस्ताव वापस

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने आईटी और आईटीईएस क्षेत्र में दैनिक कामकाज के घंटे बढ़ाने का प्रस्ताव वापस लेने का फैसला किया है। कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के श्रम मंत्री संतोष लाड के कार्यालय ने भी पुष्टि की है कि कर्मचारियों के कामकाज के घंटे न बढ़ाने का फैसला किया गया है। कर्मचारी संगठन ने कहा कि राज्य के अतिरिक्त श्रम आयुक्त जी. मंजूनाथ ने बताया कि कर्नाटक दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

बिहार : अब ट्रैक्टर के वास्ते मांगा प्रमाण पत्र

मोतिहारी। बिहार में न केवल कुत्ता, बल्कि एक ट्रैक्टर भी आवास प्रमाण पत्र के लिए होड़ में लगा हुआ है। ग्रामीण पटना के बहुचर्चित 'कुत्ता बाबू' प्रकरण के बाद अब पूर्वी चंपारण जिले में सोनालिका ट्रैक्टर के नाम से एक आवेदन दिया गया है, जिसमें 'स्वराज ट्रैक्टर' और 'कार देवी' का वंशज होने का दावा किया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया 17 जुलाई के ऑनलाइन आवेदन पर विचार नहीं किया गया और ऐसा करने वाले शरारती तत्व की तलाश शुरू कर दी गई है, जिसने आवेदन के साथ प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री की तस्वीर भी चिपका दी थी।

कर्मचारी क्षतिपूर्ति एक्ट में अस्पष्टता दूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के एक प्रावधान में इस्तेमाल "नौकरी के दौरान और उसके कारण हुई दुर्घटना" वाक्यांश में निवास स्थान और कार्यस्थल के बीच आने-जाने के दौरान होने वाले हादसे भी शामिल होंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि बात जब काम पर जाते समय या घर लौटते वक्त कर्मचारियों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं की आती है तो अधिनियम की धारा-3 में इस्तेमाल इस वाक्यांश को लेकर काफी अस्पष्टता है।

पहलगाम में 26 निर्दोषों की हत्या करने वाले आतंकी कर दिए ढेर

शाह ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान दी जानकारी

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी।

शाह ने कहा, कल ऑपरेशन महादेव में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी...सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। कहा, जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए।

गृह मंत्री ने कहा, 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था। वह शाम 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे और 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं।

उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। इस दौरान सपा के नेता अखिलेश यादव कुछ सवाल उठाते देखे गए। शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुशी की लहर दौड़ जाएगी, लेकिन इनके चेहरे तो फीके पड़ गए।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देते गृहमंत्री अमित शाह। ● एजेंसी

राज्यसभा में नड्डा ने खरगे से माफी मांगी

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस सदस्यों ने भारी हंगामा किया जब सदन के नेता जेपी नड्डा ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में एक आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि नड्डा ने बाद में अपने शब्द वापस ले लिए और खरगे से माफी मांगी। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सदन में खरगे ने अपना लंबा भाषण दिया। बाद में नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कुछ ऐसी बातें की हैं, जो अनुकूल नहीं है।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला: राहुल

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया, जबकि सबको पता है कि पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ है। प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

शाह को पहलगाम में सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पहलगाम आतंकी हमले की वजह बनी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पहलगाम हमले के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और 'जो जिम्मेदार हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। खरगे पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में विशेष चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

बाघ दिवस

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बाघों के संरक्षण का महत्व बताने के लिए देश भर में विभिन्न कार्यक्रम हुए। कोलकाता में बाघ संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक स्कूल के बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया। एजेंसी

दिल्ली दंगे के आरोपी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शहर में 2020 के सांप्रदायिक दंगों के पीछे साजिश के मामले में एक आरोपी को 15 दिन की अंतरिम जमानत दी है।

अदालत ने आरोपी की बेटी की बीमारी और उसके बेटे की स्कूल फीस जमा करने के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया। हालांकि, अदालत ने यह शर्त भी लगाई है कि आरोपी सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं करेगा और न ही मीडिया से संपर्क करेगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने आरोपी तस्लीम अहमद की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

नेशनल हेराल्ड केस: कोर्ट ने टाला ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में ईडी द्वारा दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लेने को लेकर अपना आदेश मंगलवार को टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, अदालत को मामले की फाइल का और निरीक्षण करने की जरूरत है। जांच अधिकारी को 7 और 8 अगस्त को फाइल के साथ पेश होने दीजिए।

इससे पहले, 15 जुलाई को अदालत ने संज्ञान के पहलू पर दलीलें पूरी होने का उल्लेख करते हुए आदेश 29 जुलाई के लिए सुरक्षित रख लिया था। अदालत दो जुलाई से संज्ञान के बिंदु पर ईडी और आरोपियों की दलीलें दैनिक आधार पर सुन रही थी। ईडी ने सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा एवं ऑस्कर फर्नांडीस के साथ-साथ सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' पर आरोप लगाया है कि इन्होंने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार प्रकाशित करने वाली कंपनी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के धोखे से अधिग्रहण के लिए साजिश की और धनशोधन किया है।

निदेशालय का आरोप है कि गांधी परिवार के पास 'यंग इंडियन' के 76 प्रतिशत शेयर थे और इस कंपनी ने 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले एजेएल की संपत्ति को धोखे से हड़प लिया।

● हाईकोर्ट ने कहा- फाइल का और निरीक्षण करने की है जरूरत

आरोप पत्र में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी, पित्रोदा, दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डॉटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड के नाम हैं।

नीट: छात्रों के समय बर्बादी के समाधान को समिति बनाए एनटीए

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को निर्देश दिया है कि वह उन परीक्षार्थियों के वास्ते एक स्थाई शिकायत निवारण समिति का गठन करे, जिनका नीट के दौरान तकनीकी समस्याओं के कारण समय खराब होता है जबकि असल में उनकी कोई गलती नहीं होती है। कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक अदालतों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे हर उस अभ्यर्थी का सीसीटीवी फुटेज देखें, जिसे बिना किसी गलती ऐसा नुकसान हुआ हो। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा कि ऐसे मामलों की जांच पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति महाजन ने स्थायी समिति को जांच के लिए अधिक उपयुक्त फार्मूला तैयार करने की छूट दी।

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

नासा-इसरो के महत्वाकांक्षी निसार मिशन के लिए उलटी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। इसरो के सूत्रों के मुताबिक उसका जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (जीएसएलवी) बुधवार शाम 5:40 बजे नासा-इसरो 'सिंथेटिक एपरचर रडार' (निसार) उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजेगा।

आज शाम 5:40 बजे सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजा जाएगा

इस मिशन की योजना अमेरिका और भारत की अंतरिक्ष एजेंसियों ने करीब दस साल पहले मिलकर बनाई थी। इस साल फरवरी में वाशिंगटन में ट्रंप से प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बाद इस मिशन को और तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। यह मिशन सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में जाने वाला जीएसएलवी रॉकेट का पहला मिशन है। यह श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 102वां प्रक्षेपण होगा। इसरो ने कहा, जीएसएलवी-एफ16/ निसार के प्रक्षेपण होने में एक दिन बाकी है। जीएसएलवी-एफ16, निसार को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार है। प्रक्षेपण की उलटी गिनती आज अपराह्न 2.10 बजे शुरू हो गई है।

तीव्र गश्ती पोत अटल का जलावतरण

नई दिल्ली। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक के लिए बनाए जा रहे आठ अत्याधुनिक स्वदेशी डिजाइन वाले 'फास्ट पेट्रोल वेसल' की श्रृंखला में छठा पोत 'अटल' का मंगलवार को जलावतरण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये उच्च गति वाली नौकाएं तटीय गश्त, द्वीप सुरक्षा मिशन और अपतटीय परिसंपत्ति संरक्षण के लिए सुसज्जित हैं, जिससे भारत की समुद्री क्षेत्र निगरानी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि यह पोत तस्करी-रोधी, समुद्री डकैती-रोधी और खोज एवं बचाव अभियान भी चलाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह समारोह गोवा के वास्को डी गामा में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि भारत की स्वदेशी समुद्री शक्ति और जहाज निर्माण में 'आत्मनिर्भरता' को मजबूत करते हुए, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने आईसीजी के लिए फास्ट पेट्रोल वेसल 'अटल' (यार्ड 1275) का जलावतरण किया गया।

● भारत की समुद्री क्षेत्र निगरानी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा में होगी वृद्धि

पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम पर केंद्र और बीसीआई से जवाब-तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

● पाठ्यक्रम की समीक्षा का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) से मंगलवार को उस जनहित याचिका पर जवाब तलब किया, जिसमें पांच वर्षीय एलएलबी और एलएलएम कोर्स के पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और अवधि की समीक्षा के लिए एक कानूनी शिक्षा आयोग गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार, यूजीसी, बीसीआई और भारतीय विधि आयोग को नौ सितंबर तक का समय दिया। शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि इस मुद्दे पर सभी लंबित मामलों को नौ सितंबर को एक साथ सूचीबद्ध किया जाए। अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर जनहित याचिका में शीर्ष अदालत से केंद्र को एलएलबी और एलएलएम कोर्स के पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और अवधि की समीक्षा करने और कानूनी पेशे में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए उचित कदम उठाने के वास्ते एक कानूनी शिक्षा आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

याचिका में कहा गया है, नई शिक्षा नीति 2020 सभी व्यावसायिक और शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में चार वर्षीय स्नातक कोर्स को बढ़ावा देती है, लेकिन बीसीआई ने मौजूदा एलएलबी और एलएलएम कोर्स के पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और अवधि की समीक्षा के लिए उचित कदम नहीं उठाए हैं। इसमें कहा गया है कि छात्रों को होने वाला नुकसान बहुत बड़ा है, क्योंकि बीए-एलएलबी और बीबीए-एलएलबी कोर्स की पांच साल की अवधि पाठ्यक्रम सामग्री के अनुपात से अधिक है।

याचिका में कहा गया है, लंबी अवधि के कारण मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अत्यधिक वित्तीय बोझ पड़ता है और वे इसे वहन करने में असमर्थ होते हैं। एक छात्र को अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमाने वाला बनने में दो साल और लग जाते हैं। कहा गया है, आईआईटी के माध्यम से बीटेक की डिग्री लेने में चार साल की अवधि लगती है और वह भी इंजीनियरिंग के एक विशिष्ट क्षेत्र में, जबकि एनएलयू और विभिन्न अन्य संबद्ध कॉलेजों के माध्यम से बीए-एलएलबी या बीबी-एलएलबी करने में छात्र के बहुमूल्य जीवन के पांच साल लग जाते हैं, जबकि कला/वाणिज्य, जो एक असंबंधित और अनावश्यक धारा है, का ज्ञान प्रदान किया जाता है। इसलिए, मौजूदा पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की विशेषज्ञों से समीक्षा कराई जानी चाहिए।

अब्दुल्ला आजम से जुड़े मामलों की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें रामपुर की सांसद-विधायक अदालत को सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े दो मामलों में सुनवाई आगे बढ़ाने को कहा गया था। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अब्दुल्ला की एक अपील पर उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया। हाईकोर्ट ने 23 जुलाई को अब्दुल्ला आजम की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई को चुनौती दी थी। पहला मामला अब्दुल्ला के कथित फर्जी पासपोर्ट और दूसरा मामला उनके दो पैन कार्ड प्राप्त करने से संबंधित है। हाईकोर्ट ने कहा, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, मेरे विचार से यह आवेदन खारिज किए जाने योग्य है। अब्दुल्ला ने दोनों मामलों में हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं और रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मुकदमों की आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया।

रिश्वत में गिरफ्तार पीडब्ल्यूडी इंजीनियर से सीबीआई ने जब्त किया 1.5 करोड़ रुपये कैश

नई दिल्ली। सीबीआई ने यहां पीडब्ल्यूडी के एक कार्यकारी अभियंता से 1.60 करोड़ रुपये जब्त किए हैं, जिसे 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि राउज एवेन्यू जिला न्यायालय परिसर में न्यायिक सिविल डिवीजन-2 में तैनात कार्यकारी अभियंता कालू राम मीणा ने एक ठेकेदार से तीन प्रतिशत रिश्वत की मांग की थी। मीणा को सोमवार को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह मामले में शिकायतकर्ता ठेकेदार से 30,000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, दिल्ली और जयपुर में छापेमारी की गई, जिसमें 1.60 करोड़ रुपये नकद, संपत्ति के दस्तावेज मिले और पर्याप्त शेष राशि वाले बैंक खातों का पता चला।

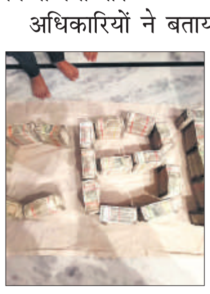

मालेगांव बम विस्फोट : 17 साल बाद एनआईए की विशेष अदालत कल सुनाएगी अपना फैसला

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में हुए एक घातक विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत 17 साल बाद आखिरकार 31 जुलाई को अपना फैसला सुनाएगी। नासिक जिले के मुस्लिम बहुल शहर में यह विस्फोट रमजान के महीने में नवरात्रि की पूर्व संध्या पर 29 सितंबर 2008 को हुआ था। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 घायल हुए थे।

अदालत ने 19 अप्रैल को अपना आदेश सुरक्षित रखा था। शुरुआत में सातों आरोपियों को फैसले के लिए 8 मई को पेश होने का निर्देश दिया गया था लेकिन बाद में फैसला 31 जुलाई के लिए पुनर्निर्धारित कर दिया गया। इस केस की प्रारंभिक जांच महाराष्ट्र एटीएस के विशेष महानिरीक्षक हेमंत करकरे कर रहे थे, जो 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के दौरान शहीद हो गए थे। एटीएस ने इस मामले में 2009 में अपना आरोपपत्र दायर किया। यह मामला 2011 में एनआईए को स्थानांतरित कर दिया गया, जिसने 2016 में एक पूरक आरोपपत्र पेश किया।

हालांकि एनआईए एटीएस के निष्कर्षों से काफी हद तक सहमत थी, लेकिन कुछ पहलुओं पर उसके विचार अलग थे, विशेष रूप से मकोका के तहत कड़े आरोपों को हटाने की सिफारिश, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। मुंबई की विशेष अदालत में चले इस मुकदमे में 30 अक्टूबर 2018 को तय किए गए आरोपों के साथ प्रगति हुई थी।

● वर्ष 2008 में हुए धमाकों में मारे गए थे छह लोग, सौ हुए थे घायल

पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर, रिटायर्ड खुफिया अधिकारी कर्नल पुरोहित समेत सात आरोपी

आरोपियों में पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, सेवानिवृत्त सैन्य खुफिया अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल हैं। अभियोजन पक्ष ने लंबी सुनवाई के दौरान कुल 323 गवाह पेश किए। हालांकि, 34 गवाहों मुकर गए थे। साक्ष्यों की सुनवाई सितंबर 2023 में समाप्त हुई। सातों आरोपियों पर गैरकानूनी यूएपीए की आतंकवादी कृत्य करने की धारा 16 और इसकी साजिश रचने की धारा 18 शामिल हैं, इसके अलावा आईपीसी की आपराधिक साजिस की धारा 120 बी, हत्या की 302, हत्या के प्रयास की 307, चोट पहुंचाने की 324 और धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने की धारा 153 ए के तहत मुकदमा चलाया गया।

आंकड़े राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम ने बताई स्थिति

देश भर में मानवाधिकार के 34,000 मामले लंबित

हैदराबाद, एजेंसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम ने मंगलवार को जानकारी दी कि आयोग के पास वर्तमान में देश भर से 34,685 मामले लंबित हैं। उन्होंने आयोग के दो दिवसीय विशेष शिविर के बाद बताया कि पुलिस हिरासत में मौत से संबंधित 285 मामले और न्यायिक हिरासत में मौत से संबंधित 2,532 मामले लंबित हैं।

आयोग द्वारा 1993 में जारी निर्देशानुसार, अगर किसी व्यक्ति की थाने या जेल में मौत होती है तो अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर आयोग को अनिवार्य रूप से एक रिपोर्ट भेजनी होगी। उन्होंने बताया कि 99.99 प्रतिशत मामलों में आयोग को रिपोर्ट प्राप्त होती है और वह तुरंत सभी संबंधित रिपोर्टें तलब करता है। न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने बताया कि आयोग द्वारा स्वतः संज्ञान लिए गए मामलों की संख्या बढ़ रही है और 2024 में आयोग ने लगभग 105 मामलों पर संज्ञान लिया।

उन्होंने बताया, वास्तव में, स्वतः संज्ञान से दर्ज मामलों की संख्या बढ़ रही है। 2021 में, स्वतः संज्ञान से दर्ज मामलों की संख्या केवल 17 थी, जो 2022 में 60, 2023 में 117, 2024 में 105 और 2025 में यह संख्या 50 को पार कर चुकी है। मानव स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 130वें स्थान पर है। क्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग संबंधित मुद्दों पर सरकारों के साथ बातचीत करता है, न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने बताया कि आयोग सरकारों के साथ चर्चा करता है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सूचकांक अजीबोगरीब

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार सूचकांकों के संबंध में 'अजीब बात' है। आयोग के अध्यक्ष ने किसी देश का नाम लिए बिना बताया कि एक देश मानवाधिकारों के मामले में उच्च स्थान पर हैं लेकिन वह प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में बहुत नीचे है। उन्होंने बताया, "जहां तक मानवाधिकार सूचकांक का सवाल है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बहुत ही अजीब बात है। एक खास देश है, जिसका मैं नाम नहीं ले सकता। उस देश का मानवाधिकार सूचकांक बहुत ऊंचा है लेकिन प्रेस की स्वतंत्रता के सूचकांक के मामले में यह बहुत नीचे है। ये सूचकांक बहुत ही अजीब तरीके से काम करते हैं।

राजा रघुवंशी के हत्या कांड पर फिल्म बनेगी

इंदौर। मेघालय में हनीमून के दौरान जान से मार डाले गए इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के परिवार ने मंगलवार को घोषणा की कि इस बहुचर्चित वारदात पर फिल्म बनाने के लिए उसने सहमति दे दी है।

राजा के भाई सचिन ने बताया, हमारे परिवार ने हत्याकांड पर फिल्म बनाने के लिए सहमति दे दी है। बड़े परदे पर कहानी आने से लोगों को पता चलेगा कि कौन सही था और कौन गलत। फिल्म का नाम 'हनीमून इन शिलॉन्ग' प्रस्तावित है। निर्देशक एसपी निम्बावत ने कहा, राजा को शादी के बाद बहुत बड़ा विश्वासघात झेलना पड़ा था। हम फिल्म के जरिए संदेश देना चाहते हैं कि ऐसी घटनाओं पर रोक लगनी चाहिए।

"अपने आप पर विश्वास रखें, महान विश्वास महान कार्यों की जननी हैं।"

सिंदूर पर राजनीति

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादियों को भेजने वालों को मार गिराया और ऑपरेशन महादेव ने पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछकर हमला करने वालों को ढेर कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में दूसरे दिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए देश को जब यह जानकारी दी तो निश्चित रूप से पहलगाम हमले में अपना सिंदूर गंवाने वाली महिलाओं और पीड़ित परिजनों के कलेजे में जल रही प्रतिशोध की आग को ठंडक पहुंची होगी। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि हमारी सेना ने लश्कर ए तैयबा के कमांडर हाशिम मूसा, हमजा अफगानी और जिब्रान को देश से भागने नहीं दिया। सेंसर के जरिए तीनों आतंकियों का पता लगाया गया। मुठभेड़ में मार गिराने के बाद बैसरन घाटी हमले में संलिप्तता की पुष्टि के लिए इनके हथियारों और कारतूसों का मिलान भी कराया जा चुका है। शाह के इस बयान के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में बोलते हुए एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने दुनिया को संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है, तो इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए। इसी के साथ रक्षा मंत्री ने यह कहकर विपक्ष के सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया कि 'भारत माता की मांग में शौर्य का सिंदूर है, उस पर राजनीति की धूल मत डालिए।' राजनाथ यहीं नहीं रुके पीओके लेने की मांग करने वाले विपक्षी नेताओं को उन्होंने यह कहकर एक तरह से निरुत्तर कर दिया कि 'विपक्ष में जो लोग आज बैठे हैं, जब इनकी सरकार थी, तो इन्होंने जो काम किया, वह आज की मांग के ठीक विपरीत है।' इसे लेकर उन्होंने पूर्वांचल की 'बाप मरा अंधियारे मा, बेटवा क नाम पावर हाउस' कहावत सुनाकर अपनी सरकार का मतन्वय भी साफ किया कि देश की जनता के आशीर्वाद और ईश्वर की इच्छा से वह दिन दूर नहीं, जब पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों की भी घर वापसी होगी।

अब संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर राजनीतिक हित और दावे तथा दलीलें कुछ भी होती रहें, लेकिन आतंकी अड्डे ध्वस्त किए जाने, पहलगाम हमले के गुनहगार आतंकी मारे जाने, सरकार की पीओके लेने की नीति से पीछे नहीं हटने और अमेरिकी राष्ट्रपति के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीज फायर कराने के दावों की सच्चाई उजागर करके सरकार ने पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद देश में विपक्ष के भ्रम फैलाने के प्रयासों को निशाने पर लेते हुए जिस तरह तस्वीर साफ की है, उसके बाद इसमें दो राय नहीं कि भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उन्हें तबाह किया और पहलगाम के आतंकियों को मौत के घाट उतारा, वह सब अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय के रूप में जुड़ चुका है।

प्रसंगवश

बंद होते स्कूल और सिसकता भविष्य

शिक्षा मानव विकास की धूरी है, सभ्य समाज की रीढ़ है और नौनिहालों का भविष्य है। जहां इन बालकों के भविष्य को एक नई दिशा मिलती है। इसीलिए आजादी से आज तक हमारी सरकारों के द्वारा देश के हर कोने तक सरकारी विद्यालयों का जाल बिछाया गया और इसी के साथ साथ निजी विद्यालय भी स्थापित किए गए। सरकारों के तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वांछित गुणवत्ता प्राप्त नहीं की जा सकी, स्थिति यहां तक पहुंच गई कि अब गरीब से गरीब परिवार भी अपने बच्चों को सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाना पसंद नहीं करता। परिणाम स्वरूप इन विद्यालयों में छात्र संख्या कम होती चली गई। आज हालात यहां तक पहुंच गए कि प्रदेश सरकार द्वारा कम छात्र संख्या के चलते पांच हज़ार सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। अब कमी चाहें जहां पर भी हो, किसी की भी हो, किंतु जहां हम इन विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की बात करते थे, शिक्षा के विस्तार की बात करते थे। अब इसके विपरीत हमें अपने विद्यालय बंद करने पड़ रहें हैं। जब कोई सरकार सरकारी विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लेती है, तो इससे भविष्य की संभावनाओं पर विराम लग जाता है। और बच्चों के शैक्षिक रूप से आगे बढ़ने के अधिकांश रास्ते बंद हो जाते हैं।

डॉ मनोज कुमार मिश्रा
शाहजहांपुर

> अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने बाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे।

आजादी के आठ दशक के करीब पहुंच कर भी स्कूलों की खस्ताहाल स्थिति, शिक्षा का गिरता स्तर व शिक्षकों की कमी और निजी स्कूलों की ओर समाज का झुकाव हमारी राजनीतिक व सामाजिक विफलता है। हम आज भी कहीं न कहीं लार्ड मैकाले की शिक्षा से प्रभावित हैं। जिन्होंने विद्यालयों में अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा पर जोर दिया था। आज का अभिभावक अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूल में अथवा निजी विद्यालयों मे पढ़ाने पर गर्व की अनुभूति महसूस करता है। हम अभिभावको की इस मानसिकता को समझ नहीं सके, और प्राथमिक शिक्षा को उसकी बराबरी तक नहीं ला सके। अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने बाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे। शिक्षा के संपूर्ण निजीकरण से शिक्षा केवल एक स्कूल रूपी दुकान पर बिकने बाला उत्पाद बनकर रह जाएगी, जिसे केवल अमीर ही खरीद पाएगा। आज आवश्यकता है कि हम शिक्षा जैसे राष्ट्रीय मुद्दे पर धर्म जाति से ऊपर उठकर बात करें जो सचमुच हमारे जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता हैं। प्रश्न यह है कि सरकार को स्कूल क्यों बंद करने पड़ रह हैं? क्या इसका कोई दूसरा इलाज नहीं है? स्कूलों का बंद होना हमारी राजनीतिक और सामाजिक असफलता का प्रतीक है। विकास केवल सड़क, बिजली और शहरीकरण तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा के बिना विकास की बात करना बेमानी होगा। जब तक शिक्षा जन जन तक नहीं पहुंचेगी, तब तक कोई भी राष्ट्र उन्नत राष्ट्र नहीं बन सकता। आज तक शिक्षा को लेकर जितनी भी नीतियां बनी हैं वह हमारी सामूहिक उदासीनता के चलते सफल नहीं हो सकी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि इन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वर्तमान स्थिति के लिए हम सब सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, चाहें वो शैक्षिक नीतियां हों, सामाजिक उदासीनता हो, कार्यरत अध्यापक के उत्तरदायित्व में कमी हो,अभिभावकों की उदासीनता हो, संसाधनों का अभाव हो,या अन्य कोई कारण हो। हमें इन कारणों का समाधान खोजना होगा। अगर हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां हमे माफ नहीं करेंगी।

सभी भाषाओं को पढ़कर आगे बढ़ेगा भारत

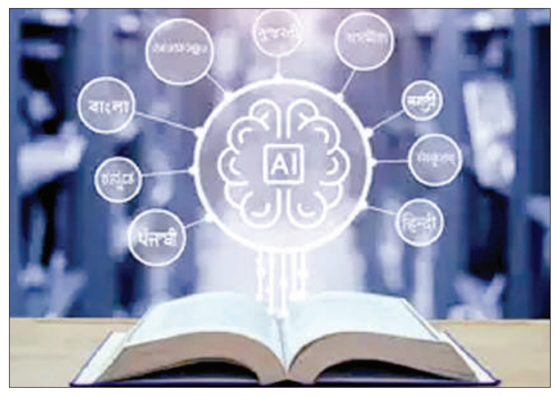

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद को लेकर हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछा तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अब एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धाराप्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच में हो रहे संवाद को सुनकर कोई कह नहीं सकता था कि इन दोनों की मातृभाषा पंजाबी नहीं है। बांग्ला भाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। इन दोनों ने पंजाबी लिखना और बोलना अपने राजधानी के दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

> अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं, लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है। इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, इतिहास, और पहचान का प्रतीक भी है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की एक अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता को दर्शाती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। सरदार बलवीर सिंह विवेक विहार कहते हैं कि आजकल महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध हो रहा है। ये दुखद है। वे इस बाबत महाराष्ट्र के संत नामदेव का उदाहरण देते हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र से थे। उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक पंजाब में व्यतीत किए। उनके अनेक दोहे श्रीगुरुग्रंथ साहिब में हैं। संत नामदेव के नाम पर एक मंदिर भीष्म पितामह मार्ग है। इसे संत नामदेव ट्रस्ट चलाता है। नामदेव ने मराठी के साथ ही साथ हिन्दी में भी रचनाएं लिखीं। आज भी इनके रचित गीत पूरे महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियणा और पंजाब समेत सारे देश में भक्ति और प्रेम के साथ गाए जाते हैं। संत नामदेव जी का जन्म सन 1270 में महाराष्ट्र के जिला सतारा में हुआ। उनके जीवन के साथ अनेक अलौकिक घटनाएं जुड़ी हुई हैं परंतु उन्होंने कभी भी करामाती होने का दावा नहीं किया।

प्रख्यात शिक्षा विद सरिता सक्सेना कहती हैं कि यदि स्कूलों में बच्चों को विभिन्न प्रांतों की भाषाएं पढ़ाई जाएं, तो यह न केवल उनकी भाषाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें अन्य क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, और जीवनशैली को समझने का अवसर भी देगा। उदाहरण के तौर पर, एक बांग्ला भाषी बच्चा जो पंजाबी सीखता है, वह न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति, और वहां के लोकनृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, एक हिंदी भाषी बच्चा जो असमिया सीखता है, वह असम की चाय बागानों, बिहू नृत्य, और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित होगा। यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी, जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है।

सरिता सक्सेना का कहना हैं कि जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिंदी पढ़ाने से न केवल उन्हें एक नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति और साहित्य से जोड़ेगा। हिंदी जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिंदी सीखेंगे, तो वे हिंदी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास, और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत एक तेजी से वैश्विक होने वाला देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

आमने सामने

ऑपरेशन महादेव पर भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा, "यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। हमारा ऑपरेशन सिंदूर जारी है। पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड मारा गया है। हम ऐसे आतंकियों को मारते रहेंगे। हम पहले ही कह चुके हैं कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जो भी कहा, वह बिल्कुल सही है।"

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "आज इस सदन में बैठे ज्यादातर लोगों के पास सुरक्षा कवच है, लेकिन उस दिन पहलगाम में 26 लोगों को उनके परिवारों के सामने मार दिया गया। उस दिन बैसरन घाटी में जितने भी लोग मौजूद थे, उनके पास कोई सुरक्षा नहीं थी। आप चाहे कितने भी ऑपरेशन चला लें, सच्चाई के पीछे नहीं छिप सकते।"

बाघों के संरक्षण में विश्व को दिखाया रास्ता

डॉ.जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि प्रकृति की अद्भुत रचना और भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्राचीन काल से ही इसे शक्ति, साहस और गरिमा का प्रतीक माना गया है। भारतीय संस्कृति में बाघ को 'वनराज' यानी जंगल का राजा कहा जाता है। इसका विशिष्ट स्वरूप और रहस्यमयी स्वभाव इसे धरती के सबसे आकर्षक और प्रभावशाली प्राणियों में शामिल करता है। बाघ की यात्रा उतनी ही पुरानी है जितनी मानव सभ्यता की। इसकी उत्पत्ति से लेकर वर्तमान तक का इतिहास केवल इस प्राणी की कहानी नहीं, बल्कि प्रकृति, मानव और वन्यजीवों के परस्पर संबंध की गाथा भी है। आज जब दुनिया भर में बाघों की संख्या में कमी आई है, भारत ने इस क्षेत्र में अपने प्रयासों से न केवल खुद को विश्व में अग्रणी बनाया है, बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि बाघों का जन्म लगभग 20 से 25 लाख वर्ष पूर्व एशिया में हुआ। यह वह समय था जब पृथ्वी पर जलवायु बेहद कठोर थी और बड़े-बड़े शाकाहारी जीव जैसे मैमथ और जंगली भैंसें प्रमुख रूप से मौजूद थे। बाघों ने अपने शरीर की संरचना, ताकत और शिकार कौशल को इस प्रकार विकसित किया कि वे इन विशाल जीवों का भी आसानी से शिकार कर सकते थे। बाघों का शरीर लचीला, मजबूत और तेज गति से दौड़ने के लिए उपयुक्त होता है। उनकी धारियां उन्हें जंगल की घनी झाड़ियों और छाया में छिपने में मदद करती हैं, जिससे वे शिकार पर आसानी से हमला कर पाते हैं।

पैंथेरा वंश के अन्य सदस्यों में शेर, जगुआर और तेंदुआ भी शामिल हैं, लेकिन बाघ इन सबमें सबसे अधिक शक्तिशाली और रहस्यमयी माने जाते हैं। चीन, साइबेरिया, इंडोनेशिया, वियतनाम और भारत के कई हिस्सों में मिले बाघों के जीवाश्म यह बताते हैं कि यह प्राणी लाखों वर्षों से धरती पर मौजूद है।

> भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी।

भारतीय संस्कृति में बाघ को विशेष स्थान दिया गया है। मां दुर्गा का वाहन बाघ है, जो शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। प्राचीन भारतीय शिल्प, मंदिरों की नक्काशी और ग्रंथों में बाघ का वर्णन शक्ति के प्रतीक के रूप में किया गया है। मुगलों के समय में बाघों का शिकार राजाओं और अमीरों के लिए साहस और शान का प्रतीक था। अंग्रेजों के दौर में बाघों का शिकार बड़े पैमाने पर ट्रॉफी के रूप में किया गया। उस दौर में बाघों की संख्या तेजी से घटी।

19वीं और 20वीं सदी के बीच भारत में बाघों की संख्या लाखों से घटकर कुछ हजार तक रह गई। 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत में लगभग 40,000 बाघ थे, लेकिन 1970 तक यह संख्या घटकर 1,800 रह गई। यह स्थिति बेहद चिंताजनक थी। बाघों की घटती संख्या ने सरकार और पर्यावरणविदों को गहरी चिंता में डाल दिया।

भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी। इस परियोजना का उद्देश्य बाघों के लिए सुरक्षित आवास तैयार करना, उनके प्राकृतिक निवास को पुनर्जीवित करना और अवैध शिकार पर सख्ती से रोक लगाना था। प्रोजेक्ट टाइगर के तहत प्रारंभ में 9 टाइगर रिजर्व बनाए गए, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, जिम कॉर्बेट, सुंदरबन और रणथंभौर प्रमुख थे। आज भारत में 53 टाइगर रिजर्व हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लाखों हेक्टेयर में फैला हुआ है।

भारत की सबसे बड़ी सफलता यह है कि 2025 तक बाघों की संख्या 3,000 से अधिक हो चुकी है। यह विश्व की कुल बाघ जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत है। इस सफलता का श्रेय न केवल सरकारी प्रयासों को जाता है, बल्कि उन स्थानीय समुदायों को भी जाता है जो बाघ संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भारत में बाघों की गिनती अब आधुनिक तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैप, ड्रोन निगरानी, सैटेलाइट ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स के जरिए की जाती है।

भारत का बाघ संरक्षण मॉडल अब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन चुका है। 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट में तय किया गया था कि 2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना किया जाएगा। भारत ने यह लक्ष्य समय से पहले हासिल कर लिया। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और रूस जैसे देशों ने भारत की नीतियों से सीख ली और अपने देश में बाघ संरक्षण अभियान तेज किया।

भारत के टाइगर रिजर्व आज ईको-टूरिज्म के बड़े केंद्र बन चुके हैं। रणथंभौर, बांधवगढ़, कान्हा, काजीरंगा और जिम कॉर्बेट जैसे रिजर्व हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह पर्यटन स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय का स्रोत है। होटल, गाइड सेवा, सफारी और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए हजारों परिवारों का जीवन-यापन होता है।

हालांकि बाघ संरक्षण की इस सफलता के बावजूद चुनौतियां अभी भी कायम हैं। वनों की कटाई, खनन, सड़क निर्माण और औद्योगिक परियोजनाएं बाघों के आवास को लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं। मानव-बाघ संघर्ष बढ़ रहा है क्योंकि बाघ अब अपने प्राकृतिक आवास से बाहर निकलकर गांवों में प्रवेश करने लगे हैं। अवैध शिकार और तस्करी भी एक बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण सुंदरबन जैसे क्षेत्रों में बाघों का अस्तित्व खतरे में है।

भारत सरकार अब बाघों के लिए सुरक्षित 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाने पर काम कर रही है, जिससे बाघ एक रिजर्व से दूसरे रिजर्व तक सुरक्षित आवाजाही कर सकें। हाईवे पर वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग, बफर जोन और स्मार्ट निगरानी प्रणालियों का निर्माण किया जा रहा है। लक्ष्य यह है कि 2026 तक बाघों की संख्या 3,500 तक पहुंचाई जाए। बाघों का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी भी है।

सामयिकी

सशक्त समाज की नींव है नारी शक्ति

कहा जाता है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का निवास होता है। प्राचीन भारत में भी स्त्रियों को सम्मान पूर्वक देखा जाता था उसे युग में माता सीता माता अनुसूया उर्मिला शकुंतला गार्गी जैसी स्त्रियों ने हमारे देश का सम्मान बढ़ाया था, महारानी कैकई तो राजा दशरथ के साथ युद्ध मैदान तक जाती थी उर्मिला के त्याग से कौन परिचित नहीं है, माता शबरी ने श्रीराम के इंतजार में पूरा जीवन व्यतीत किया था। इधर मध्यकाल आते-आते पुरुष प्रधान समाज हो गया और स्त्रियों की दुर्दशा होने लगी, सती प्रथा दहेज प्रथा पर्दा प्रथा बाल विवाह जैसी कुरीतियों समाज में फैलती चली गई, स्त्री को घर की चार दीवारी में रहने को मजबूर कर दिया। नारी की स्वतंत्रता को जैसे छीन लिया गया था। किंतु वर्तमान कल आते-आते राजा राममोहन राय ने सती प्रथा का अंत कराया, महर्षि दयानंद ने पुरुषों की भांति महिलाओं को भी समान अधिकार दिलाए, दहेज प्रथा जैसी भयावह प्रथा हालांकि पूर्ण रूप से विलुप्त नहीं हुई, किंतु लोगों के जागरूक होने के कारण इसमें कमी अवश्य आई। भारतीय महिलाओं में, माता जीजाबाई ने शिवाजी जैसा महान देशभक्त भारत को दिया, रजिया सुल्तान और लक्ष्मीबारी बाई के शौर्य को कौन भूल सकता है।

विदिशा श्रीवास्तव
नोएडा

आज की स्त्रियों में मैरी कॉम, कल्पना चावला, किरण बेदी, पीटी उषा, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल, विनेश फोगाट के प्रदर्शन को कौन भूल सकता है। आज की स्त्री पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही है, एक ओर जहां वह घर गृहस्ती संभालती है, तो दूसरी ओर वह अनेकों कार्य क्षेत्र में भी अपना दबदबा बनाए हुए हैं। आज की स्त्री चाहे वह शिक्षा विभाग हो, पुलिस विभाग हो, रक्षा विभाग हो, सभी महकमों में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहीं हैं। आज की महिला एक ओर डॉक्टर है, इंजीनियर है, शिक्षिका है, तो दूसरी ओर वह एक मां है, बहन है, पत्नी है, बेटी है और इन सभी रिश्तों को वह बखूबी संभाल लेती है। महिलाओं को लेकर सुभाष चंद्र ने एक बहुत अच्छी बात कही थी कि ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे हमारे देश की महिलाएं नहीं कर सके, ऐसा कोई त्याग और पीड़ा नहीं जिसे वह सहन नहीं कर सके।

यह बात बहुत सत्य है की महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा सहनशक्ति अधिक होती है, एक महिला ही होती है जो दो परिवारों को एक साथ लेकर चलती है, कहते हैं कि अगर एक महिला पढ़ी लिखी है तो समझो उसे घर की एक पीढ़ी पढ़ी लिखी हो जाती है। आज की महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है और वर्तमान समाज भी जागरूक हो चला है। वह अच्छी तरह समझ चुका है की एक स्त्री को शिक्षित करना कितना जरूरी हो गया है। हमारे देश में प्रधानमंत्री से लेकर आज राष्ट्रपति तक का कार्यभार महिला संभाल चुकी है। महिलाओं की सुंदर इच्छा शक्ति की मिसाल इससे सुंदर और क्या हो सकती है। अब वह बातें पुरानी हो गई जब कहा जाता था, महिला जीवन है तुम्हारी यही कहानी/आंचल में है दूध और आंखों में पानी।

सोशल फोरम

आने वाले दस वर्षों में बदल जाएंगी दुनिया में नौकरियां

हाल ही में आई यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दस वर्षों में दुनिया की 40 प्रतिशत नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी, और जिन कौशलों की आज मांग है, वे कल अप्रासंगिक हो सकते हैं। फिर भी हमारी शिक्षा व्यवस्था आज भी उसी पुरानी लीक पर चल रही है। एक बार डिग्री ले लो, फिर ज़िंदगी भर वही ज्ञान घसीटते रहो। भारत में औसतन 85 प्रतिशत लोग कॉलेज जाने से वंचित रह जाते हैं, और जो जाते हैं, उनमें से आधे से ज्यादा कभी अपने सीखे हुए विषय में काम नहीं करते। फिर ये डिग्री का दंभ किस बात का?

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में 25 से 45 साल की उम्र के बीच करीब 75 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो अपना पेशा बदलना चाहते हैं या नई चीज़ें सीखना चाहते हैं, पर उन्हें उम्र, फीस, या डिग्री की अड़चनों के कारण रोक दिया जाता है। क्या यह शिक्षा का लोकतंत्र है? अगर कोई मजदूर या किसान गणित पढ़ना चाहे, या कोई गृहिणी 50 की उम्र में दर्शनशास्त्र में रिसर्च करना चाहे, तो उन्हें रास्ता क्यों नहीं मिलता?

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

> 21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो।

शिक्षा को संस्थानों की जागीर नहीं, हर नागरिक का हक़ बनाना चाहिए। कोरिया, फिनलैंड, जर्मनी जैसे देश लाइफ लॉन्ग लर्निंग को कानूनी अधिकार बना चुके हैं। नई शिक्षा नीति 2020 भले ही 'फ्लेक्सिबल लर्निंग' की बात करती हो, लेकिन ज़मीनी सच्चाई ये है कि भारत में अभी भी 90 प्रतिशत विश्वविद्यालय एज बैरियर और एंट्री क्वालिफिकेशन के आधार पर सीखने की इच्छा रखने वाले लाखों लोगों को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। क्या हम शिक्षा में यही व्यवस्था बने रहने देना चाहते हैं, जहां पढ़ने की ललक पर तमाम प्रतिबंध हैं?

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो। इंटरनेट के ज़माने में हर तीन साल में ज्ञान का अद्यतन होना आवश्यक हो गया है। हमारे समाज में आज भी यह मान्यता गहराई से बैठी है कि जिसके पास डिग्री है, वही जानता है। जबकि सच्चाई इसके ठीक उलट है। लाखों लोग ऐसे हैं जो डिग्री तो नहीं ले सके, लेकिन अपने क्षेत्र में वर्षों की साधना और अनुभव से गहरे जानकार बन चुके हैं। वहीं दूसरी ओर, डिग्रीधारी लोग भी ऐसे मिलेंगे जिनकी शिक्षा कभी उपयोग में नहीं आई, न उनके लिए, न समाज के लिए। **–फेसबुक वॉल से**

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- bly.editor@amritvichar.com, info@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

गौरवशाली अतीत की झांकी है

बरेली का रंगमंच

रंगमंच केवल अभिनय भर नहीं, समाज की संवेदनाओं, विडंबनाओं और सांस्कृतिक चेतना को मंच पर जीवंत रूप देने का सशक्त माध्यम है। बरेली, जो उत्तर भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर खास पहचान रखता है, रंगमंच के क्षेत्र में भी गौरवशाली अतीत समेटे हुए है। यहां का रंगमंच तीन ऐतिहासिक दौरों से गुजरा है, पारसी थियेटर, समाजसेवी रंगयात्रा और आधुनिक युग। 19वीं सदी में जब पारसी थियेटर का प्रभाव पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ था, बरेली का रंगमंच भी उसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। इस दौर में पारसी थियेटर ने भी बरेली में अपनी जड़ें जमाईं। तत्कालीन स्थानीय थियेटर कंपनियों ने शेक्सपियर के साथ संस्कृत के नाटकों को हिंदी में मंचित कर लोगों को रंगमंच से जोड़ा। बरेली के मौलवी करीमुद्दीन ने पारसी मंचीय शैली को भारतीय रूप देकर स्थानीय दर्शकों में लोकप्रिय बनाया। रंगमंच का दूसरा दौर पं. राधेश्याम कथावाचक का माना जाता है। वह कथावाचक होने के साथ उत्कृष्ट नाटककार भी थे। उनके द्वारा वर्ष 1927 में लिखे गए उर्दू नाटक 'मशरिकी हूर' ने रंगमंच जगत में नई पहचान बनाई। उनके अन्य नाटक 'वीर अभिमन्यु', 'श्रवणकुमार', 'परमभक्त प्रहलाद', 'श्रीकृष्ण अवतार', 'रुक्मिणी मंगल' जैसे नाटकों ने पेशावर, लाहौर, अमृतसर, दिल्ली, ढाका तक विख्यात हुए। बरेली रंगमंच का तीसरा दौर वर्तमान है, जिसमें बरेली के कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को न सिर्फ संजोए हुए हैं, बल्कि नई पीढ़ी तक सक्रिय रूप से पहुंचा रहे हैं।

पं. राधेश्याम ने दिखाई नई राह तो मुंशी प्रेमचंद मिलने आए

- समय बदला तो बरेली के रंगमंच को पं. राधेश्याम कथावाचक ने नई दिशा दी। उनके नाटक पेशावर, रावलपिंडी, लाहौर, मद्रास, कलकत्ता तक खेले जाते थे। लेखन के साथ ही उन्होंने दृश्य संयोजन, रूप सज्जा, वेशभूषा, अभिनय, संवाद अदायगी, नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भी गजब का काम किया। पारसी थियेटर के मशहूर अभिनेता मास्टर फिदा हुसैन नरसी और सोहराब मोदी जैसे कलाकार पं. राधेश्याम कथावाचक को अपना गुरु मानते थे। 1930 के दशक में उनके लेखन से प्रभावित होकर नाटकों की भाषा-शैली पर विचार-विमर्श के लिए मुंशी प्रेमचंद तीन बार बरेली में पंडित राधेश्याम से मिलने आए।

...जब पृथ्वीराज कपूर के नाटक ने जमकर बटोरी थीं तालियां

- बरेली के रंगमंच की लगातार प्रगित करने की ख्याति धीरे-धीरे दूर-दूर तक फैली तो वर्ष 1955 में मुंबई से उस समय के दिग्गज अभिनेता पृथ्वीराज कपूर भी यहां नाटक खेलने के लिए आए। इस यात्रा में अभिनेता राज कपूर और शम्मी कपूर भी उनके साथ थे। हिंद टॉकीज में 'पठान' नाटक का जोरदार मंचन हुआ। दर्शक पूरे समय मंत्रमुग्ध होकर बैठे रहे। इस नाटक में पृथ्वीराज कपूर की प्रस्तुति का बरेली वासियों ने ढेरों तालियों से खड़े होकर स्वागत किया। तीनों सुपरस्टारों ने बरेली की जनता का प्यार लुटाने के लिए कई बार सिर झुकाकर आभार जताया।

1895 में विक्टोरिया ड्रामा कंपनी के बाद जुबली थियेटर की धूम

बरेली में 130 साल पहले वर्ष 1895 में विक्टोरिया ड्रामैटिक थिएट्रीकल कंपनी के नाम से रंगमंच की पहली कंपनी शुरू हुई थी। जमींदार अमीनउद्दीन खां ने इसकी स्थापना की थी। इस कम्पनी के एमडी मिर्जा नजीर बेग थे। इसके प्रसिद्ध नाटकों में राम लीला उर्फ मार्का ए लंका, माहीगीर, इन्द्रसभा आदि थे। वर्ष 1900 के आसपास बरेली के रईस औलाद अली ने जुबली थियेटर कंपनी शुरू की। इस कंपनी का गुलरू जरीना नाटक खूब खेला गया। कहा जाता है कि तब इस नाटक के गानों को जनता की फरमाइश पर चार-चार बार सुना जाता था।

रंगमंच की यात्रा को आगे बढ़ा रहीं एक दर्जन संस्थाएं

- बरेली में ऑल इंडिया कल्चरल एसोसिएशन, रंग विनायक रंगमंडल, रंग प्रशिक्षु समेत एक दर्जन से अधिक संस्थाए रंगमंच के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वहीं, स्वर्गीय जेसी पालीवाल डॉ. ब्रजेश्वर सिंह, अंबुज कुकरेती, राकेश श्रीवास्तव, अमित रंगकर्मी, राजेंद्र सिंह, गरिमा सक्सेना, मोहनीश हिदायत, बृजेश तिवारी, लव तोमर, संजय मद, मीना सोंधी समेत 200 से अधिक रंगकर्मी हैं। बरेली में मानव कौल सरीखे कलाकार आकर रंगमंच पर अपनी अदाकारी दिखा चुके हैं। सुधीर पांडेय, रघुवीर यादव, कुलभूषण खरबंदा, कुमुद मिश्रा जैसे बॉलीवुड कलाकार भी बरेली में रंग जमा चुके हैं।

विंडरमेयर से निकले रंगकर्मी बॉलीवुड की दुनिया के सितारे

- रंगमंच को नई पहचान देने के लिए डॉ. बृजेश्वर सिंह ने विंडरमेयर थियेटर शुरू किया। डॉ. बृजेश्वर बताते हैं कि वर्ष 2009 में ललित कपूर के साथ मिलकर उन्होंने 200 से अधिक कलाकारों के ऑडिशन लिए। इनमें से 30 रंग कर्मियों का चयन किया गया। इनके साथ मिलकर रंग विनायक रंगमंडल बनाया गया, जो बीते 15 साल से थियेटर फेस्ट का आयोजन कर रहा है। विंडरमेयर के 'रंग अंभग', 'जब शहर हमारा सोता है', 'खामोश अदालत जारी है', 'मत्त विलास' जैसे नाटकों ने सामाजिक रूढ़िवादिता को रंगमंच के रूप में आमजन के सामने रखा। विंडरमेयर से निकले कई कलाकार आज बॉलीवुड से लेकर छोटे पर्दे पर भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। सृष्टि माहेश्वरी, नेहा चौहान और शिवा समेत कई रंगकर्मी बॉलीवुड में काम कर रहे हैं।

"तबला वादन और कथक नृत्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मधुर संगीत सुनाता है लखनऊ घराना..."

'खुला बाज' की थाप पर नजाकत भरे हाव-भाव

इतिहास दिल्ली घराना से निकलने का, लेकिन मुगलों ने कथक नृत्य को मंदिरों से दरबारों और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ने का काम किया

तबला वादन और कथक नृत्य की प्रमुख शैली लखनऊ घराना जिसे 'पूरब घराना' भी कहा जाता है, अपनी तमाम विशिष्टताओं जैसे कि तबला वादन में 'खुला बाज' या 'हथेली का बाज' और कथक में 'नजाकत' तथा अदा की नफासत पर जोर देने के लिए जाना जाता है। यह घराना भारतीय शास्त्रीय कलाओं में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सैर भी कराता है। लखनऊ घराने के प्रमुख तबला कलाकारों में उस्ताद आफाक हुसैन खान, पंडित स्वपन चौधरी, उस्ताद जुल्फिकार हुसैन, खलीफा वाजिद हुसैन खान, खलीफा आबिद हुसैन खान, मुन्ने खान और बेगम अख्तर के नाम गिने जाते हैं, तो कथक के क्षेत्र में पंडित बिरजू महाराज, बिंदादीन महाराज, शंभू महाराज, और लच्छू महाराज प्रमुख कलाकार हैं।

लखनऊ घराना का इतिहास दिल्ली घराने से निकलने का है, लेकिन कथक नृत्य का विकास लखनऊ के नवाबों के साथ हुआ। दरअसल, मुगलों ने कथक को मंदिरों से दरबारों में और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ दिया था। कथक की परंपराएं आमतौर पर एक से दूसरी पीढ़ी में पहुंचती रहीं। इसके चलते ही लखनऊ के अलावा कथक के दो और घराने जयपुर व बनारस विकसित हुए। लखनऊ घराने का कथक नर्तक अपनी कलाइयों और अंगुलियों को एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला के बीच अपने हाव-भाव से देखने वालों का दिल जीत लेता है।

बिरजू महाराज ने कथक को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

- पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नर्तक थे। उनका पूरा नाम बृज मोहन नाथ मिश्र था। लखनवी कथक के पर्याय बिरजू महाराज लखनऊ घराने की प्रमुख शाखा कालका-बिंदादीन घराने से ताल्लुक रखते थे। है। उनके पिता अच्छन महाराज और चाचा शंभू महाराज भी प्रसिद्ध कथक नर्तक थे।
- लखनऊ घराने का तबला वादन पूरी हथेली के इस्तेमाल, अंगुलियों के साथ हथेली का उपयोग और तेज, नाजुक भराव के लिए जाना जाता है। इस घराने की स्थापना उस्ताद बक्शू खान और मोदू खान ने की थी, जो दिल्ली के उस्ताद सिद्धार खान के भतीजे थे और लखनऊ के शासक नवाब आसफउद्दौला के बुलावे पर दिल्ली से लखनऊ आकर बस गए थे। उन दिनों लखनऊ संगीत और नृत्य के लिए प्रसिद्ध था। यह देखकर उन्होंने नृत्य करते समय नर्तकियों द्वारा पहने जाने वाले घुंघरू या घंटियों की ध्वनि से मेल खाने के लिए तबले और पखावज के मिश्रण का उपयोग शुरू कर दिया। इसी शैली में एक ऊंची ध्वनि जोड़ी को 'खुल्ला बाज' नाम से जाना जाने लगा। इस घराने को थपिया बाज (थपिया मतलब हथेली) भी कहा जाता है। इसमें अंगुलियों के साथ हथेली का भी उपयोग होता है।

कलाइयों व अंगुलियों की एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला ने दिल जीता

रेम्ब्रांट और मुगल लघु चित्र दो परंपराओं का अनूठा संवाद

डच स्वर्ण युग के महान चित्रकार रेम्ब्रांट वान रिजन ने सन 1650 की शुरुआत में मुगल लघु चित्रों पर आधारित चित्रों का एक ऐसा अनूठा सेट तैयार किया था, जिसमें शाहजहां, जहांगीर, दारा शिकोह समेत तमाम मुगल दरबारियों और सूफियों के चित्र शामिल थे। वर्तमान में इनमें से 23 चित्र ही बचे हैं, जो दुनिया भर के विभिन्न संग्रहालयों में संरक्षित हैं, इनमें ब्रिटिश संग्रहालय, क्लीवलैंड म्यूजियम ऑफ आर्ट, जे पॉल गेट्टी म्यूजियम और रिज्क्सम्यूजियम के साथ-साथ निजी संग्रह भी शामिल हैं। ये चित्र एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कला के क्षेत्र में नया संवाद स्थापित करने के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही उस दौर में व्यापारिक जहाजों द्वारा स्थापित वैश्विक नेटवर्क को समझने की नई समझ प्रदान करते हैं।

डच चित्रकार रेम्ब्रांट।

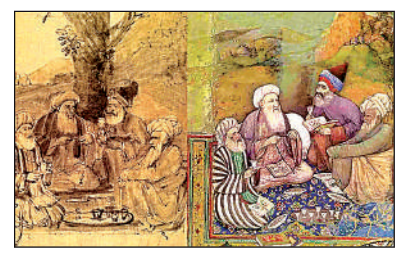

रेम्ब्रांट का बनाया मुगल दरबार का चित्र।

- रेम्ब्रांट वान रिजन (1606-1669) यूरोप के डच स्वर्णयुग के एक महानतम चित्रकार माने जाते हैं। उनकी कला में प्रकाश-छाया का अद्वितीय संतुलन, मानवीय भावनाओं की गहराई और धार्मिक तथा ऐतिहासिक विषयों की गूढ़ प्रस्तुति दिखाई देती है। रेम्ब्रांट अपनी आत्मकथात्मक शैली, यथार्थवाद और संवेदनशील चित्रण के लिए विख्यात हैं। लेकिन एक रोचक और कम चर्चित पहलू यह भी है कि रेम्ब्रांट का एक विशेष काल में भारतीय मुगल लघुचित्रों से गहरा आकर्षण रहा। सन 1650 के दशक में, जब रेम्ब्रांट आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे थे, तब उन्होंने कुछ नए रूपों और शैलियों का अध्ययन करना आरंभ किया। इसी दौरान उनके संपर्क में भारतीय मुगल दरबार की लघुचित्र परंपरा आई, जो कि डच व्यापारियों के माध्यम से यूरोप में पहुंची थी। अविभाजित भारत के मुगल दरबारों में बनी रंगीन, बारीक और बेजोड़ कलाकृतियां रेम्ब्रांट को इतनी प्रेरक लगीं कि उन्होंने इन चित्रों की नकल नहीं की, बल्कि अपने रेखा चित्रण के जरिये उसकी पुनर्व्याख्या की।

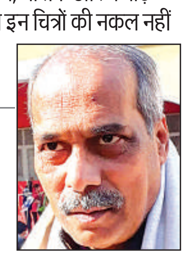

लेखक- सुमन सिंह
चित्रकार के साथ कला संबंधी विषयों के जानकार। एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में कला संपादक पद से अवकाश प्राप्त।

बैक स्टेज मेहनत से बाहर आता भीतर का कलाकार

युवा अगर अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो संयम रखना बेहद जरूरी है। सफलता पाने या एक्टर बनने का कोई शार्टकट नहीं है। इसके लिए बैक स्टेज काफी मेहनत करनी पड़ती है। यह कहना है, टीवी इंडस्ट्री में स्थान बनाने के बाद अपनी मेहनत से बड़े पर्दे पर मुकाम बनाने वाले शहर के अभिनेता विजयभान सिंह का। अमृत विचार के कानपुर कार्यालय पहुंचे विजयभान ने कहा कि युवा एक्टिंग सीखने और अभिनय को पेशा बनाने की दौड़ में शिक्षा के महत्व को न नकारें। पढ़ाई को भी पूरा समय दें, क्योंकि जब विषम परिस्थिति आती है तो शिक्षा ही साथ देती है और हमारा तथा परिवार का पेट भरती है।

बड़े पर्दे पर जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'श्रगाल' में बतौर पुलिस अधिकारी का रोल निभाने वाले विजय भान ने बताया कि उनकी यह फिल्म शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर आधारित है। भ्रष्टाचार के चलते बच्चे कैसे बिगड़ते हैं, इस विषय का समाज को झकझोरने वाले अंदाज में फिल्मांकन किया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब रिलीज की तैयारी चल रही है। फिल्म की शूटिंग कानपुर और मुंबई समेत देशके कई शहरों में हुई है। कानपुर के पीएसआईटी कॉलेज में भी फिल्म का काफी हिस्सा फिल्माया गया है। विजयभान की बालीवुड की नई वेब सीरीज 'कबूल है' की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

- रंगमंच व टीवी के बाद बड़े पर्दे पर भी कानपुर के विजयभान सिंह ने बनाई पहचान

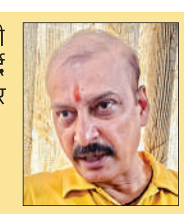

रंगमंच से शुरू की अभिनय यात्रा पर पढ़ाई नहीं छोड़ी

- विजयभान ने कानपुर के क्राइस्टचर्च इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट किया था। इसके बाद अभिनय यात्रा की शुरुआत रंगमंच से की। लेकिन पढ़ाई नहीं छोड़ी। यूपीएसआईडीसी में कनिष्ठ सहायक की नौकरी मिली तो ज्वाइन कर ली। अपने चार दशक के अभिनय के सफर में विजयभान ने 100 से ज्यादा स्टेज शो किए हैं। उन्हें ख्याति टीवी धारावाहिक सावधान इंडिया तथा मौका-ए-वारदात से मिली।
- विजयभान ने सावधान इंडिया धारावाहिक में पुलिस अधिकारी, अपराधी या किडनैपर जैसे कई लीड रोल किए हैं। एंड टीवी पर के धारावाहिक मौका ए वारदात में उनके 'गायब दूल्हा' एपिसोड को खूब सराहना मिली थी। उनके द्वारा अभिनीत अनेक शॉर्ट फिल्में भी काफी पसंद की गई हैं।

बाजार	संसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,337.95	24,821.10
बढ़त	446.93	140.20
प्रतिशत में	0.55	0.57

सोना : 97,820 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,13,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 30 जुलाई 2025
www.amritvichar.com

बिजीनेस ब्रीफ

नए आयकर विधेयक में कर दरों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि नए आयकर विधेयक में कर की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं है। नए आयकर विधेयक, 2025 में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर दरों में बदलाव का प्रस्ताव होने की खबरों पर स्पष्टीकरण देते हुए विभाग ने कहा, यह (विधेयक) करों की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है। आयकर विभाग ने कहा कि इस संबंध में किसी भी अस्पष्टता का विधेयक पारित होने के दौरान उचित रूप से समाधान किया जाएगा। विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि आयकर विधेयक, 2025 का मकसद भाषा को सरल बनाना और अनावश्यक या अप्रचलित प्रावधानों को हटाना है।

सिंधिया ने संचार साथी हितधारकों संग की बैठक

नई दिल्ली। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी' पहल के तहत हितधारकों के साथ बैठक की। इस पहल का मकसद दूरसंचार संबंधी साइबर धोखाधड़ी से निपटने के उपायों को मजबूत करना है। नागरिक केंद्रित डिजिटल सुरक्षा पहल संचार साथी में चोरी या खोए हुए फोन को ब्लॉक करने के लिए सीईआईआर, (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर), डीआईपी (डिजिटल इंटेलिजेंस मंच), एएसटीआर (नकली दस्तावेजों पर लिए गए कनेक्शन का पता लगाना) जैसी एआई आधारित प्रणालियां शामिल हैं। इसके अलावा संचार साथी में संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए एफआरआई (वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक) जैसे उन्नत उपकरण शामिल हैं।

ग्राहक टीवी का पीसी की तरह कर सकेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सदस्यता आधारित पर्सनल कंप्यूटर सेवा शुरू की है, जिससे ग्राहक सेट-टॉप बॉक्स की मदद से अपने टेलीविजन का इस्तेमाल पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'जियोपीसी' सदस्यता 599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) से शुरू होने वाले मासिक प्लान के साथ उपलब्ध है। वार्षिक प्लान 4,599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) का है, जो प्रति माह लगभग 383 रुपये शुल्क है।

एल्गो ट्रेडिंग: ढांचे को लेकर समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को 'एल्गोरिथम ट्रेडिंग' में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सुगम बनाने के ढांचे को लागू करने की समयसीमा दो महीने बढ़ाकर एक अक्टूबर कर दी है। एल्गोरिथम ट्रेडिंग के तहत तेजी से ऑर्डर दिए जा सकते हैं और बेहतर नकदी लाभ मिलते हैं। इस समय केवल संस्थागत निवेशकों को ही एल्गोरिथम (एल्गो) ट्रेडिंग में निवेश करने की अनुमति है। सेबी ने फरवरी में एल्गोरिथम ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की सुरक्षित भागीदारी पर एक परिपत्र जारी किया था। परिपत्र के प्रावधान एक अगस्त, 2025 से प्रभावी होने थे।

सेबी ने भेदिया कारोबार के लिए जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भेदिया कारोबार के लिए रूपेश सतीश दलाल एचयूएफ पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ये सौदे दोनों कंपनियों के विलय के दौरान किए गए। सेबी ने कहा कि रूपेश सतीश दलाल एचयूएफ के पास विलय से संबंधित अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) थी।

शेयर ट्रेडिंग में युवाओं की बढ़ी भागीदारी, मोबाइल एप बने पहली पसंद

यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर बाजारों की पहुंच और भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। उसमें सबसे बड़ा योगदान मोबाइल एप आधारित ट्रेडिंग का है। खासतौर पर डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों के 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप पर सक्रिय हैं। शेयर विशेषज्ञों की माने तो फिलहाल सिर्फ 20 फीसदी ट्रेडर्स ही डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं।

शेयर बाजार में आए नए रुझान पर आर्थिक सलाहकार राजीव सिंह ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग के लिए मोबाइल एप युवाओं की खास पसंद बना हुआ है। इसकी कई वजह भी हैं। इनमें यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा, कम ब्रोकरेज व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा सहित ट्रेडिंग व निवेश दोनों का विकल्प होना शामिल हैं। मोबाइल एप से ट्रेडिंग को बढ़ावा देने में डिस्काउंटेड ब्रोकर्स की बड़ी भूमिका मानी जा रही है।

युवाओं की बढ़ी सक्रियता और टेक्नोलॉजी के मिश्रण ने इसको और रफ्तार दी है। डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों से जुड़े करीब 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप से ट्रेडिंग करना पसंद करते हैं। 20 प्रतिशत डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या करीब 2.54 करोड़ तो कानपुर में 11 लाख से ज्यादा का अनुमान है। ब्रोकर्स के ऑफिस में फोन करके खरीद-बेच करने वाले ट्रेडर्स की संख्या अब बहुत कम हो चुकी है। जब मोबाइल एप का प्रचलन नहीं था तब ब्रोकर्स के ऑफिस में आकर या फोन करके ट्रेड करते थे। जब ट्रेडर्स ऑनलाइन ट्रेडिंग करते हैं तो ब्रोकिंग कंपनियों के सामने कम्प्लाइंस के अनुपालन की समस्या कम रहती है। इसलिए कंपनियां भी इसे बढ़ावा दे रही हैं।

ऑप्शन ट्रेडिंग की ओर युवाओं का रुझान : ऑप्शन खरीद कर ट्रेडिंग करने में सीमित नुकसान जबकि असीमित मुनाफे का मौका रहता है, साथ ही इसमें बहुत ही तेज मूवमेंट होता है जिससे ट्रेडर्स खासकर युवाओं के बीच बहुत ही लोकप्रिय है। एल्गो ट्रेडिंग और मोबाइल एप का चलन बढ़ने से ऑप्शन ट्रैडिंग में सक्रियता तेजी से बढ़ी है। यह तकनीक बाजार के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण बहुत तेजी से करता है और उस आधार पर निवेश के फैसले लेता है। एल्गो ट्रेडिंग के इस्तेमाल से खरीदने और बेचने की रफ्तार काफी तेज हो जाती है। ऐसा नहीं है कि एल्गो ट्रेडिंग में केवल मुनाफा ही होता है, यहां नुकसान होने की भी उनती ही संभावनाएं हैं।

बाजार का आकलन जरूरी : निवेश करने से पहले यह समझना जरूरी है कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने से पहले उसकी वित्तीय स्थिति, प्रबंधन, बाजार में स्थिति और विकास की संभावनाओं का विश्लेषण करना आवश्यक है। इसी तरह म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय यह देखना चाहिए कि उस फंड का पिछला प्रदर्शन कैसा रहा है और उसका पोर्टफोलियो किन कंपनियों में निवेशित है।

छोटे वीडियो, संक्षिप्त जानकारी

- सोशल मीडिया पर देखे गए छोटे वीडियो निवेश की दुनिया के बारे में एक सीमित और संक्षिप्त जानकारी देते हैं। ये रील्स अक्सर एकतरफा होती हैं, जहां लाभ के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, मगर संभावित जोखिमों का उल्लेख नहीं होता। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की भरमार है। बिना पूरी जानकारी के निवेश करना उतना ही खतरनाक है जितना बिना तैयारी के तूफान में नाव चलाना।

निवेशक गहन रिसर्च करें

- शेयर ट्रेडिंग में मोबाइल एप तेजी से बढ़ रहा है। बावजूद इसके यह जरूरी है कि निवेशक गहन रिसर्च और पुख्ता तौर पर बाजार के हाल पर नजर बनाकर ट्रेड करें। इसके अलावा तमाम तरह की रील देखकर शेयर में निवेश करना भी जोखिम भरा हो सकता है।

– राजीव सिंह, आर्थिक सलाहकार

अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर बोले- बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा

मुंबई, एजेंसी

तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत कुछ बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनैतिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर (डीजी) स्वामीनाथन जे ने यह बात कही। उन्होंने पिछले शुक्रवार को तमिलनाडु के करूर में निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि ऐसे ऋणदाताओं के प्रबंधन को लगता है कि साध्य साधन को सही ठहराता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की प्रथाओं से बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा है। डिप्टी गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा, तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत से प्रेरित होकर, कुछ बैंकों और एनबीएफसी के प्रबंधन का मानना है कि साध्य साधन को सही ठहराता है। केंद्रीय बैंक ने यह भाषण मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया।

उन्होंने कहा कि कुछ ऋणदाता रचनात्मक लेखांकन और नियमों की उदार व्याख्या जैसी प्रथाओं का सहारा ले रहे हैं, और कुछ बोर्डरूम में अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों को सामान्य बनाया जा रहा है। वाणिज्यिक बैंकर से नियामक बने स्वामीनाथन ने कहा, बोर्डरूम से लेकर शाखा तक, नैतिक प्रथाओं से जुड़ी और उनमें निहित प्रणालियों, लोगों और प्रक्रियाओं के साथ वृद्धि महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बैंक बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे उत्तरदायी सेवा, विश्वसनीय प्रणालियों और जिम्मेदार नेतृत्व के जरिये कड़ी मेहनत से हासिल भरोसे को और मजबूत करें।

आरबीआई ने एआईएफ योजना में बैंक के निवेश की सीमा 10 प्रतिशत तय की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकों और एनबीएफसी सहित किसी एकल विनियमित संस्था (आरई) द्वारा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजना में निवेश की सीमा कोष के 10 प्रतिशत तक तय की। भारतीय रिजर्व बैंक (एआईएफ में निवेश) निर्देश, 2025 के मुताबिक किसी भी एआईएफ योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का कुल योगदान उस योजना के कोष के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरई से तात्पर्य बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से है। आरबीआई ने दिसंबर, 2023 और बाद में मार्च, 2024 में एआईएफ में रिजर्व बैंक की विनियमित इकाइयों द्वारा निवेश के संबंध में नियामक दिशानिर्देश जारी किए थे। आरबीआई ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि दिशानिर्देशों की समीक्षा उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के साथ ही सेबी के नियमों को ध्यान में रखते हुए की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के उक्त नियम निवेशकों और एआईएफ के निवेश की विशिष्ट जांच से संबंधित हैं। परिपत्र में कहा गया, कोई भी विनियमित इकाई व्यक्तिगत रूप से किसी एआईएफ योजना के कोष में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान नहीं करेगी।

स्मार्टफोन निर्यात में चीन से आगे भारत

भारत अब आधिकारिक तौर पर अमेरिका को स्मार्टफोन का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। इस मामले में पहली बार चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस बदलाव का मुख्य कारण एप्पल का भारत में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार है। 2025 की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका के स्मार्टफोन आयात का 44% हिस्सा भारत से आया, जो पिछले वर्ष केवल 13% था। दूसरी ओर, चीन का हिस्सा 61% से घटकर 25% हो गया।

Q2 2025 (April-June 2025)

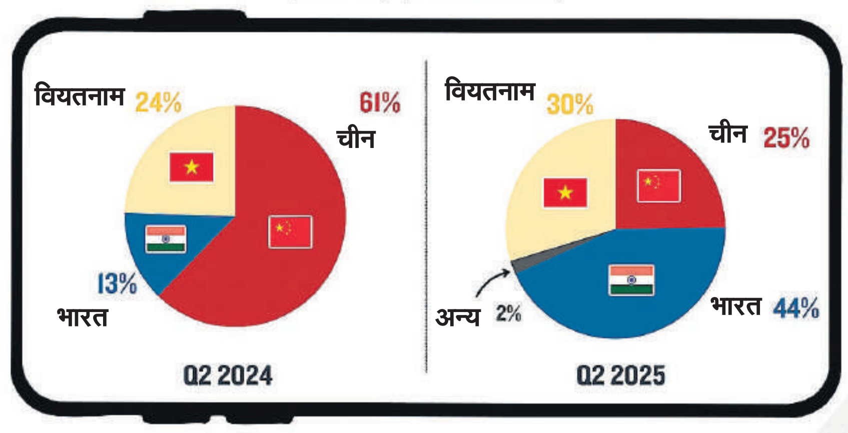

पीई और वीसी वित्तीय बाजार के दो स्तंभ

निजी इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) कोष आधुनिक वित्तीय बाजार के दो स्तंभ हैं, जो नवाचार, विकास और आर्थिक प्रगति को बढ़ाते हैं। ये कोष ऐसे निवेश साधन हैं, जो निजी कंपनियों या उभरते हुए स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं। निजी इक्विटी फंड स्थिर और परिपक्व कंपनियों को लक्षित करते हैं, जबकि उद्यम पूंजी कोष नवाचारशील, उच्च-विकास क्षमता वाली शुरुआती कंपनियों को समर्थन प्रदान करते हैं। दोनों ही निवेशकों के लिए उच्च रिटर्न की संभावना रखते हैं, परंतु इनमें जोखिम भी अधिक है। ये फंड भारत में स्टार्टअप और व्यवसायिक विकास के अहम स्रोत बनते जा रहे हैं।

क्या है निजी इक्विटी

निजी इक्विटी वह पूंजी है जिसे निवेशक निजी या सार्वजनिक कंपनियों को निजी बनाने के लिए निवेश करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों में संरचनात्मक सुधार करके उनके मूल्य को बढ़ाना और भविष्य में लाभ के साथ बेचना है। यह निवेश 5–7 वर्षों की समयावधि के लिए होता है। इसमें संस्थागत निवेशक, पेंशन फंड या हाई नेटवर्थ वाले व्यक्ति होते हैं।

भारत में स्थिति

भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के बढ़ने के साथ-साथ पीई और वीसी निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। 2024 में भारत में पीई/वीसी निवेश 60 बिलियन डालर के करीब पहुंच गया, जिसमें फिनटेक, हेल्थटेक और ई-कॉमर्स प्रमुख क्षेत्रों में रहे।

विकास के वाहक

निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी कोष आज की अर्थव्यवस्था में नवाचार और विकास के वाहक हैं। ये न केवल कंपनियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें रणनीतिक दिशा और व्यावसायिक विशेषज्ञता भी देते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में ये कोष आर्थिक प्रगति, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

दीर्घकालिक निवेश

- नियंत्रण प्राप्त करना (कई बार कंपनी प्रबंधन में हस्तक्षेप)
- लाभ के लिए पुनर्गठन व पुनर्विकास
- एक्जिट रणनीति जैसे आईपीओ या अधिग्रहण

मुख्य विशेषताएं:

- उच्च जोखिम, उच्च लाभ की संभावना
- स्टार्टअप्स के लिए शुरुआती पूंजी अक्सर तकनीकी, डिजिटल या हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश
- निवेशकों की विशेषज्ञता और मार्गदर्शन भी मिलता है

क्या है उद्यम पूंजी

उद्यम पूंजी ऐसी निजी इक्विटी है, जो नवाचारशील, उभरती और उच्च-विकास क्षमता वाली स्टार्टअप कंपनियों में निवेश करती है। ये निवेश सामान्यत: शुरुआती चरण या विकास चरण में किया जाता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि का आईएमएफ ने जताया अनुमान

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों का असर अनुमान से कम रहने के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। आईएमएफ ने साल 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो 2024 के 3.3 प्रतिशत के आंकड़े से कम होने के बावजूद इस साल अप्रैल के 2.8 % पूर्वानुमान से अधिक है।

वर्ष 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 और उसके अगले साल 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। इस तरह भारत एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवर गोरिन्शास ने कहा, व्यापार से जुड़े तनाव में मामूली कमी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को अब तक संभाल रखा है। हालांकि, यह स्थायित्व स्थिर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को अधिकांश देशों से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक के शुल्क लगाए थे।

- वर्ष 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रहने की संभावना

व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को आएगा भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आएगा। एक अधिकारी कहा कि एक अगस्त की समयसीमा नजदीक आने के साथ ही दोनों पक्ष एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए शुल्क की निलंबन अवधि एक अगस्त को समाप्त हो रही है। अमेरिकी दल छठे दौर की वार्ता के लिए भारत आ रहा है। भारत और अमेरिकी दलों ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच इसमें शामिल हुए। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने इस साल दो अप्रैल को उच्च जवाबी शुल्क की घोषणा की थी।

एयर इंडिया विमानों में डीजीसीए को ऑडिट में मिलीं 100 खामियां, सात गंभीर श्रेणी कीं

मुंबई, एजेंसी

- एयर लाइन ने कहा- हम निर्धारित तय समयसीमा के भीतर नियामक को देंगे जवाब

विमानन सुरक्षा नियामक नागर विमानन महानिदेशालय को एयर इंडिया से संबंधित लगभग 100 उल्लंघनों और निष्कर्षों का पता चला है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उक्त उल्लंघन, निष्कर्ष प्रशिक्षण, चालक दल के आराम व कार्य अवधि के मानदंडों तथा हवाई क्षेत्र योग्यता सहित अन्य मुद्दों से संबंधित हैं।

उन्होंने बताया कि इनमें से सात स्तर-1 के उल्लंघन हैं, जिन्हें गंभीर सुरक्षा जोखिम माना जाता है और एयरलाइन को इन पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने की जरूरत होती है। एयर इंडिया ने एक बयान में निष्कर्षों के मिलने की पुष्टि की और कहा कि वह निर्धारित समयसीमा के भीतर डीजीसीए को अपना जवाब देगी। ऑडिट के निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं, जब 12 जून को हुए विमान हादसे के बाद नियामक एयरलाइन की गहन जांच कर रही है। एयर इंडिया ने बयान में कहा, सभी एयरलाइन कंपनियां प्रक्रियाओं के परीक्षण और निरंतर सुदृढ़ीकरण करने के लिए नियमित ऑडिट से गुजरती हैं। एयर इंडिया का वार्षिक डीजीसीए ऑडिट जुलाई में हुआ था, जिसके दौरान लगातार सुधार की भावना से ऑडिट करने वालों के साथ पूरी पारदर्शिता बरती गई थी।

एयरलाइन ने कहा, हमें निष्कर्षों के मिलने की सूचना है और हम तय समयसीमा के भीतर नियामक को अपना जवाब देंगे। साथ ही किए गए सुधारात्मक कार्यों का ब्योरा भी देंगे। एयर इंडिया अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सूत्रों ने कहा, ऑडिट रिपोर्ट में प्रशिक्षण, चालक दल के आराम और कार्य अवधि के मानदंडों, प्रशिक्षण, अपर्याप्त चालक दल को पूरा करना और हवाई क्षेत्र योग्यता आदि से संबंधित कुल 100 उल्लंघन और निष्कर्ष हैं।

कवायद — 16 हजार परियोजनाओं में से 50 प्रतिशत में वाणिज्यिक संचालन शुरू, बाकी प्रगति पर

जीबीसी-5 से यूपी में बड़ा निवेश उतारने में जुटी राज्य सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5 के जरिए प्रदेश में बड़ा निवेश उतारने की तैयारी में जुट गई है, जबकि पहले हो चुके सेरेमनी में निवेश के लिए आईं 16 हजार परियोजनाओं में से 50 प्रतिशत में वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया है। बाकी परियोजनाएं प्रगति पर हैं। निवेश परियोजनाओं में सबसे ज्यादा 62.25 प्रतिशत हिस्सा विनिर्माण क्षेत्र का है।

शासन के अधिकारियों के अनुसार वीवो, टाटा, अडानी, पेप्सिको, हल्दीराम, आइकिया समेत तमाम दिग्गज कंपनियों ने प्रदेश में भारी निवेश किया है। राज्य सरकार ने अब तक दो इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया। वर्ष 2018 में हुए समिट में 4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले थे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में रिकॉर्ड 33.50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए ही राज्य सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित कर रही है। सेवा क्षेत्र में 28.09 प्रतिशत परियोजनाएं हैं, जबकि शेष निवेश अवस्थापना और अन्य क्षेत्रों में हुआ है।

जीबीसी-5 से निवेश को मिलेगा नया आयाम : औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जीसीबी-5 के जरिये सरकार का लक्ष्य प्रारंभिक चरण में 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का है। आयोजन की तारीख तक इसके 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है।

अब तक इन कंपनियों का निवेश

वीवो (आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स)	7429 करोड़	लिक्विड (यूपीसीडा)	3075 करोड़
टोरेंट गैस (औद्योगिक विकास)	2751 करोड़	एसएलएमजी बेवरेजेस	550 करोड़
टाटा पावर (नवीकरणीय ऊर्जा)	500 करोड़	आइकिया (रिटेल सेक्टर)	3400 करोड़
पेप्सिको (एफएमसीजी)	514 करोड़	जेके सीमेंट (सीमेंट)	400 करोड़
अडानी पावर	2500 करोड़	फेयर फॉक्स (आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स)	1200 करोड़
हल्दीराम (उद्यान क्षेत्र)	100 करोड़	डालमिया भारत लिमिटेड (सीमेंट)	600 करोड़
एसीसी सीमेंट (सीमेंट)	600 करोड़	हिंद टर्मिनल (लॉजिस्टिक्स)	1250 करोड़
आईओएजी	490 करोड़	एडवर्ब (आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स)	500 करोड़
एज्यूर पावर (यूपीनेडा)	1000 करोड़	एसटी टेलीमेडिया	1130 करोड़

क्रियान्वित परियोजनाएं

- **मथुरा** : एयर लिक्विड नॉर्थ इंडिया, वी35 फूड्स
- बदायूं-हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- हापुड़-मून बेवरेजेस
- रायबरेली-आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स
- अमरोहा-अग्रिसिटी मासा प्रा. लि.
- गौतमबुद्धनगर-वेब वर्क्स इंडिया, लावा इंटरनेशनल
- बुलंदशहर-आर्टेक्स मिल्स
- हमीरपुर-रिमझिम इस्पात
- मुजफ्फरनगर-ग्रीन गैस लिमिटेड
- लखनऊ-पीटीसी इंडस्ट्रीज, फीनिक्स मॉल
- नोएडा-अडानी इंटरप्राइजेज
- सुल्तानपुर-एसीसी सीमेंट
- बिजनौर-एसएलएमजी बेवरेजेस
- कानपुर-स्पर्श इंडस्ट्रीज

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में भारी बारिश से 34 लोगों की मौत

ताइशितुन। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 30 लोगों की मौत हो गई। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि सोमवार आधी रात तक बीजिंग के बुरी तरह प्रभावित मियुन जिले में 28 और यानकिंग जिले में दो लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। इलाके में रात भर भारी बारिश हुई। बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें मियुन के लगभग 17,000 लोग शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को जारी खबरों के अनुसार, पड़ोसी हेबेई प्रांत में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य अब भी लापता हैं।

इमरान की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने नौ मई 2023 की हिंसा के मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत अपीलों की सुनवाई मंगलवार को 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। खान पिछले महीने लाहौर उच्च न्यायालय से उनकी जमानत अर्जी खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक खान पर नौ मई, 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज हैं। जिनमें उनपर कथित तौर पर समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल है।

दिल्ली: हीलियम गैस सूंघकर की आत्महत्या

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बंगाली मार्केट इलाके में स्थित एक होटल में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने हीलियम गैस सूंघकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, धीरज कंसल (25) द्वारा छोड़े गए एक नोट के अनुसार, वह 2003 में अपने पिता की मृत्यु के बाद से अकेले थे। उनके पिता की मृत्यु के बाद, उनकी मां ने किसी और से शादी कर ली और उनके कोई भाई-बहन नहीं थे। महरौली के एक 'पेइंग गेस्ट हाउस' में रहने वाले कंसल ने सोशल मीडिया पर भी अपनी आत्महत्या के बारे में भी लिखा।

उ. कोरिया को परमाणु देश माने अमेरिका

सियोल। उ. कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उ. कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर कूटनीति बहाल करने के अमेरिका के इरादे को खारिज कर कहा कि वह उनके देश को परमाणु हथियार संपन्न देश माने। किम यो जोंग के बयान से संकेत मिलता है कि उ. कोरिया बातचीत की मेज पर तभी लौटेगा, जब अमेरिका उसे परमाणु क्षमता के आंशिक समर्पण के लिए पुरस्कृत करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का प्रयास कर सकते हैं।

केंद्र के तीन बड़े पद पर उप्र के अफसर तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएसबी के डीजी बनाए गए यूपी कैडर के आईपीएस संजय सिंघल

उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस संजय सिंघल को केंद्र सरकार में एसएसबी का डीजी बनाया गया है। लंबे समय के बाद केंद्र के तीन बड़े पद पर उत्तर प्रदेश के अफसरों की तैनाती हुई है। संजय सिंघल से पहले पीयूष आनंद डीजी एनडीआरएफ व दलजीत चौधरी डीजी बीएसएफ हैं। मौजूदा सरकार में यह पहला मौका है, जब केंद्र में तीन अहम फोर्स के डीजी उत्तर प्रदेश के अधिकारी बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश कैडर के पांच आईपीएस को केंद्र में डीजी रैंक में इम्पैनलमेंट किया गया है। यानी अब वे डीजी रैंक में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं। इनमें 1993 बैच के आईपीएस जकी अहमद, 1994 बैच के सुजीत पांडेय, अखिल कुमार, प्रकाश डी और राजा श्रीवास्तव हैं। इसमें जकी अहमद और राजा श्रीवास्तव पहले से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एडीजी रैंक में तैनात हैं। जकी अहमद और राजा श्रीवास्तव दोनों ही केंद्र में एडीजी सीआरपीएफ के पद पर तैनात हैं।

वहीं, सुजीत पांडेय लखनऊ जोन के एडीजी, अखिल कुमार कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस कमिश्नर और प्रकाश डी जीआरपी में एडीजी की रैंक में तैनात हैं। खास बात ये है कि इन अफसरों को यूपी में अभी डीजी रैंक नहीं मिली है। क्योंकि इस रैंक में फिलहाल वैकेंसी नहीं है।

एआई का प्रकोप: टेक कंपनियों में छंटनी

टेक कंपनी टीसीएस ने हाल ही में 12,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है, ऐसी ही खबरें अब दूसरी टेक कंपनियों से भी आनी शुरू हो गई हैं। सिर्फ भारत नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर टेक इंडस्ट्री में छंटनी की तैयारी चल रही है। आशंका है कि कुछ समय बाद ही कंपनियों में काम कर रहे लोग बड़ी संख्या में लोगों को नौकरियां गंवाकर फिर बेरोजगार की श्रेणी में आ खड़े हो सकते हैं। कंपनियों की ओर से इस छंटनी को परफॉर्मेंस रिस्ट्रक्चरिंग या इंटरनल रिएलाइनमेंट नाम दिया जा रहा है, लेकिन दरअसल इसके पीछे वैश्विक मंदी की आहट और एआई (आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस) के बढ़ते दायरे को प्रमुख कारण माना जा रहा है। संभावना जताई गई है कि इस साल 80,000 कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है। सरकार की ओर से फिलहाल इन कंपनियों पर सिर्फ निगरानी रखने की बात कही गई है।

कंपनियां और कितनी छंटनी

- टीसीएस ने परफॉर्मेंस आधारित छंटनी की बात कही है। इसकी वजह धीमी मांग और कुशलता की कमी को बताया है।
- इन्फोसिस की ओर से यूरोपीय क्लाइंट्स में कमी आने की बात कहते हुए लागत में कटौती के लिए छंटनी की बात कही गई है।
- विप्रो में स्किल मिसमैच और ऑटोमेशन के लिए छंटनी की सूचना है। एचसीएल अमेरिकी बाजार की सुस्ती को कारण बता रही है।
- टेक महिंद्रा और एलटीआई माइंडट्री में भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं। कई और कंपनियां भी छंटनी की तैयारी कर रही हैं।

मुख्य कारण

- एआई और ऑटोमेशन प्रमुख कारण हैं, इससे कम कर्मचारियों में पर्याप्त काम संभव है।
- महंगाई और मंदी की आशंका से ज्यादातर कंपनियां खर्च घटाने की कोशिश कर रही हैं।
- कोविड महामारी के बाद डिजिटल प्रोजेक्ट्स में कटौती, अमेरिका-यूरोप में बजट कटौती।

- **एआई के आने से पहले ही 2023 में दुनिया की 417 टेक कंपनियों ने की थीं 1.19 लाख कर्मचारियों की छंटनी**

वैश्विक स्तर पर स्थिति

- गूगल एल्फाबेट ने नॉन कोर प्रोजेक्ट बंद होने के बाद 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है। यह क्रम अभी जारी है।
- अमेजन ने दो साल में 27 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, इसका कारण मंदी और ऑटोमेशन बताए हैं।
- मेटा (फेसबुक) ने भी कंपनी में 21 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है और इसका कारण मंदी और लागत में कटौती को बताया।
- दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 10 हजार और सेल्सफोर्स ने कुछ समय में लगभग आठ हजार कर्मचारियों की छंटनी की है।
- इसी तरह आईबीएम, एसएपी और सिस्को समेत कई और टेक कंपनियों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई हैं।

कंपनियों के मानदंड

- लगातार खराब प्रदर्शन या पुराने और अप्रासंगिक हो चुके तकनीकी कौशल।
- कर्मचारियों की वर्क फ्रॉम होम पर निर्भरता या एक ही काम के लिए ज्यादा कर्मचारी।
- सीनियर कर्मचारियों की ऊंचा वेतन, साथ ही पर्याप्त कार्य कुशलता न होना।

संभावित नतीजे

बेंगलुरु में इन्फोसिस, विप्रो और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों ने एआई निर्भरता बढ़ाकर नौकरियों में भारी कटौती की है। हैदराबाद, पुणे और मुंबई, गुरुग्राम-नोएडा में भी टेक कंपनियों ने जॉब देने से हाथ खींचा है। कहा जा रहा है कि इसके नतीजे कमजोर कॉलेज प्लेसमेंट के तौर पर सामने आ सकते हैं। भारतीय प्रतिभा का विदेश पलायन हो सकता है।

चीन के दबाव में अमेरिका ने ताइवान के राष्ट्रपति का न्यूयॉर्क प्रवास रोका

ट्रंप प्रशासन को था चीन के साथ व्यापार वार्ता के जोखिम में पड़ने का अंदेशा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने चीन की आपत्तियों के चलते ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अगस्त में पराग्वे, ग्वाटेमाला और बेलीज़ की प्रस्तावित यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में उन्हें रुकने की अनुमति नहीं दी है। दावा किया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को जोखिम में डालने से बचना चाहता था।

फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने तीन सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सोमवार को सार्वजनिक की। कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को बिना किसी विवाद के पूरा करना चाहता है। हालांकि, न्यूज नेशंस ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि कुछ भी रद्द नहीं किया गया है। अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्ष स्थिति को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाई डलास में रुकने वाले थे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ने केवल न्यूयॉर्क यात्रा पर रोक लगाई है या देश से होकर उनके आवागमन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया, जबकि वाशिंगटन स्थित ताइवान के वास्तविक दूतावास ने लाई के इस बयान का हवाला दिया कि उनकी विदेश यात्रा की तत्काल कोई योजना नहीं है। चीन और उसके द्वीपीय प्रांत ताईवान के बीच आधिकारिक संबंध 1949 में टूट गए थे जब च्यांग काई-शेक के नेतृत्व वाली पराजित कुओमिन्तांग सेनाएँ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से गृहयुद्ध हारने के बाद ताइवान भाग गईं। 1980 के दशक के अंत में उन्होंने व्यावसायिक और अनौपचारिक संपर्क फिर से शुरू किए। 1990 के दशक की शुरुआत से, दोनों ने गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से संपर्क बनाए रखा है।

यूक्रेन की जेल पर हवाई हमले, 17 कैदियों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी जापोरिजिया क्षेत्र में एक जेल को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जिसमें कम से कम 17 कैदियों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन की स्टेट क्रिमिनल एग्जीक्यूटिव सर्विस के अनुसार यह हमला सोमवार देर रात किया गया जिसमें चार बम गिराकर बिलेनकिवस्का करेक्शनल कॉलोनी को निशाना बनाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि 42 कैदियों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा 40 अन्य को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि हमले में जेल का भोजन कक्ष तबाह हो गया, प्रशासनिक भवन को नुकसान हुआ है, लेकिन जेल की बाड़ सुरक्षित है और किसी कैदी के भागने की सूचना नहीं है। यूक्रेन ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कारागारों जैसे असैन्य ढांचों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत युद्ध अपराध है।

दस दिन में युद्ध रोकें पुतिन वर्ना लगाएंगे कड़े प्रतिबंध : ट्रंप

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत होने के लिए रूस को 10 या 12 दिन की एक नई और छोटी समय सीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस अवधि को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब और इंतजार करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि शांति की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। दो सप्ताह पहले ट्रंप ने कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन के पास युद्ध समाप्त करने के लिए 50 दिन हैं, अन्यथा रूस को कड़े आयात शुल्कों का सामना करना पड़ेगा। कल स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने यूक्रेन में चल रही गतिविधियों पर फिर असहमति जताते हुए कहा कि उन्हें अब बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है। सोमवार के ताजा घटनाक्रम पर रूसी सांसद आंद्रेई गुरुल्योव ने कहा है कि ट्रंप के अल्टीमेटम अब काम नहीं कर रहे, न अग्रिम मोर्चे पर, न मॉस्को में और रूस के पास हथियारों, सिद्धांतों और इच्छाशक्ति की ताकत है।

रक्षाबंधन की तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर लोगों के दिलोदिमाग पर छाया हुआ है। जम्मू में रक्षाबंधन पर उड़ाने के लिए भारी संख्या में ऐसी पतंगें तैयार की जा रही हैं जिन पर ऑपरेशन सिंदूर लिखा हुआ है। मंगलवार को पतंगें प्रदर्शित करते हुए दुकानदार। एजेंसी

कोलंबिया: कोर्ट में दोषी ठहराए गए पूर्व राष्ट्रपति

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को एक मामले में गवाहों को प्रभावित करने का दोषी पाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार वह दक्षिण अमेरिकी देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है। उरीबे 2002 से 2010 तक राष्ट्रपति रहे थे। शहर के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया द्वारा कल जारी किए गए फैसले में कहा गया है कि विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको पार्टी के सदस्य, पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने 2018 में उनके खिलाफ जांच शुरू होने के बाद से सभी आरोपों से खुद को निर्दोष बताया है।

विधेयकों पर समयसीमा को लेकर राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई का समय तय

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट में 19 अगस्त से पांच जजों की पीठ करेगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ पर सुनवाई के लिए मंगलवार को समय तय किया, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। न्यायालय ने इस पर 19 अगस्त से सुनवाई शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने केंद्र और राज्यों को 12 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह सबसे पहले 19 अगस्त को एक घंटे के लिए केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों द्वारा राष्ट्रपति संदर्भ की स्वीकार्यता पर सवाल उठाने वाली प्रारंभिक आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ का समर्थन करने वाले केंद्र और राज्यों की दलीलें 19, 20, 21 और 26 अगस्त को सुनी जाएंगी, जबकि इसका विरोध करने वालों की दलीलें 28 अगस्त और दो, तीन और नौ सितंबर को सुनी जाएंगी। उसने कहा कि यदि कोई प्रत्युत्तर होगा तो उस पर 10 सितंबर को सुनवाई की जाएगी।

यह था मामला

मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत शीर्ष कोर्ट से जानना चाहा था कि क्या राज्य विधानसभाओं के विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए।

एक बार की विजेता किरण देसाई फिर बुकर पुरस्कार की दौड़ में

लंदन, एजेंसी

बुकर पुरस्कार से सम्मानित भारतीय लेखिका अपने बहुप्रतीक्षित उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिये मंगलवार को एक बार फिर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की दौड़ में शामिल हो गईं।

साल 2006 में 'द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस' के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाली देसाई ने लगभग दो दशक के अंतराल के बाद कोई उपन्यास लिखा है। 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' अमेरिका में कदम रखने वाले दो युवा भारतीयों की कहानी बयां करने वाला 677 पन्नों का उपन्यास है। इसका प्रकाशन हैमिश हेमिल्टन ने किया है। यह उन 13 रचनाओं में से एक है, जिनके नाम की घोषणा 50,000 ब्रिटिश पाउंड की पुरस्कार राशि वाले प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल उपन्यासों के रूप में की गई।

- नए उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिए दावा

गाजा : भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका

तेल अवीव, एजेंसी

खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण ने कहा है कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी की सबसे खराब स्थिति उत्पन्न हो रही है और यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा में अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने की बात कही है।

गाजा से कुपोषित बच्चों की तस्वीरें सामने आने के बीच 'इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन' (आईपीसी) ने मंगलवार को यह बयान दिया। आईपीसी ने कहा कि यह चेतावनी एक खतरे की घंटी है.. लेकिन यह अकाल की औपचारिक घोषणा नहीं है। हालांकि इजराइल की सख्त नाकेबंदी के कारण स्थिति बेहद खराब हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अमेरिका फिलिस्तीनियों की मदद के लिए वहां खाद्य केंद्र खोलेगा। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान कहा कि गाजा में जारी मानवीय संकट इस बैठक का एक मुख्य कारण है।

- ट्रंप ने गाजा में जल्द ही अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने का किया एलान

इजराइल के हमलों में 78 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में सोमवार को इजराइल के हवाई हमलों या गोलीबारी में कम से कम 78 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गर्भवती महिला की मौत होने के बाद एक जटिल सर्जरी कर उसका प्रसव कराया गया लेकिन नवजात शिशु की भी मौत हो गई। मृतकों में कई लोग भोजन की तलाश में थे। इस हमले से पहले ही इजराइल ने गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। गाजा में भुखमरी के बढ़ते संकट पर बढ़ते दबाव के बीच इजराइल ने कहा था कि वह गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में रोज 10 घंटे के लिए सैन्य कार्रवाई रोकेगा और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित रास्तों की व्यवस्था करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 31 जुलाई 02.41 तक तत्पश्चात सप्तमी।

मेष: आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं। विद्यार्थियों को जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में उन्नति के लिये प्रयास करेंगे। लोन को लेकर अवरोध दूर होंगे।

वृष: आज कार्यक्षेत्र में बड़ा लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके द्वारा कही गई बातें सत्य सिद्ध होंगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहेगी। नए विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं।

मिथुन: आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निर्भीकता से सभी कार्य पूरे कर लेंगे।

कर्क: आपका आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें। व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध मधुर होंगे। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे।

सिंह: आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज का दिन अनुकूल है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

कन्या: आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेन्स को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

तुला: आज अपने अधिकारियों की अवमानना न करें। अड़ियल रवैये के कारण लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। रुचिपूर्ण कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है।

वृश्चिक: आज कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लम्बित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आप अपना पूरा फोकस घर-परिवार पर कर सकते हैं।

धनु: आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता हो सकती है।

मकर: आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

कुंभ: आज बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें।

मीन: आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

आज का पंचांग

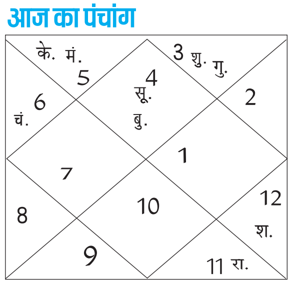

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-हस्त 09.53 तक तत्पश्चात चित्रा।

सुडोकू -54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट अगर नहीं खेलते हैं तो ऐसे में कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए, क्योंकि बुमराह की अनुपस्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत होगी जो 20 विकेट ले सके।
–संजय मांजरेकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 30 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एटीपी चैलेंजर के दूसरे दौर में पहुंचे नागल

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल स्पेन के कार्लोस सांचेज जोवर को सीधे सेटों में हराकर मंगलवार को जर्मनी के हेगन में प्लात्जमैन ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गए। विश्व रैंकिंग में 307 वें स्थान पर काबिज इस खिलाड़ी ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ी को 6-2, 6-2 से मात दी। नागल के सामने अब बुधवार को एटीपी चैलेंजर स्तर के इस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जर्मनी के 17 वर्षीय साल के नील्स मैकडॉनल्ड की चुनौती होगी।

लेडेकी फिर बनीं फ्रीस्टाइल की महारानी

सिंगापुर। केटी लेडेकी ने महिलाओं की 1,500 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए मंगलवार को विश्व तैराकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। लेडेकी ने 15 मिनट 26.44 सेकें में फिर से साबित कर दिया कि महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में उनका कोई सानी नहीं है। इटली की सिमोना क्वाडरेला ने 15:31.79 मिनट के यूरोपीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जबकि ऑस्ट्रेलिया की लानी पैलिस्टर ने 15:41.18 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 1,500 मीटर के इतिहास में 26 सर्वश्रेष्ठ समय में से 25 लेडेकी के नाम पर दर्ज हैं।

भारतीय तैराकों का प्रदर्शन निराशाजनक

सिंगापुर। भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक आगे नहीं बढ़ पाया। साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही प्रकाश का अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर थे। पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के साथ 23वें स्थान पर रहे।

कारेनो बस्टा ने जीत के साथ किया आगाज

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैंपियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को हराकर जीत के साथ आगाज किया। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को हराया। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को मात दी।

एशेज से पहले प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा इंग्लैंड

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार (29 जुलाई) को पुष्टि की कि इंग्लैंड, दिन-रात्रि एशेज टेस्ट की तैयारी के लिए दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा। यह पहली बार होगा जब इंग्लैंड प्रधानमंत्री एकादश के साथ कई दिनों का मैच खेलेगा, क्योंकि 2022-23 सीजन तक यह हमेशा एक दिवसीय मैच होता था। यह गुलाबी गेंद का मैच 29-30 नवंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच खेला जाएगा। इसके तीन दिन बाद, इंग्लैंड 4 दिसंबर से गाबा में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से दिन-रात्रि टेस्ट खेलेगा।

साबले की हुई सर्जरी चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले की एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) सर्जरी हुई है। उन्हें यह चोट इस महीने की शुरुआत में मोनाको डायमंड लीग के दौरान लगी थी। यह भारतीय खिलाड़ी अब सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर हो गया है। मौजूदा एशियाई चैंपियन और 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 30 वर्षीय साबले का मुंबई के अस्पताल में ऑपरेशन हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज का किया सूपड़ा साफ

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां और आखिरी टी-20 मैच तीन विकेट से जीतकर वेस्टइंडीज दौरे का अंत 8-0 से जीत के साथ किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट श्रृंखला 3-0 से जीती और फिर पहले 4 टी-20 मैच भी अपने नाम किए। आठवीं बार टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए भेजा और दो गेंद बाकी रहते 170 रन पर आउट किया।

इंग्लैंड का दौरा हमेशा से कठिन रहा है : गंभीर

भारतीय कोच बोले- इंग्लैंड में जिस तरह का क्रिकेट खेला वह गर्व की बात

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा से ही कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।

गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिये सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिये काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग की ओर से भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर गुरुवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा कि दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें। इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है। कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों से बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा कि श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैंने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।

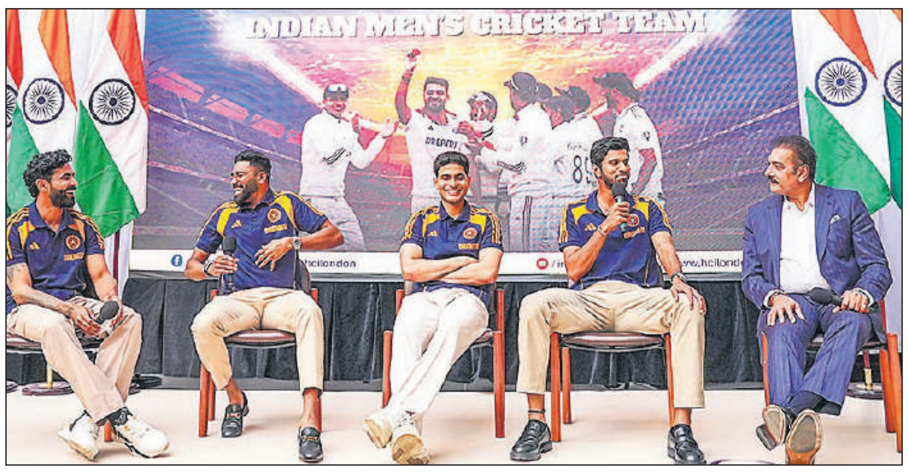

लंदन में उच्चायोग के कार्यक्रम में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल व अन्य क्रिकेटरों के साथ रवि शास्त्री। एजेंसी

हरफनमौला खिलाड़ी का चयन सही : कोटक

लंदन। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने टीम में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह हरफनमौला खिलाड़ियों को तरजीह देने पर कहा कि मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी बड़ा स्कोर खड़ा करना भी। भारत के प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव श्रृंखला के दौरान बेंच पर बैठे रहे, क्योंकि टीम ने गेंदबाज के बजाय हरफनमौला को प्राथमिकता दी। इस श्रृंखला के मैचों में शारदुल ठाकुर और नीतीश रेड्डी आठवें क्रम के बल्लेबाज रहे हैं। शारदुल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 11 ओवर फेंके और पहली पारी में 41 रनों की पारी खेली। कोटक के जवाब से लगा कि टीम गुरुवार से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट मैच में भी इसी संयोजन के साथ मैदान पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि देखिए, मैच जीतने के लिए आपको बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों का संतुलन चाहिए होता है। जैसे 20 विकेट लेना जरूरी है उसी तरह 550-600 रन बनाना भी महत्वपूर्ण है। हमने एजबेस्टन में इसलिए जीत हासिल की क्योंकि हमने उतने रन बनाए थे। ऐसे में दोनों में संतुलन रखना जरूरी है। अगर कप्तान और कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि एक गेंदबाज को बढ़ाना फायदेमंद होगा, तो वे ऐसा करेंगे।

बुमराह गेंदबाजी के लिए फिट

लंदन। बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने जसप्रीत बुमराह की इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में खेलने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि यह तेज गेंदबाज अपने कार्यभार प्रबंधन के अनुसार गेंदबाजी के लिए फिट है। चोटों से जूझने वाले बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत दौरे पर तीन टेस्ट मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन श्रृंखला अब नाजुक मोड़ पर है और वह पांचवां टेस्ट मैच खेल सकते हैं। मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी बुमराह के इस अहम मैच में खेलने की संभावना से इनकार नहीं किया था। कोटक ने मैच से दो दिन पहले कहा, बुमराह अब अपने कार्यभार प्रबंधन के हिसाब से फिट हैं। उन्होंने पिछले मैच में एक पारी में गेंदबाजी की थी।

गौतम गंभीर और ओवल के क्यूरेटर में तीखी बहस

तुम नहीं बताओगे, हमें क्या करना है...

लंदन, एजेंसी

भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से दो दिन पहले भारत के अभ्यास सत्र में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली जब मुख्य कोच गौतम गंभीर और 'द ओवल' के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। यह बहस तब हुई जब फोर्टिस ने मेहमान टीम के सहयोगी स्टाफ को पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े रहने को कहा। गंभीर को मैदानकर्मियों की ओर ऊंगली उठाकर यह कहते सुना गया कि तुम नहीं बताओगे कि हमें क्या करना है, तुम सिर्फ एक मैदानकर्मी हो और उससे ज्यादा कुछ नहीं।

इस पर फोर्टिस ने कहा, मुझे इसकी शिकायत करनी होगी। भारत के 10 खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, जिसमें कप्तान शुभमन गिल नहीं थे। गंभीर के द्वारा फोर्टिस पर भड़ास निकालने से पहले मैदान पर टीम का अभ्यास सत्र सामान्य रूप से चल रहा था। फोर्टिस तीन साल से इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सर्वश्रेष्ठ 'मल्टी-डे' पिचों का पुरस्कार जीतते रहे है। इसके बावजूद समझा जाता है कि तुनक मिजाजी से उनके साथ काम करना आसान नहीं है। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य क्यूरेटर को गंभीर से दूर ले जाकर इस बहस को शांत करने की कोशिश की।

कोटक ने कहा, जब हम पिच को परख रहे थे तभी मैदान के एक कर्मचारी ने आकर कहा कि (हमें) विकेट से 2.5 मीटर दूर खड़ा होना है और रस्सी के बाहर से विकेट को देखना है। भारतीय टीम के सदस्यों ने स्पाइक्स (खिलाड़ियों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कील वाले जूते) नहीं पहने थे, ऐसे में पिच को कोई खतरा नहीं था। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मुझे एक भारतीय खिलाड़ी ने कहा था कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना आसान नहीं है। किसी चीज से लगाव होना अच्छा है, लेकिन बहुत ज्यादा अच्छा नहीं है। हमने जॉगर्स (सामान्य जूते) पहने थे, स्पाइक्स नहीं, इसलिए कोई खतरा नहीं था।

कोटक कहा कि इस बहसबाजी के लहजे के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। क्यूरेटरों को यह भी समझने की जरूरत है कि वे जिन लोगों से बात कर रहे हैं, वे अत्यधिक कुशल और बुद्धिमान हैं।

लंदन के ओवल मैदान पर भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से पहले प्रशिक्षण सत्र के दौरान ग्राउंड्समैन से बात करते मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ।

ईसीबी से शिकायत करने से कोटक का इनकार

कोटक के अनुसार स्थिति और खराब हो गई क्योंकि फोर्टिस ने भारतीय टीम के एक सपोर्ट स्टाफ पर चिल्लाते हुए कहा कि वह कूलिंग बॉक्स को मुख्य स्क्वायर के पास न ले जाए। कोटक ने इस घटना को लेकर ईसीबी (इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से शिकायत करने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि आप पिछले मैच के ड्रॉ के बारे में पूछेंगे (हंसते हुए)। लेकिन जब सपोर्ट स्टाफ में से एक कूलिंग बॉक्स वहां ला रहा था तब भी फोर्टिस रोलर पर बैठा था, उसने चिल्लाकर सपोर्ट स्टाफ से कहा कि उसे वहां न ले जाए। उन्होंने कहा, उस समय गौतम ने बस इतना कहा कि सपोर्ट स्टाफ से ऐसे बात मत करो, क्योंकि सपोर्ट स्टाफ मुख्य कोच के अधीन आते हैं। मैदानकर्मी किसी टीम के सहयोगी सदस्यों पर चिल्ला नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि गौतम की प्रतिक्रिया बहुत सामान्य थी। अधिकांश टीम जानती है कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना मुश्किल है।

मंधाना की जगह नंबर वन बल्लेबाज बनीं ब्रंट

दुबई, एजेंसी

इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट ने भारत की स्मृति मंधाना को पछाड़कर आईसीसी महिला वनडे की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारत के खिलाफ हाल ही में श्रृंखला में 160 रन बनाने वाली ब्रंट 2023 में रैंकिंग में शीर्ष पर रही थी।

मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 115 रन बनाए थे, लेकिन वह रैंकिंग में एक पायदान नीचे आ गई। ब्रंट के अब 731 अंक हैं जबकि मंधाना के 728 अंक हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें नंबर पर खिसक गई जबकि जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गई। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर व मेगान शट पहले दो स्थान पर हैं।

- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें व जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गईं।
- गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे व इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे स्थान पर पहुंचीं

सात्विक-चिराग दूसरे दौर में, त्रीसा-गायत्री बाहर

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

मकाऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया।

प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की महिला युगल जोड़ी भी चीनी ताइपे की जिह लिंग हुआंग और वांग सू-मिन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 21-15, 16-21, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं। अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अज़ाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। तस्नीम का मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में चीन की चेन यू फेई से, जबकि अनमोल का थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से मुकाबला होगा।

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से 21-16, 20-22, 15-21 से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। अपूर्वा गहलावत व साक्षी गहलावत महिला युगल में मलेशिया की गो पेई की और तेओह मेई जिंग से हार गईं। हरिहरन अम्साकरुनन व रुबन कुमार रेथिनासबापति की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को 21-18, 21-17 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक के से होगा। थांड्रांगिनी हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोंजेंगबाम की मिश्रित युगल जोड़ी भी मुख्य ड्रॉ में पहुंच गई है। उनका मुकाबला अब थाईलैंड की फुवानत होरबानलुएकिट और फुंगफा कोरपथाम्माकिट से होगा।

इससे पहले सात्विक और चिराग ने शानदार शुरुआत करते हुए 6-1 की बढ़त बना ली थी। मलेशियाई जोड़ी ने अंतर को 10-9 किया था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने 13-14 तक दबाव बनाए रखा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने बढ़त ली और फिर चार अंक हासिल करके मैच अपने नाम कर लिया। इस बीच मेइराबा लुवांग मैसनाम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे और क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर में चीन के झू झुआन चेन से 15-21, 21-17, 13-21 से हार गए।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष 10 में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी और फिलहाल दसवें नंबर पर काबिज चिराग और सात्विक को मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक ने 21-13, 21-17 से हराया। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन 54442 अंक के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गए जबकि एच एस प्रणय दो पायदान चढकर 33वें स्थान पर हैं। महिला एकल में उन्नति हुड्डा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग पर पहुंच गई जिन्होंने पिछले सप्ताह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराया था। सिंधू 15वें स्थान पर बनी हुई हैं।

शतरंज का खेल

अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को दिव्या ने दी है मात

इच्छाशक्ति से दिव्या ने जीता विश्व कप : पोल्गार

नई दिल्ली, एजेंसी

महान शतरंज खिलाड़ी सुसैन पोल्गर ने कहा है कि दिव्या देशमुख को मानसिक दृढता और जीत की ललक के कारण विश्व कप खिताब जीतने में मदद मिली। 19 वर्ष की दिव्या ने अपने से कहीं अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को हराकर जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खिताब जीता। साथ ही उन्होंने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया और भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई।

सुसैन ने कहा कि दिव्या टूर्नामेंट से पहले वह खिताब की दावेदार नहीं थी, लेकिन उसने यह कारनामा कर दिखाया। हंगरी व अमेरिका की ग्रैंडमास्टर ने कहा कि कई मुकाबलों में वह संकट में भी थी और बढ़त का फायदा नहीं उठा सकी लेकिन जीतने के बाद अब वह सब बेमानी है। उसने जुझारूपन नहीं छोड़ा और इसी दृढता से जीत तक पहुंची। 1996 से 1999 तक विश्व चैंपियन रह चुकी सुसैन ने स्वीकार किया कि भारतीय शतरंज सफलता के नए आयामों को छू रहा है और विश्वनाथन आनंद जैसे दिग्गज जब नई पीढी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं तो भारत का भविष्य खेल में उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि गुकेश जब 12 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने तब वह भारतीय संभावितों में सबसे ऊंची रेटिंग वाले खिलाड़ियों में से भी नहीं थे। मैने तभी जान लिया था कि वह बहुत आगे जाएगा। लोगों को अजीब भी लगा, लेकिन 50 ग्रैंडमास्टर के साथ काम कर चुकी कोच होने के नाते मैने उसमें वह गुण देखे थे। उन्होंने कहा कि दिव्या के साथ भी ऐसा ही है। वह भारत की सबसे ऊंची रेटिंग वाली खिलाड़ी भले ही नही हो लेकिन उसमें जीत के गुण हैं। ये युवा बेखौफ हैं और इनमे जीत की ललक है। इससे उनके खेल की कुछ खामियां भी ढक जाती है। उम्मीद है कि कड़ी मेहनत, अनुभव और अभ्यास से ये कमियां भी छिप जाएंगी।

दिव्या को रास में दी गई जीत की बधाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतने के लिए मंगलवार को बधाई दी गई। उप सभापति हरिवंश ने कहा कि दिव्या ने देश को गौरवान्वित किया है। दिव्या की यह उपलब्धि उनकी निजी उपलब्धि ही नहीं है बल्कि यह शतरंज के क्षेत्र में नया प्रतिमान है। दिव्या की कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। दिव्या की यह जीत नए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और वह अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से उन्हें बधाई और आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं देते हैं। सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपा कर दिव्या को बधाई दी। भारतीय खिलाड़ी दिव्या ने जॉर्जिया हम्पी को हराकर खिताब जीता है।

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ भारत ग्रुप सी में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है। वियतनाम 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 स्थान है। भारत 70वें स्थान पर है और कम रैंकिंग वाली टीम है।

महिला एशियाई कप

- प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमें तीन समूहों में विभाजित

हमारा ग्रुप दिलचस्प व पेचीदा भी : छेत्री

भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा कि मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोचकर करना होगा। ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।